हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सेंसरशिप पर ओली सरकार के खिलाफ

‘विद्रोह’

भारत के खिलाफ ‘आग’ उगलने वाले पड़ोसी देश बांग्लादेश व नेपाल... अब खुद की ‘आग’ से ही बेहाल

नेपाल में सोशल मीडिया बैन...सड़कों पर उतरे ‘युवा’ संसद पर बोला धावा, पुलिस फायरिंग में 22 की मौत

स्कूली यूनिफॉर्म में सड़कों पर उतर आए विद्यार्थी, समाज का हर वर्ग इन युवाओं के साथ आया

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल सरकार द्वारा 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में सोमवार को युवाओं के नेतृत्व में यहां हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हो गए। हालात को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों को सेना को तैनात करना पड़ा। काठमांडू में संसद भवन के सामने ‘जेन जी’ के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हजारों युवाओं की दंगा-रोधी पुलिस के साथ झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ आंदोलनकारी संसद परिसर में घुस गए, इसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठियां चलानी पड़ी।

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध 2023 में सोशल नेटवर्क प्रबंधन के लिए बनाए गए कुछ नियमों के आधार पर लगाया

काठमांडू व पोखरा में कर्फ्यू, प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश 4 पत्रकारों की भी मौत, 500 से ज्यादा घायल, ओली ने बुलाई आपात बैठक

- पुलिस को लाठियां चलानी पड़ी, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां भी दागी
- विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय सुरक्षा बलों ने सीमा पर निगरानी कड़ी कर दी

फेसबुक, वॉट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध

नेपाल सरकार ने गुरुवार को बैठक के बाद 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को प्रतिबंधित करने का फैसला किया था। सरकार ने कहा था कि जो भी प्लेटफॉर्म में बिना पंजीकरण के चल रहे थे, उन सभी को बैन कर दिया गया है। इसे लेकर पहले ही संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग की मंत्रालय के अधिकारियों से बैठक हुई थी। इसमें नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के प्रतिनिधि, टेलीकॉम ऑपरेटर और इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियां शामिल हुईं। स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए। नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, वॉट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

‘हामी नेपाल’ के बैनर तले प्रदर्शन

दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है। सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में नेपो किड और नेपो बेबीज जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपंजीकृत प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है।

5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट में लगी थीं याचिकाएं

नेपाल में दिसंबर 2020 में एडवोकेट बीपी गौतम और अनीता बजगैन ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी और इसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए विदेशी कंपनियों के विज्ञापन बेरोकटोक दिखाए जाने पर प्रतिबंध की मांग की थी। इसी कड़ी में नेपाल केबल टेलिविजन फेडरेशन के महासचिव मनोज गुरुंग ने भी एक रिट याचिका दायर की थी। कोर्ट ने तब सरकार से इस संबंध में नियम बनाने के लिए कहा था। अब पांच साल बाद तीन सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस टेक प्रसाद धुनगना और शांति सिंह थापा की बेंच ने इन रिट याचिकाओं पर सुनवाई की और याचिकाकर्ताओं के पक्ष में मैंडामस जारी किया। यह सर्वोच्च न्यायालय का ऐसा आदेश है, जिसके जरिए सरकारी अधिकारी, निचली अदालत या सार्वजनिक प्राधिकरण को ऐसे सार्वजनिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जिसे उसने गलत तरीके से निभाने से इनकार कर दिया गया या अनदेखा किया गया। इससे कोर्ट किसी के कानूनी अधिकार या सार्वजनिक कर्तव्य के निर्वहन को सुनिश्चित करता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

खबर संक्षेप

सुयश मोहन गुरू बने डिप्टी सॉलिसिटर जनरल

जबलपुर। अधिवक्ता सुयश मोहन गुरू को मप्र हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर में डिप्टी सॉलिसिटर जनरल बनाया गया है। केंद्रीय कानून एवं न्याय विभाग ने सोमवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। वे मप्र हाईकोर्ट में प्रकरणों की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखेंगे।

नाबालिग को गर्भपात की अनुमति देने से इनकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए गर्भवती मां की सहमति जरुरी है। सिंगल बेंच ने कहा है कि एमटीपी अधिनियम गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए गर्भवती की सहमति जरूरी है।

सुबह 10 बजे से वोटिंग : दोनों सदनों में कुल 781 सदस्य, जीत के लिए चाहिए 391 वोट, एनडीए के पास इससे ज्यादा वोट

एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन इंडिया के जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला

ठीक 50 दिन बाद : आज ‘शाम 6 बजे’ देश को मिल जाएगा ‘नया’ उपराष्ट्रपति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को मतदान होगा। इसी दिन शाम 6 बेज तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह 15 वां नया उपराष्ट्रपति मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है।

एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। मतदान 9 सितंबर, सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संसद भवन में होगा। वोटों की गिनती शाम 6 बजे से और तुरंत परिणाम घोषित होंगे। आंकड़ों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि, संसद में विपक्ष की मजबूती से पिछले दो दशक में पहली बार मुकाबला करीबी हो सकता है।

केसीआर की पार्टी बीआरएस और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजेडी उपराष्ट्रपति चुनाव में किसी भी गठबंधन का समर्थन नहीं करेगी राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सदस्य

- ***इस चुनाव में सांसदों को व्हिप जारी नहीं किया जाता है***
- ***संविधान के अनुच्छेद 66 में बताई गई है उपराष्ट्रपति चुनाव की पूरी प्रक्रिया***

सीपी राधाकृष्णन (एनडीए) | सुदर्शन रेड्डी (इंडिया ब्लॉक)

विपक्ष ने कहा कि यह चुनाव दल पर नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर होगा

भाजपा बोली चारा घोटाले के आरोपी से मिलकर रेड्डी देश की कौनसी आत्मा बचाएंगे?

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में क्यों नहीं होता ईवीएम का इस्तेमाल?

इस चुनाव की प्रक्रिया, जहां राज्यसभा और लोकसभा के सांसद वोट डालते हैं और वह भी अनुपातिक मूल्यांकन और वरीयता आधारित प्रणाली से। यही कारण है कि यहां मतपत्र का ही सहारा लिया जाता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान के दौरान हर मतदाता को उम्मीदवारों के नाम के सामने 1, 2, 3, 4 जैसी प्राथमिकताएं अंकित करनी पड़ती हैं। वोटों की गिनती इन प्राथमिकताओं के आधार पर होती है, जो ईवीएम की मौजूदा तकनीक से संभव नहीं है।

तिवारी ने कहा- उपराष्ट्रपति पद का चुनाव योग्यता आधारित

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव पार्टियों पर नहीं, बल्कि योग्यता पर आधारित होता है और मुझे लगता है कि हमारे उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी इस पद के लिए पूरी तरह योग्य हैं क्योंकि वह राज्यसभा के वास्तविक सभापति होंगे। भाजपा ने पहले जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति बनाकर एक प्रयोग किया था, लेकिन वह असफल रहा।

एनडीए के प्रत्याशी की जीत तय... 458 वोट मिलने की उम्मीद

इस वक्त राज्यसभा में 239 और लोकसभा में 542 सांसद हैं। दोनों को मिलाकर सांसदों की संख्या 781 हो जाती है और उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को जीत के लिए आधे सांसदों यानी 391 वोटों की जरूरत होगी। इन आंकड़ों के अनुसार, एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत लगभग तय है। राधाकृष्णन को 458 वोट मिलने की उम्मीद है, जो जगदीप धनखड़ की जीत से काफी कम है। तीन साल पहले हुए चुनाव में पूर्व उपराष्ट्रपति ने 528 मतों से जीत हासिल की थी।

रविशंकर ने उठाया सवाल
आप (रेड्डी) किस तरह के रिटायर जज हैं?

सोमवार को विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी की लालू यादव से मुलाकात पर भाजपा की तरफ से प्रहार किया गया है। भाजपा के नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सुदर्शन रेड्डी ने देश की आत्मा को बचाने के लिए वोट मांगा है, बहुत बड़ी-बड़ी बातें की गई हैं। देश की आत्मा को बचाने के लिए वो लालू प्रसाद यादव से मिल रहे हैं। लालू प्रसाद यादव चारा घोटाला मामले में दोषी हैं। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि आप किस तरह के रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट के जज हैं, जो व्यक्ति दोषी है भ्रष्टाचार के मामले में, आप जाकर उससे मिलते हैं। वह व्यक्ति वोटर भी नहीं है। आप क्या देश की आत्मा की बात कर रहे हैं? यह गंभीर दिखावा है, आप कृपया करके देश की आत्मा की बात न करें। लालू यादव पर कई मामले हैं, आप उनसे जाकर मिलते हैं। जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के इस व्यवहार की हम निंदा करते हैं।

बरगी डैम से पानी के रिसाव से हड़कंप

जांच के लिए भोपाल व दिल्ली से पहुंची विशेषज्ञों की दो टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

बरगी बांध की गैलरी से पानी का लगातार रिसाव हो रहा है। बांध में दरार की आशंका से हड़कंप मचा हुआ है। बांध की गैलरी के ब्लॉक नंबर 3/10 से तेजी से पानी का रिसाव हो रहा है। बांध प्रबंधन के अधिकारी और कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। भोपाल और दिल्ली के वरिष्ठ और विशेषज्ञ अधिकारियों की टीम भी बरगी बांध पहुंच गई है। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता ने 31 जुलाई 2024 को बांध की सुरक्षा के लिहाज से रिसाव की जांच की थी।

■ डैम के ब्लॉक नंबर 3/10 में लीक होने का वीडियो

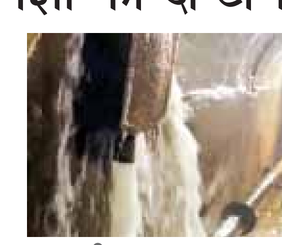

बरगी डैम 422.60 मीटर भरा हुआ

दरअसल, इस साल बारिश बहुत ज्यादा हुई है और इससे बरगी बांध इन दिनों पानी से लबालब भरा हुआ है। वर्तमान में 21 गेटों वाला बरगी डैम 422.60 मीटर भरा है।

गणेश विजर्सन के चल समारोह में तनाव

बुरहानपुर में हनुमान चालीसा पाठ में पथराव से बिगड़े हालात, 7 गिरफ्तार

एसपी ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बुरहानपुर

जिले के ग्राम बिरोदा में रविवार देर रात गणेश विजर्सन के चल समारोह में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान पथराव की घटना के कारण माहौल बिगड़ गया। पथराव के बाद दो पक्ष आमने-सामने आ गए।

गली-मोहल्लों में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि पुलिस को तत्काल मौके पर पहुंचना पड़ा। देर रात तक इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। हनुमान चालीसा पाठ में सैकड़ों लोग इसमें शामिल थे। इसी बीच कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। देखते ही देखते पूरा माहौल बिगड़ गया। दोनों तरफ से लोग एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए। इस दौरान कई लोग घायल भी हुए। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी आशुतोष बागरी खुद मौके पर पहुंचे।

पुलिसकर्मियों का महिलाओं संग अश्लील डांस

कांस्टेबल और एएसआई को किया गया ‘निलंबित’

एसपी बोले पुलिस की छवि खराब करने वाले काम बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

दतिया में सोशल मीडिया पर दो पुलिसकर्मियों का महिलाओं के साथ अश्लील डांस करते हुए वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। वायरल वीडियो थाना सिविल लाइन में पदस्थ एएसआई संजीव कुमार गॉड और राहुल बौद्ध का है। दोनों पुलिसकर्मी महिलाओं के साथ पार्टी में डांस करते हुए आपत्तिजनक हरकत करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो दतिया के एक होटल के बेसमेंट का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आते ही दतिया एसपी सूरज वर्मा ने बड़ी कार्रवाई की है ।

दुष्कर्म के दोषी को साढ़े चार साल ज्यादा जेल में रखा

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार को दिया 25 लाख मुआवजा देने का आदेश

विधिक सेवा को निर्देश पता लगाएं ऐसे और कितने केस?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुष्कर्म के मामले में सजा पूरी होने के बाद भी करीब साढ़े 4 साल तक कैदी को रिहा नहीं किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश सरकार को आदेश दिया है कि अतिरिक्त समय तक कैदी को जेल में रखने के बाद उसे 25 लाख रुपए मुआवजा दे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने अधिकारियों के इस लापरवाही के लिए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। पीठ ने कहा कि किसी को भी निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता है।

20 आईपीएस बदले: 7 रेंज के डीआईजी को बदला गया, दो एसपी इधर से उधर

मप्र पुलिस की सर्जरी

मोनिका शुक्ला को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल बनाया और भोपाल ग्रामीण रेंज में डीआईजी राजेश सिंह की तैनाती

मयंक अवस्थी को एसपी धार और राजीव कुमार मिश्रा को अशोकनगर एसपी की कमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मोनिका शुक्ला

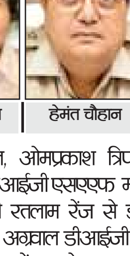

हेमंत चौहान

राजेश सिंह चंदेल

मध्यप्रदेश में भारतीय पुलिस सेवा के 20 अफसरों को बदला गया है। सोमवार को गृह विभाग द्वारा जारी सूची में किए गए फेरबदल में डीआईजी और एसपी स्तर के अफसर शामिल हैं। पुलिस सर्जरी में भोपाल और इंदौर नगरीय पुलिस के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त को भी बदला गया है। डीआईजी रेल मोनिका शुक्ला को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल पदस्थ किया गया है। वहीं, धार और अशोकनगर के पुलिस अधीक्षकों में भी फेरबदल में किया गया है। ललित शाक्यवार डीआईजी छतरपुर रेंज से डीआईजी पुलिस मुख्यालय भोपाल, मुकेश कुमार श्रीवास्तव डीआईजी बालाघाट रेंज से डीआईजी मानव अधिकार आयोग भोपाल, ओमप्रकाश त्रिपाठी भोपाल ग्रामीण डीआईजी से डीआईजी एसएएफ मध्य क्षेत्र, मनोज कुमार सिंह डीआईजी रतलाम रेंज से डीआईजी लोकायुक्त संगठन, निमिष अग्रवाल डीआईजी इंदौर ग्रामीण रेंज से डीआईजी रतलाम रेंज, मनोज कुमार श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर नगरीय पुलिस से डीआईजी पुलिस मुख्यालय भोपाल, डी कल्याण चक्रवर्ती छिंदवाड़ा से डीआईजी पुलिस मुख्यालय भोपाल,पंकज श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल से डीआईजी पुलिस मुख्यालय भोपाल, ।

मप्र को मिले 16 और आईएएस, डीओपीटी ने एसएएस से आईएएस की पदोन्नति की सूची जारी की

राकेश कुशरे एवं नंदा भलावी कुशरे (दंपती)

केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने दो वर्षों 2023 व 2024 के लिए एक साथ 16 पदों पर आईएएस अवार्ड करने का आदेश जारी कर दिया। इसके तहत राज्य प्रशासनिक सेवा एसएएस से आईएएस में पदोन्नति की गई है। हालांकि, इसी बैच के कमल नागर का मामला हाईकोर्ट जबलपुर में लंबित होने की वजह से कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि आईएएस अवार्ड वाले अधिकारियों के प्रोबेशन पीरिएड के लिए अलग से आदेश जारी किए जाएंगे। आईएएस अवार्ड के लिए पिछले एक साल से प्रक्रिया चल रही थी। डीओपीटी से जारी सूची के अनुसार एसएएस से वर्ष 2023 के लिए नारायण प्रसाद नामदेव, डॉ. कैलास बुंदेला, नंदा भलावी कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झनिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी और जितेंद्र सिंह चौहान को आईएएस अवार्ड किया गया है। इसी तरह वर्ष 2024 के लिए संतोष कुमार टैगोर, निशा डामर, राकेश कुशरे, शैली कनश, रोहन सक्सेना, कविता बाटला, सपना अनुराग जैन और आशीष कुमार पाठक को आईएएस अवार्ड किया गया है।

दिल मद्रासी का बाक्स ऑफिस पर धमाल...

मुंबई। साउथ फिल्मों का सिनेमाघरों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। अब फिल्म दिल मद्रासी को ही ले लीजिए। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 3 दिन में ही बता दिया है कि बिना प्रमोशन के भी साउथ फिल्मों का जलवा देखने को मिलता है। शिवकार्तिकेयन की इस फिल्म की रिलीज से पहले कोई चर्चा नहीं थी। लेकिन जैसे ही इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दी, इसने धमाल मचा दिया। दिल मद्रासी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 13.65 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन फिल्म ने 12.1 करोड़ रुपए कमाए।

लाइफ Style

अनन्या

'कॉल मी बे' के सीजन 2 का ऐलान

अभिनेत्री अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज 'कॉल मी बे' को रिलीज हुए पूरे एक साल हो गए हैं। इस मौके पर अनन्या ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के सीन की तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'कॉल मी बे' को एक साल पूरा हो गया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

मैं आप सबकी बहुत आभारी हूं कि हमें आज भी इतना प्यार मिल रहा है। लोग अब भी मुझसे पूछते हैं कि सीजन-2 कब आ रहा है, और वह बहुत जल्दी आने वाला है! मैं फिर से अपनी शानदार टीम के साथ काम करने और 'बे' की हील्स (जूते) पहनने का इंतजार नहीं कर सकती। वह सच में सबसे प्यारी लड़की है। यह सीरीज एक अरबपति फैशनिस्टा (एक ऐसा व्यक्ति जो फैशन में बहुत रुचि रखता है) की कहानी है, जो एक हादसे के बाद अपने परिवार और बाकी लोगों से अलग हो जाती है और पहली बार अपने दम पर जिंदगी का सामना करती है। इस सफर में वह कई दोस्त और उनके साथ अपनी पहचान बनाती है। 'कॉल मी बे' में अनन्या के साथ वीर दास, सयानी गुप्ता, गुरफतेह सिंह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका दत्त और लिसा मिश्रा जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या जल्द ही कार्तिक के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इसमें नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में होंगे।

हॉलीवुड मसाला

मिस्ट्री मैन संग नजर आईं सिमोन

लंदन। ब्रिटिश-इंडियन एक्ट्रेस सिमोन एश्ल एक्टर जोशुआ जैक्सन के साथ डेटिंग रूमर्स को लेकर चर्चा में थीं। हालांकि, अब क्वींस, न्यूयॉर्क में हुए यूएस ओपन से उनकी कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं,जिसमें वह एक मिस्ट्री मैन को किस कर रही हैं। इन तस्वीरों ने भी पुराने कयासों पर पूरी तरह से विराम लगा दिया। जिन तस्वीरों ने सबका ध्यान खींचा वह थी उनकी मिस्ट्री मैन संग रोमांटिक तस्वीरें। इंटरनेट पर इन दोनों की तस्वीरें छा गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिस्ट्री मैन टिम साइक्स हैं, जो एक रेस्टोरेंट मालिक और बिजनेसमैन हैं।

विन ने एक फिल्म से कमाए 200 मिलियन डॉलर

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड अभिनेता विन डीजल को 'फास्ट एंड द फ्यूरियस' सीरीज में उनके रोल के लिए जाना जाता है। इस फ्रैंचाइजी की एक फिल्म के लिए उन्हें लगभग 47 मिलियन डॉलर मिले थे और इस सीरीज से उनकी कुल कमाई लगभग 200 मिलियन डॉलर है। लेकिन, एक और किरदार है, जो पिछले कुछ वर्षों में विन का पर्याय बन गया है- मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के ग्रूट का किरदार। इस अभिनेता ने पहली बार 2014 में 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 1' में इस किरदार को आवाज दी थी, और दो सीक्वल, साथ ही दो एवेंजर्स फिल्मों- इन्फिनिटी वॉर और एंडगेम में भी इसे दोहराया। बताया जाता है किविन डीजल, ग्रूट के रोल के लिए प्रति फिल्म 13.5 मिलियन डॉलर कमाते थे, इससे पहले कि 'गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी' के निर्देशक जेम्स गन ने थ्रेड्स पर इस दावे को खारिज किया।

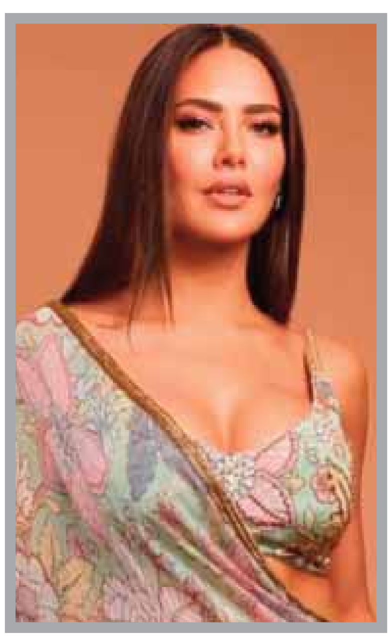

ईशा को धमाल-4 से मिली एनर्जी...

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस ईशा गुप्ता धमाल 4 में अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से दिल जीतने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है। ईशा ने कहा कि धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज का हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है। ईशा ने कहा कि अजय देवगन और पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा और मुझे सकारात्मक ऊर्जा मिली है । ईशा ने कहा कि अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं और सेट पर उनकी सहजता और ऐनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें, जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है।

फिर टली प्रभास की फिल्म की रिलीज डेट

मुंबई। प्रभास इस समय अपनी अगली फिल्म पर फोकस कर रहे हैं। कुछ फिल्मों पर अभी काम चल रहा है। तो कुछ बनने के बाद भी रिलीज़ नहीं हो पाई। यहां हम बात कर रहे हैं प्रभास की 'द राजा साब' की, जिसे पहले इसी साल अप्रैल में लाने की प्लानिंग थी। उससे पहले भी किसी और तारीख पर सहमति बन गई थी। आखिरकार 5 दिसंबर को मामला फाइनल हुआ। लेकिन एक बार फिर फिल्म की रिलीज टालकर अगले साल संक्रांति पर लाई जाएगी। इस फिल्म से प्रभास का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। वहीं दूसरी तरफ संजय दत्त विलेन बने हैं। दरअसल इसी साल प्रभास ने अपनी 'द राजा साब' के लिए पहले 5 दिसंबर चुनी थी। वहीं रणवीर सिंह की 'धुरंधर' और शाहिद कपूर की विशाल भारद्वाज के साथ फिल्म आ रही है।

टीवी मसाला

मां श्वेता की तरह स्टाइल में आगे निकलीं पलक

मुंबई। टीवी की सुपरस्टार श्वेता तिवारी सिर्फ अपनी एक्टिंग से ही नहीं, बल्कि अपनी ख़ूबसूरती और स्टाइल से भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। अब उनकी बेटी पलक तिवारी भी उसी राह पर चलती नजर आ रही हैं।

पलक ने बॉलीवुड में कदम रखते ही फैशन और ग्लैमर की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बना ली है। हाल ही में पलक तिवारी एक इवेंट में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने जबरदस्त स्टाइल से सबका ध्यान खींच लिया। पलक ने इस खास मौके के लिए एक बोल्ड और ग्लैमरस आउटफिट चुना, जिसमें वो किसी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उन्होंने एक शॉर्ट ड्रेस के ऊपर से साइड कट गाउन पहना हुआ था, जो ट्रेंडी होने के साथ-साथ बेहद एलिगेंट भी लग रहा था। उनका ये लुक सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है और लोग उनकी तुलना सीधी-सीधी उनकी मां श्वेता तिवारी से कर रहे हैं। जहां एक ओर श्वेता तिवारी उम्र के साथ और भी खूबसूरत और ग्रेसफुल होती जा रही हैं, वहीं 24 साल की पलक भी स्टाइल और कॉन्फिडेंस के मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। इवेंट में उनका आत्मविश्वास और अंदाज़ देख लोगों ने खूब तारीफें कीं। फैंस का कहना है कि पलक में अपनी मां की झलक साफ दिखाई देती है, लेकिन वह अपने आप में भी एक फैशन आइकन बनने की काबिलियत रखती हैं।

जैकलीन ने पहनी अनोखी आउटफिट हुई ट्रोल

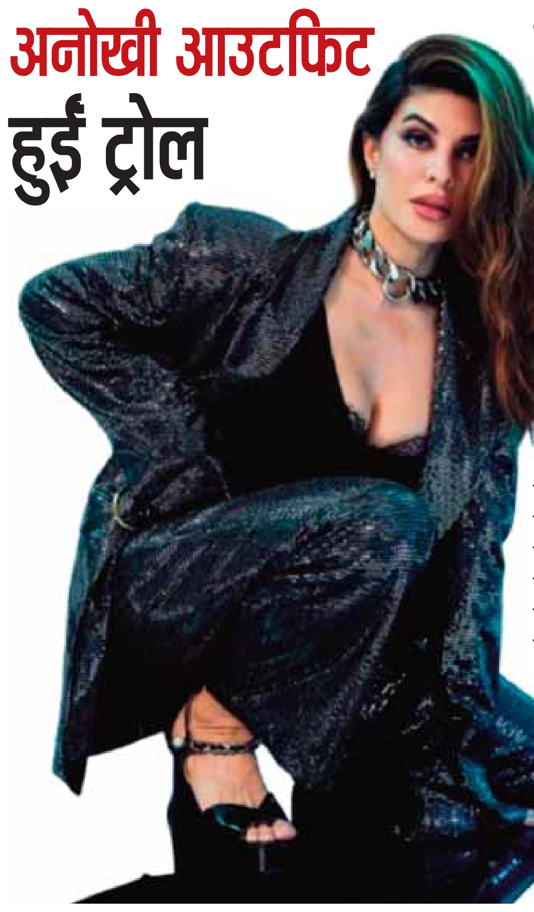

जैकलीन फर्नांडिस अपने बेहतरीन डांस और ग्लैमरस फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं, लेकिन उनका हालिया लुक सोशल मीडिया पर लोगों के बीच अब किसी और वजह से चर्चा में बना हुआ है। बॉलीवुड एक्ट्रेस हाल ही में नई दिल्ली में एक अवॉर्ड शो में शामिल हुईं, जहां उनका अनोखा आउटफिट देख सभी का मुंह खुला का खुला रह गया।

मुंबई। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। वहीं, कुछ उनकी ड्रेस की कीमत जानने के लिए बेताब नजर आए। इस इवेंट में जैकलीन लक्जरी फैशन हाउस बाल्मेन की डिजाइन की हुई व्हाइट लंबी आस्तीन वाली पॉप्लिन बस्टियर ड्रेस में नजर आईं। इस ऑफ-शोल्डर ड्रेस में शर्ट से इंस्पायर्ड डिजाइन देखने को मिला, जिसमें स्ट्रक्चर्ड कॉलर और बारीक डिजाइन एक गोल्डन बटन-डाउन शर्ट की याद दिलाते थे। इस शर्ट ड्रेस को एक हाई-फैशन ट्विस्ट दिया गया, जिसमें स्लिट का टच दिया है।सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का वीडियो वायरल होते ही यूजर्स ने ड्रेस की लिंक मांगी। वहीं, कुछ ने पूछा कि इस आउटफिट की कीमत क्या होगी? जैकलीन का ये वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। जैकलीन की बालमैन की जो लंबी आस्तीन वाली पॉप्लिन बस्टियर ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं, वो 7,250 डॉलर की है, जिसकी भारत में कीमत 6 लाख रुपए से ज्यादा है। उन्होंने डायमंड गोल्ड की अंगूठी अमारिस डायमंड्स ज्वेल्स की पहनी है, जो 76,665 हजार रुपए की है। काम की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस हाल ही में सुपरहिट फ्रैंचाइजी की पांचवीं फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं, जो 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सुबह की उड़ानें सबसे खराब

मुंबई। रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने फ्लाइट के अनुभव के बारे में खुलासा किया। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि किस वजह से उनकी नींद उड़ जाती है और उन्हें रोजमर्रा में छोटे-छोटे फैसले लेना कितना मुश्किल लगता है। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक फ्लाइट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि सुबह 3:50 की उड़ानें सबसे खराब होती हैं। रश्मिका ने कहा, यह न तो पूरी तरह रात है और न ही सुबह। इस समय उड़ानें मेरी नींद और आराम दोनों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने आगे बताया कि फ्लाइट के दौरान उन्हें यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि दो घंटे सोना चाहिए और फिर काम करना चाहिए। वरना बहुत बीमार और सुस्त महसूस करूंगी, या जागकर काम करना चाहिए और पूरा दिन खत्म करना चाहिए। रश्मिका ने इस पोस्ट में कहा कि यह रोजमर्रा के फैसले उनके लिए सबसे कठिन होते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका को आखिरी बार 'कुबेर' फिल्म में देखा गया था, जिसमें धनुष और नागार्जुन मुख्य भूमिका में थे। आने वाले समय में वह कई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिनमें हिंदी फिल्म 'थामा' (आयुष्मान खुराना लीड रोल में), साउथ फिल्म 'मैसा', और 'गर्लफ्रेंड' फिल्म शामिल हैं। इस पोस्ट के बाद उनके फैंस रश्मिका के फ्लाइट के अनुभव और व्यस्त शेड्यूल को लेकर काफी हैरान और चौंके हुए हैं। रश्मिका ने अपने फ्लाइट अनुभव के जरिए दिखा दिया कि व्यस्त शेड्यूल और असामयिक उड़ानें सिर्फ आराम और नींद को ही प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे फैसले भी चुनौतीपूर्ण बन जाते हैं।

16 साल की उम्र में बन गई थी हिट सिंगर, 'रात की रानी' में गाया था पहला सोलो गाना

आशा भोसले ने 20 भाषाओं में गाए 11 हजार से ज्यादा गाने

मुंबई। भारतीय संगीत जगत में कुछ ऐसे सिंगर आए, जिनकी जगह आज तक कोई नहीं ले सका है। आशा भोसले संगीत की दुनिया का एक ऐसा ही सितारा हैं। वे आज भले ही अपनी उम्र के चलते म्यूजिक इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन अपने विविधता से भरे करियर, उनके गाने की शैली और मधुर आवाज के चलते वह आज भी एक अलग मुकाम रखती हैं। मेलोडी क्वीन के नाम से मशहूर आशा भोसले 8 सितंबर को अपन 92वां जन्मदिन मना रहीं है। 2011 में सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग के लिए आशा दीदी का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था। उन्होंने 20 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में 11 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं, जिसके चलते उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

11 साल की उम्र में रखा संगीत की दुनिया में कदम

आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ। वह पंडित दीनानाथ मंगेशकर की तीसरी बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। आशा भोसले तब मात्र 11 साल की थीं, जब उन्होंने संगीत की दुनिया में कदम रख दिए थे। उनका पहला गाना मराठी भाषा में था, जिसका नाम 'चला चला नव बाल' था, उन्होंने ये गाना अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ गया था। लेकिन, उन्हें पहचान 16 की उम्र में जाकर मिल सकी। उन्होंने 16 साल की उम्र में 'रात की रानी' फिल्म के लिए पहला सोलो गाया और रातों-रात स्टार बन गईं।

ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट होने वाली पहली भारतीय महिला

आशा भोसले के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। उनके पास ना तो टैलेंट की कमी है और ना ही मेहनत की, जिसके दम पर वह ग्रैमी पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्हें 2205 में ग्रैमी पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था। आशा भोसले एक बेहतरीन सिंगर तो हैं ही, वह अभिनय में भी अपना दम दिखा चुकी हैं। उन्होंने एक मराठी फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखे, जिसका नाम माई है।

बोल्ड गाने मिलने पर हुईं थी नाराज

आशा भोसले का नाम कई बार विवादों में भी रहा। उनके मशहूर गानों में 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने भी शुमार हैं। ये गाने उस दौर में काफी बोल्ड माने गए, जिसे लेकर विवाद भी हुआ। आशा भोसले ने आरडी बर्मन से इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की थी कि वह उन्हें लगातार बोल्ड गाने दिए जा रहे थे। उन्होंने एक बार खुलासा किया था कि जब वह कारवां का गाना पिया तू अब तो आजा रिकॉर्ड कर रही थीं तो गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी बीच में ही स्टूडियो छोड़कर चले गए थे, क्योंकि उन्हें अपने लिखे शब्दों पर शर्मिंदगी महसूस हो रही थी।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सुप्रीम आदेश: पहचान के लिए आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में जाना जाए

देश की सबसे बड़ी अदालत में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि 'हम यहां पर यह साफ कर दे रहे हैं कि आधार कार्ड सिर्फ निवास के प्रमाण के लिए है न कि नागरिकता तय करने के लिए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कि एसआईआर में पहचान के उद्देश्य से आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज़ के रूप में माना जाए। मतदाता सूची में किसी मतदाता को शामिल,बहिष्कृत करने के उद्देश्य से किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को भी ध्यान में रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण में मतदाता की पहचान के लिए आधार को दस्तावेज मानने पर विचार करने को कहा, इसने स्पष्ट किया कि यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। चुनाव आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा, 7.24 करोड़ में से 99.6 प्रतिशत ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं। पिछले आदेश में 65 लाख लोगों के लिए आधार की अनुमति दी गई थी। अब उनके लिए किसी भी याचिकाकर्ता ने यह नहीं बताया है कि बड़ी संख्या में लोगों को गलत तरीके से बाहर रखा गया है।

कोर्ट ने ये भी कहा

7.24 करोड़ में से 99.6 प्रतिशत ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए

याचिकाकर्ता ने यह नहीं बताया है कि लोगों को गलत तरीके से बाहर रखा गया

आधार कार्ड को लेकर कोर्ट ने दूर की भ्रम की स्थिति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अकेले आधार को भी 11 मान्य दस्तावेजों के बराबर माना जाए। कोर्ट ने कहा कि आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग आधार का सत्यापन कर सकता है (आधार सही या नहीं)। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम साफ कर दे रहे है कि आधार सिर्फ निवास के प्रमाण के लिए है न कि नागरिकता तय करने के लिए।

अवैध प्रवासियों को अनुमति देने के लिए नहीं कह रहे

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कोई भी अवैध प्रवासियों को अनुमति देने के लिए नहीं कह रहा है। हम जानते हैं कि आधार पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। मान लीजिए कि यह बारहवां दस्तावेज़ है तो इसमें क्या समस्या है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संशोधित मतदाता सूची प्रक्रिया में शामिल या बहिष्कृत लोगों की पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से आधार अधिनियम 2016 के तहत जारी आधार कार्ड को स्वीकार किया जाएगा और इसे 12वें दस्तावेज के रूप में माना जाएगा। हालांकि अधिकारी प्रस्तुत किए गए कार्ड की प्रामाणिकता की पुष्टि कर सकते हैं और आधार कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में नहीं माना जाएगा।

99.6% ने पहले ही दस्तावेज़ जमा कर दिए

इससे पहले याचिकाकर्ताओं ने कहा, पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की जानी थी, लेकिन उनकी नियुक्ति नहीं हुई। चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि वे अवैध प्रवासियों के लिए ऐसा चाहते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि अवैध प्रवासी मतदाता सूची में शामिल हों। चुनाव आयोग के मुताबिक, बिहार के 99.6% नागरिकों ने पहले ही 11 सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक पेश किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, 7.24 करोड़ में से 99.6 प्रतिशत ने पहले ही दस्तावेज जमा कर दिए हैं। पिछले आदेश में 65 लाख लोगों के लिए आधार की अनुमति दी गई थी। अब उनके लिए किसी भी याचिकाकर्ता ने यह नहीं बताया है कि बड़ी संख्या में लोगों को गलत तरीके से बाहर रखा गया है।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी 15 को करेंगे एयरपोर्ट का शुभारंभ

पूर्णिया। पटना, गया, दरभंगा के बाद पूर्णिया में 15 सितंबर को बिहार के चौथे एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस एयरपोर्ट की खासियत यह होगी कि इसका रनवे राज्य का सबसे बड़ा रनवे होगा, जिसकी लंबाई 09 हजार मीटर होगी। दरअसल, इस एयरपोर्ट की घोषणा पीएम नरेंद्र मोदी ने लगभग 10 वर्ष पहले 02 नवंबर 2015 को पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए की थी।

चोरी हुआ एक करोड़ का कलश बरामद

हापुड़। लाल किला के सामने 15 अगस्त पार्क में चल रहे जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से एक करोड़ से अधिक कीमत का कलश चोरी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से कीमती कलश भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी का नाम भूषण वर्मा है और वो हापुड़ का रहने वाला बताया जा रहा है।

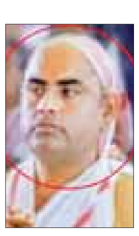

एसी फटने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

फरीदाबाद। दिल्ली से सटे फरीदाबाद की ग्रीन फील्ड कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एसी फटने के कारण लगी आग में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जान चली गई। दम घुटने से पति सचिन कपूर, उनकी पत्नी रिंकू कपूर और बेटी सुजान कपूर की मौत हो गई, हादसे में उनका पालतू कुत्ता भी नहीं बचा।

बस और मोटरसाइकिल की टक्कर, 3 की मौत

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की बस और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, नासिक जिले के भंवरपाड़ा फाटा के पास एक बस अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टकरा गई।

कंकाल के अवशेष मिलने से मचा हड़कंप

मंगलुरू। कर्नाटक के धर्मस्थल में कथित तौर पर दुष्कर्म, हत्या और शवों को दफनाने के मामले की जांच कर रहे विशेष दल को बंगले गुड्डे इलाके में मानव कंकाल के अवशेष मिले। पुलिस ने बताया कि यह अवशेष दिवंगत छात्रा के रिश्तेदार की मौजूदगी में मिले। वही छात्रा है, जिसकी 2012 को दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी।

भाजपा की कार्यशाला में लीक से हटकर सोच और स्वच्छता पर जोर

पीएम मोदी ने सभी सांसदों से टिफिन बैठक करने को भी कहा- इससे लोगों की समस्याएं जल्दी सुलझेंगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भाजपा की कार्यशाला में पीएम मोदी ने सांसदों को दिए कई खास संदेश

अधिकारियों से निरंतर चर्चा और विषयों को गहराई से समझने को कहा

नई दिल्ली में रविवार को भाजपा सांसदों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में पीएम मोदी ने भी हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान पीएम मोदी ने जीएसटी सुधारों की जमकर प्रशंसा की। इसके बाद भाजपा देश भर में जीएसटी सुधारों से होने वाले फायदे को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत करेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी ने इस कार्यशाला के दौरान भाजपा सांसदों को कई निर्देश दिए कि वे क्या करें और क्या न करें, और उनसे सोचने, नया करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सरकारी योजनाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। बताया जा रहा कि पीएम मोदी ने इस कार्यशाला में सांसदों को सरकारी योजनाओं का प्रचार करने और यह देखने की सलाह दी क्या उन योजनाओं का लाभ सभी को मिल रहा है या नहीं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने का भी आह्वान किया और इस दौरान उन्होंने सिंगापुर का उदाहरण दिया। पीएम मोदी ने इस कार्यशाला के दौरान सांसदों के विभिन्न समूहों से मुलाकात करते हुए, उन्होंने सांसदों से संसदीय समितियों की बैठकों में सक्रिय रहने को कहा। सूत्रों की मानें तो ऐसी बैठकों से पहले और बाद में संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों से मिलें ताकि आप विषय की गहराई से समझ सकें। वहीं, पीएम मोदी इस कार्यशाला में सबसे आखिरी पंक्ति में बैठे थे। पीएम मोदी ने बाद में इस कार्यक्रम की कई तस्वीरों को भी साझा किया।

लोगों से संवाद बढ़ना चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कार्यशाला में आए सभी सांसदों से अपने संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा सीटों पर हर महीने एक टिफिन मीटिंग आयोजित करने को कहा, ताकि लोगों से सीधा संवाद हो सके और उनकी समस्याओं को जाना जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सांसदों को खेल महोत्सव में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए।

पीएम मोदी ने शेयर की पोस्ट

पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि दिल्ली में 'संसद कार्यशाला' में भाग लिया। पूरे भारत से आए सांसद सहयोगियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विविध मुद्दों पर बहुमूल्य विचारों का आदान-प्रदान किया। वहीं, उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि हमारी पार्टी में 'संसद कार्यशाला' जैसे मंच महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये एक-दूसरे से सीखने और लोगों की बेहतर सेवा कैसे की जा सकती है, इस पर विचार-विमर्श करने के बेहतरीन मंच हैं।

जागरुकता फैलाने का आह्वान किया

उन्होंने सांसदों से हालिया प्रतिबंध के बारे में जागरुकता फैलाने का आह्वान किया, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहां जानकारी का अभाव पारिवारिक स्तर पर गंभीर चुनौतियाँ पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से समुदायों को नशे के खतरों और नए कानून के उद्देश्य के बारे में शिक्षित करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में संसदीय स्थायी समितियों पर छोटे समूहों में चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी किसी स्थायी समिति में काम नहीं किया है, बल्कि सीधे प्रधानमंत्री की भूमिका में आ गए हैं।

समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री मोदी ने नीति निर्माण और शासन की निगरानी में स्थायी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सांसदों से समितियों की रिपोर्टों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने और उनके कार्यों को गंभीरता से लेने का आग्रह किया और इसे 'नीति निर्माण का खजाना' बताया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने गलतफहमी से बचने और समन्वय में सुधार के लिए स्थायी समिति की चर्चाओं से पहले और बाद में मंत्रियों से मिलने के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों के प्रति पेशेवर सम्मान बनाए रखने की सलाह दी और उन्हें याद दिलाया कि नौकरशाह सांसदों के काम में सहायक होते हैं।

अग्रिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- आरोपी सीधे हाईकोर्ट जा सकते हैं या नहीं विचार करेंगे

14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम कानूनी सवाल पर विचार करने का फैसला लिया है। अदालत यह तय करेगी कि अग्रिम जमानत यानि एंटिसिपेट्री बेल के लिए आरोपी या याचिकाकर्ता को पहले सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाना अनिवार्य है या फिर वह सीधे हाईकोर्ट जा सकता है। यह सवाल विशेष रूप से केरल हाईकोर्ट की उस प्रथा को देखते हुए उठा है, जिसमें वहां सीधे हाईकोर्ट अग्रिम जमानत की अर्जी स्वीकार करता है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि केरल हाईकोर्ट में नियमित रूप से बिना सत्र न्यायालय गए सीधे अग्रिम जमानत की अर्जी सुनी जाती है। जबकि अन्य राज्यों में ऐसा नहीं होता।

सीधे हाईकोर्ट आने से तथ्य छूट जाते हैं

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर इस तरह की प्रथा सिर्फ केरल हाईकोर्ट में ही क्यों है। पीठ ने कहा कि पुराने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 में स्पष्ट न्यायिक संरचना तय है। अग्रिम जमानत से संबंधित प्रावधान धारा 482 में दर्ज हैं। अदालत का मानना है कि यदि सेशंस कोर्ट को दरकिनार कर सीधे हाईकोर्ट में याचिका लगाई जाती है तो कई अहम तथ्य सामने आने से छूट सकते हैं।यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट दो याचिकाकर्ताओं की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था। इन याचिकाकर्ताओं की अग्रिम जमानत की मांग को केरल हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। उन्होंने सीधे हाईकोर्ट का रुख किया था, जबकि सेशंस कोर्ट में याचिका दाखिल नहीं की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह तरीका न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और संतुलन को प्रभावित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर केरल हाईकोर्ट को नोटिस जारी किया है। अदालत ने रजिस्टार जनरल के माध्यम से जवाब मांगा है।

अदालत का रुख

पीठ ने साफ कहा कि वह यह तय करने के पक्ष में है कि क्या हाईकोर्ट में सीधे जाने का विकल्प सिर्फ याचिकाकर्ता की मर्जी पर होगा या इसे अनिवार्य बनाया जाना चाहिए कि पहले सेशंस कोर्ट से ही गुहार लगाई जाए। इस फैसले का असर पूरे देश में अग्रिम जमानत की प्रक्रिया पर पड़ सकता है और यह न्यायिक ढांचे में एक बड़ा बदलाव ला सकता है।कानूनी विशेषज्ञ मानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने वाले समय में अग्रिम जमानत मामलों में नई राह तय करेगा।

चीन सीमा के पास युमथांग घाटी तक की अनुमति

चार महीने बाद टूरिस्ट के लिए खुला सिक्किम का लाचुंग

एजेंसी ▸▸ गंगटोक

खराब सड़कों की वजह से चार महीने से बंद पड़े उत्तर सिक्किम के कई पर्यटन स्थल अब फिर से रौनक बिखेरने को तैयार हैं। त्योहारों का मौसम नजदीक है और ऐसे में लाचुंग, युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट जैसे हसीन नजारों को देखने की राह तक रहे यात्रियों को आखिरकार राहत मिली है। राज्य सरकार का यह फैसला न सिर्फ यात्रियों के लिए रोमांच लेकर आया है, बल्कि पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के चेहरों पर भी मुस्कान बिखेर गया है। सिक्किम सरकार ने उत्तर सिक्किम के कुछ पर्यटन स्थलों को दोबारा खोलने का फैसला किया है। लंबे इंतजार के बाद यह खबर पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों और यात्रियों दोनों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

असम से खुलेगी हरित क्रांति की नई राह

पीएम मोदी 14 को समर्पित करेंगे बांस बायोरिफाइनरी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के हरित ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी 14 सितंबर 2025 को असम के गोलाघाट ज़िले के नुमालिगढ़ में स्थापित देश की बांस-आधारित बायोरिफाइनरी परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजना न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में क्रांतिकारी पहल है बल्कि पूर्वोत्तर भारत को हरित औद्योगिक परिवर्तन का केंद्र बनाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्म एक्स पर परियोजना की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, यह भारत की पहली बांस-आधारित बायोरिफाइनरी परियोजना है। पीएम 14 सितंबर को इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 1700 करोड़ से अधिक निवेश होगा।

हिंदू संगठनों ने जमकर किया विरोध प्रदर्शन

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी, 8 लोग घायल, 21 गिरफ्तार

एजेंसी ▸▸ कर्नाटक

कर्नाटक के मंड्या जिले के रविवार सोमवार की रात गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। जुलूस पर राम रहीम नगर से मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब पत्थरबाजी की गई। इसके बाद दूसरे पक्ष ने भी पत्थरबाजी की। दोनों समुदायों में हाथापाई भी हुई। पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई। इसके बाद पुलिस ने लोगों को हटाया। पत्थरबाजी की इस घटना में 8 लोग घायल हुए हैं। उनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं, घटना को लेकर सोमवार को मंड्या में प्रो-हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है।

चाकूबाजी भी हुई

गृह मंत्री परमेश्वर ने बेंगलुरु में पत्रकारों से कहा कि मद्दूर घटना के सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। गणेश प्रतिमा का विसर्जन उसके बाद हुआ। छोटी-मोटी घटनाएं हुई हैं। एक जगह झंडा लाने के लिए चाकू मारने का प्रयास किया गया। दूसरी जगह गणपति जुलूस के दौरान छत से तीन साल और चार साल के छोटे बच्चों पर थूकने की घटना हुई। सब कुछ नियंत्रण में है। भाजपा राज्य अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा- कांग्रेस शासन में कानून और व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा- गणेश विसर्जन जुलूसों के दौरान, कट्टर असामाजिक तत्व गिरोह बनाकर पत्थरबाजी कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं राज्य के कई हिस्सों से रिपोर्ट की गई हैं, जिसमें मंड्या, धारवाड़, बागलकोट, हुब्बली शामिल हैं।

उत्तराखंड में भूस्खलन से गिरा मलबा, ट्रेन की आवाजाही बंद, सड़कें भी अवरुद्ध

मथुरा-वृंदावन में यमुना मचा रही तबाही...बांके बिहारी मंदिर मार्ग हुआ जलमग्न, अयोध्या नगर में गिर गया मकान

एजेंसी ▸▸ मथुरा/देहरादून

यमुना का जलस्तर बढ़ने से मथुरा और वृंदावन में घर डूबते जा रहे हैं। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर पानी पहुंच गया है। वहीं मथुरा के अयोध्या नगर में हुए जलभराव से एक मकान गिर गया। गनीमत ये रही कि इस हादसे में परिवार के लोग बाल-बाल बच गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बांकेबिहारी मंदिर जाने वाले मार्ग में भी यमुना का पानी पहुंच गया है। दाऊजी तिराहे तक सड़कें जलमग्न हो गई हैं। इस वजह से यहां के दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं मथुरा के लक्ष्मी नगर के अयोध्या नगर में रविवार को बाढ़ का पानी भरने से एक मकान गिर गया।

उत्तराखंड के सीएम धामी ने की समीक्षा बैठक दिए जरूरी निर्देश

रेलवे ट्रैक से भागकर बचाई जान

लक्ष्मी नगर के ईसापुर में एक मंजिल तक पानी भरने के बाद बाढ़ प्रभावित लोग रेलवे ट्रैक को पार करके सुरक्षित स्थान पर जा रहे हैं। सोमवार दोपहर 1:00 बजे दर्जनों लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे थे, इसी दौरान हाथरस की तरफ से तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। लोगों ने जैसे तैसे रेलवे ट्रैक से भाग कर अपनी अपनी जान बचाई।

हरिद्वार में मलबा आने से रेलवे ट्रैक और देहरादून में 233 सड़कें बंद

हरिद्वार में पहाड़ी से भूस्खलन से बड़ा खतरा पैदा हो गया है। सोमवार सुबह काली मंदिर के पास पहाड़ी से भू स्खलन होने के कराण बड़ी तादात में मलबा रेलवे ट्रैक पर गिर गया। लोहे की जालियों को तोड़ते हुए बड़े बड़े पत्थर रेलवे ट्रैक पर जमा हो गये हैं जिससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया है।

वर्षा काल तक राहत सामग्री एवं राशन की पर्याप्त उपलब्धता

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्षा काल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावितों के आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए।

मनोज जरांगे ने दी चेतावनी

17 से पहले मराठों को प्रमाण-पत्र देना शुरू करें, वरना...

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग अभी थमी नहीं है। मराठा आरक्षण का चेहरा बन चुके मनोज जरांगे ने एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र सरकार 17 सितंबर से पहले मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पिछले सप्ताह जारी किए गए सरकारी आदेश को लागू करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो वह फिर से 'कठोर निर्णय' लेने के लिए बाध्य होंगे। छत्रपति संभाजीनगर के अस्पताल में जरांगे ने संवाददाताओं से कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार राज्य के तालुका स्तर के कार्यालयों से जीआर पर कार्रवाई करने को कहेगी। हमें उम्मीद है कि 17 सितंबर से पहले काम शुरू हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मुझे कड़े फैसले लेने होंगे। गौरतलब है कि बीते सप्ताह मुंबई में अपना आंदोलन वापस लेने के बाद से वह अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। सर्टिफिकेट का वितरण से पहले जीआर के आधार पर शुरू हो जाना चाहिए।

लगातार दमक रहे सोना-चांदी, आठ माह में दिया 36% व 42% तक रिटर्न

- रिटर्न देने में सभी एसेट्स को पीछे छोड़ा, निवेशक मालामाल
- सही रणनीति बनाकर निवेश किया जाए तो मिलेगा फायदा
- हाल में आई तेजी के बीच सोने में निवेश की सही प्लानिंग करें
- गोल्ड व सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने 40% से ज्यादा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की दहशत के बीच सोना-चांदी निवेश के सबसे भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने इस साल अब तक 8 माह में करीब 36% तक और चांदी ने करीब 42% तक रिटर्न दिया है। यानी इन 8 महीनों में चांदी सोने से काफी आगे निकल गई है। अगर रुपये में बात करें तो चांदी 37,281 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। वहीं, सोना 27,976 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। जानकारों का कहना है कि इस साल के आखिरी तक रिटर्न के मामले में चांदी सोने को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सोने लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लोगों को अब इसमें प्लानिंग तहत निवेश करना होगा। वरना यह झटका भी दे सकता है। हालांकि कहा जाता है कि सोना पुराने समय से ही भरोसे का निवेश रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। बीते एक साल में गोल्ड और सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने भी 40% से ज्यादा एवरेज रिटर्न दिया है। निवेशकों के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तेजी के बाद अब भी सोने-चांदी में निवेश करना सही रहेगा? और अगर हां, तो किस तरीके से।

सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

सोने-चांदी की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इनका असर ईटीएफ पर भी पड़ा है। पिछले 12 महीनों में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 40.44% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 गोल्ड ईटीएफ मार्केट में एक्टिव रहे, जिनमें टाटा गोल्ड ईटीएफ ने सबसे ज्यादा 40.76%, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ ने 40.74% और आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ ने भी 40.67% का मजबूत रिटर्न दिया।

क्यों बढ़ रही है सोने-चांदी की चमक

जानकारों के मुताबिक सोने और चांदी की कीमतों में यह उछाल जियो-पोलिटिकल टेंशन, टैरिफ को लेकर जारी उथल-पुथल और इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से आया है. खासतौर पर सिल्वर की डिमांड सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हिकल (ईवी) और ग्रीन टेक्नोलॉजी में ज्यादा हो रही है। यही वजह है कि चांदी 10 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची है। सोना पारंपरिक रूप से एक डिफेंसिव एसेट माना जाता है, जो बाजार में अनिश्चितता और डर के समय निवेशकों को सुरक्षा देता है। यही कारण है कि हर अस्थिर दौर में सोने की कीमतें ऊपर जाती हैं।

पोर्टफोलियो में कितना हो गोल्ड-सिल्वर का हिस्सा

आपके पोर्टफोलियो में सोने-चांदी की हिस्सेदारी 10–20% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बाकी निवेश इक्विटी और डेट में होना चाहिए। आमतौर पर 80:20 का इक्विटी-डेट रेशियो संतुलित माना जाता है, और सोना-सिल्वर इसमें हेजिंग यानी रिस्क से बचाने का काम करते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड और सिल्वर आपको लगातार ऊंचा रिटर्न नहीं देंगे, लेकिन आपके पोर्टफोलियो को अस्थिरता से बचाने और डाइवर्सिफिकेशन देने का काम करेंगे।

ईटीएफ और एसआईपी के जरिये निवेश बेहतर

सोने-चांदी की मौजूदा ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक एसआईपी (एसआईपी) के जरिए धीरे-धीरे इनमें पैसा लगाएं। इससे कीमतों के उतार-चढ़ाव की एवरेजिंग हो जाती है और लंबी अवधि में बेहतर नतीजे मिलते हैं। ईटीएफ सोने-चांदी में निवेश का सबसे आसान और ज्यादा पारदर्शी तरीका है। गोल्ड ईटीएफ में हर यूनिट आम तौर पर 1 ग्राम सोने की वैल्यू को बताती है। इन्हें आप डिमैट अकाउंट के जरिए शेयरों की तरह खरीद-बेच सकते हैं. सिल्वर ईटीएफ भी इसी तरह काम करते हैं।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अगर आप सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो इसे स्पेक्युलेटिव यानी सट्टे नजरिए से नहीं बल्कि एसेट एलोकेशन के नजरिए से देखें। यह लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो को स्टेबल और सुरक्षित बनाते हैं।

- पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर की हिस्सेदारी 10–20% तक रखें
- एकमुश्त निवेश की बजाय एसआईपी से धीरे-धीरे खरीदें
- ईटीएफ को प्रायोरिटी दें क्योंकि वे पारदर्शी, आसान और लिक्विड होते हैं
- अगर प्रोफेशनल मैनेजमेंट चाहिए तो मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड भी विकल्प हो सकते हैं

सावधानी से बढ़ाएं कदम

सोने-चांदी में तेजी के बावजूद निवेशकों को सावधानी से कदम बढ़ाना चाहिए। यह सही है कि हाल में ईटीएफ ने 40% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन भविष्य में इनका रोल मुख्य रूप से पोर्टफोलियो को स्टेबल रखने और जोखिम कम करने का रहेगा। सही रणनीति यही है कि इन्हें लंबी अवधि के लिए एसेट एलोकेशन का हिस्सा बनाएं, न कि शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 की पहली छमाही में सोने में जो तेजी देखी गई है, वह लंबी खिंच सकती है और अब नई खरीदारी से बचना चाहिए, क्योंकि कीमतें पहले से ही काफी ऊंचाई पर पहुंच गई हैं।

क्या होती है नो-कॉस्ट ईएमआई क्या सच में नहीं लगता ब्याज?

- जानिए कैसे रिटेलर और बैंक ब्याज को एडजस्ट करते हैं
- किस तरह सही ऑफर चुनकर बचत की जा सकती है
- कोई भी सामान खरीदने से पहले एक बार जरूर देख लें
- तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता

जानकारी
बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स और बैंक 'नो-कॉस्ट ईएमआई' का खूब प्रचार करते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी से लेकर फ्रिज और वॉशिंग मशीन तक, हर जगह यह ऑफर देखने को मिल जाता है। सुनने में तो यह बहुत लुभावना लगता है कि महंगी चीज बिना ब्याज के आसान किस्तों में मिल जाएगी। इसे देखकर अक्सर ग्राहक भी ललचा जाते हैं और ज्यादा से ज्यादा सामना खरीदने का प्रयास करते हैं। ऐसे त्योहारी सीजन में खासकर होता है। लेकिन क्या नो-कॉस्ट ईएमआई सच में 'फ्री' है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तथ्य जिनसे पता चलेगा की नो-कॉस्ट ईएमआई कभी भी फ्री नहीं होता। इसके कुछ ने कुछ हिडन चार्ज जरूर होते हैं, जिन्हें बैंक बड़ी असानी से एडजस्ट करते हैं और कस्टमर को पता तक नहीं चलने देते। आइए एक्सपर्ट समझते हैं नो-कॉस्ट का पूरा खेल। जानकारों का कहना है कि नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह होता है कि जब आप कोई प्रोडक्ट किस्तों में खरीदते हैं, तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना पड़ता। लेकिन हकीकत में 'नो कॉस्ट' ईएमआई पूरी तरह से फ्री नहीं होती, बल्कि इसमें ब्याज या चार्जेज को अलग तरीके से एडजस्ट किया जाता है।

कैसे काम करती है नो-कॉस्ट ईएमआई

डिस्काउंट या सब्सिडी: अब मान लीजिए कि आपने 30,000 का स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीदा। इसकी ईएमआई पर बैंक ब्याज लेगा, क्योंकि यही तो उसका बिजनेस है। सामान्य ईएमआई पर बैंक 12% ब्याज दर से 12 महीने की ईएमआई बनाएगा। ऐसे में कुल लागत लगभग 31,800 रुपये हो जाती, लेकिन रिटेलर या ब्रांड आपको ब्याज जितना डिस्काउंट दे देता है। असल में आप कुल 30,000 ही चुकाते हैं। 1,800 के ब्याज का बोझ कंपनी उठा लेती है। कई ऑफर में ब्याज सीधे नहीं दिखाया जाता। यानी आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई है, कोई ब्याज नहीं लगेगा'। जैसे कि प्रोडक्ट का कैश प्राइस 30,000 है। डिस्काउंट के साथ वह 27,000 में मिलता। ईएमआई पर वही प्रोडक्ट 30,000 के कुल ईएमआई में बांट दिया गया। आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई ' है, लेकिन आप 3000 रुपये की बचत गंवा रहे।

क्या वाकई मुफ्त है नो-कॉस्ट ईएमआई : अगर तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता। अगर रिटेलर सब्सिडी दे रहा है तो उसका खर्च कंपनी वहन कर रही है, जिससे उसका मार्जिन घटता है। अगर कीमत बढ़ाकर एडजस्ट किया गया है तो ग्राहक ने इनडायरेक्ट तरीके से ब्याज ही चुका दिया।

कई बार नहीं मिलते ऑफर : कई बार नो कॉस्ट ईएमआई के साथ अन्य डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध नहीं होते, यानी कैशबैक या कूपन का फायदा हाथ से जा सकता है। जैसे कई बार कंपनियां 30,000 के प्रोडक्ट का एमआरपी ही 32,000 लिख देती हैं और नो कॉस्ट ईएमआई पर बेचती हैं। ग्राहक को लगता है कि ब्याज नहीं लगा, जबकि उसने पहले से बढ़ी हुई कीमत चुका दी।

क्या है आरबीआई का नियम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2013 में साफ किया था कि नो कॉस्ट ईएमआई स्कीम्स में ब्याज शून्य दिखाना भ्रामक हो सकता है। इसके बाद एनबीएफसी और बैंकों ने इन ऑफर्स को अलग तरह से डिजाइन किया। अब प्रैक्टिकली ब्याज का बोझ मैन्युफैक्चरर या रिटेलर उठाता है, ग्राहक को 'नो कॉस्ट' का अनुभव देने के लिए।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

एमआरपी और सेलिंग प्राइस चेक करें। जैसे कि क्या ईएमआई प्रोडक्ट असली डिस्काउंट प्राइस पर मिल रहा है या बढ़ी हुई कीमत पर? ऑफर्स की तुलना करें। कई बार सीधा डिस्काउंट ऑफर लेना नो कॉस्ट ईएमआई से सस्ता पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस देखें। कुछ बैंकों में प्रोसेसिंग फीस या जीएसटी अलग से लिया जाता है। टेन्योर को जरूर समझें। जैसे कि ईएमआई कितने महीनों में देनी है और क्या पहले भुगतान करने पर कोई पेनल्टी लगेगी? अपने बजट पर भी ध्यान दें। किस्तों में पेमेंट आसान लगता है, लेकिन खर्च बढ़ाने का लालच भी दे सकता है।

सैलरी का सिर्फ 10 पर्सेंट हर महीने बचाकर भी बन सकते हैं करोड़पति

- पहले लक्ष्य तय करें, इसके बाद लंबे समय तक निवेश में डटे रहें
- 30 साल में बनाया जा सकता है 1.23 करोड़ का फंड
- छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश बना देगा धनवान

बचत
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर किसी का सपना होता है कि वह रिटायरमेंट तक अपने लिए एक बड़ा फंड जमा कर सके, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि करोड़ों रुपये की बचत के लिए बहुत बड़ी सैलरी होनी चाहिए। जबकि सच यह है कि छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश की आदत किसी को भी करोड़पति बना सकती है। एक उदाहरण से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी अपनी सैलरी का सिर्फ 10% हर महीने बचाकर एसआईपी के जरिए 30 साल में 1.23 करोड़ रुपये का फंड खड़ा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी धीरे-धीरे करोड़ों रुपये का फंड बना सकते हैं।

ऐसे समझें निवेश का गणित

मान लीजिये आपकी उम्र अभी 22 साल है और वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। आपकी हर महीने की सैलरी 40,000 रुपये है। युवा उम्र में ही आपने तय कर लिया कि वह अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग अभी से शुरू करेंगे तो आपको हर महीने अपनी कमाई का सिर्फ 10% यानी 4,000 को म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगाना शुरू करना होगा। इसे आप किसी भी हालत में निकालेंगे नहीं और समय के साथ अपने फंड का बढ़ाते जाएंगे। आप देखेंगे की कुछ ही समय में आपका पैसा बढ़ने लगेगा।

50 की उम्र तक करोड़पति बनेंगे

अगर आप अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं और निवेश को लगातार बढ़ाते जाएंगे तो आसानी से 50 साल की उम्र तक करोड़पति बन सकते हैं। इसके कंपाउंडिंग का पैसा आपकी रकम को और बढ़ाता जाएगा। आपका लक्ष्य था कि जब वह 50 साल की उम्र को पार करे, तो उसके पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड हो। इस तरह आपका लक्ष्य पूरा हो सकेगा। इसके लिए आपको लगातार 30 साल तक 4,000 हर महीने एसआईपी में निवेश करना जरूरी होगा। एसआईपी के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड को चुनना होगा।

पूरा कैलकुलेशन

आपने 30 साल तक हर महीने 4,000 की एसआईपी की। इस तरह उसका कुल निवेश 4,000 x 12 महीने x 30 साल = 14,40,000 रुपये हुआ। इस निवेश पर उसे 12% की औसत वार्षिक रिटर्न दर मिली। कंपाउंडिंग के जादू से 30 साल बाद उसका निवेश बढ़कर 1,23,23,893 रुपये हो गया। यानी, 14.4 लाख रुपये निवेश करने पर उसे 1,08,83,893 का रिटर्न मिला। यह दिखाता है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने से छोटी रकम भी करोड़ों में बदल सकती है।

युवाओं के लिए बड़ी सीख

यह कहानी हर युवा के लिए प्रेरणादायक हो सकती है जो अपनी रकम को बढ़ाना चाहते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग के लिए बड़ी सैलरी या मोटा निवेश जरूरी है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और जल्दी शुरुआत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर आप 10 साल बाद यानी 32 साल की उम्र में निवेश शुरू करता, तो उसे 20 साल का समय मिलता। इतने समय में उसका निवेश लगभग आधा ही होता। इससे साबित होता है कि निवेश जितनी जल्दी शुरू करें, उतना बेहतर।

ये मंत्र भी अपनाएं

1. वित्तीय शिक्षा प्राप्त करें
वित्तीय शिक्षा आपको पैसे के प्रबंधन, निवेश व बचत के बारे में जानने में मदद करेगी। यह आपको वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस योजना बनाने में मदद करेगी।

2. नियमित बचत करें
नियमित बचत करना करोड़पति बनने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाएं और इसे निवेश में लगाएं।

3. निवेश करें
निवेश करना आपके पैसे को बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, और रियल एस्टेट जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों का पता लगाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें।

4. व्यवसाय शुरू करें
व्यवसाय शुरू करना करोड़पति बनने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। अपने जुनून और कौशल के अनुसार व्यवसाय शुरू करें और इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

5. नेट वर्थ बढ़ाएं
नेट वर्थ बढ़ाने के लिए, अपनी आय बढ़ाने और व्यय कम करने पर ध्यान दें। अपने ऋणों का भुगतान करें और अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए निवेश करें।

6. धैर्य रखें
करोड़पति बनने में समय लगता है। धैर्य रखें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।

7. वित्तीय अनुशासन
वित्तीय अनुशासन करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन में रहें और अपने व्यय को नियंत्रित रखें।

8. नेटवर्क बनाएं
नेटवर्क बनाना करोड़पति बनने में मदद कर सकता है। अपने उद्योग में लोगों से मिलें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्क का उपयोग करें।

9. जोखिम उठाएं
जोखिम उठाना करोड़पति बनने का एक हिस्सा है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें, लेकिन जोखिम को प्रबंधित करने के लिए भी तैयार रहें।

10. सीखना जारी रखें
सीखना जारी रखना करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उद्योग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में सीखें व अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

प्लानिंग जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे निवेश की रफ्तार को भी बढ़ाएं, इससे जल्द पैसा बढ़ेगा

अनावश्यक खर्च करने से बचें, ऑफर का देखकर ललचाएं नहीं निवेश की अच्छी रणनीति बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें

जीवन में आगे बढ़ने के साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, स्टेप अप एसआईपी आपको अमीर बनाने में निभाएगी बड़ी भूमिका

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करके अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको थोड़ा संयम बरतना होगा और जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ अपने निवेश को भी बढ़ाना होगा। तभी आप अपने धन को बढ़ा पाएंगे और बुढ़ापे में खुद को आर्थिक रूप ये मजबूत रख पाएंगे। देखने में आता है कि नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। आइए समझते हैं कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है?

स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं।

आपकी बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल

जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात देन के लिए निवेश जरूरी

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी ज़रूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेज़ी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत कहते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

स्टेप-अप एसआईपी बेहतरीन तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी ज़िंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और ज़रूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे। तो, क्या आप निवेश का सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं?

ऐसे तैयार करें निवेश की रणनीति

विविधीकरण : विविधीकरण एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को विभिन्न परिसंपत्तियों में फैलाते हैं, जैसे कि शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और अन्य। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बढ़ सकता है।

लंबी अवधि का निवेश : लंबी अवधि का निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए रखते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

नियमित निवेश : नियमित निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

जोखिम प्रबंधन : जोखिम प्रबंधन एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश के जोखिम को प्रबंधित करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश : वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करते हैं। इससे आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

निवेश की लागत को कम करना : निवेश की लागत को कम करना एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश की लागत को कम करते हैं। इससे आपको अपने रिटर्न को बढ़ाने में मदद मिलती है।

नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना : नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और आवश्यकतानुसार बदलाव करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला, दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग को गर्भपात की अनुमति देने से इनकार

गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए गर्भवती मां की सहमति जरुरी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए गर्भवती मां की सहमति जरुरी है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने कहा है कि एमटीपी(मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी)अधिनियम गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए गर्भवती की सहमति जरूरी है। कोर्ट ने पाया कि नाबालिग बलात्कार पीडिता तथा उसकी मां ने गर्भपात की अनुमति प्रदान करने से इंकार कर दिया है । इस मत के साथ कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए उक्त आदेश के साथ गर्भपात की अनुमति प्रदान करने से इंकार कर दिया।

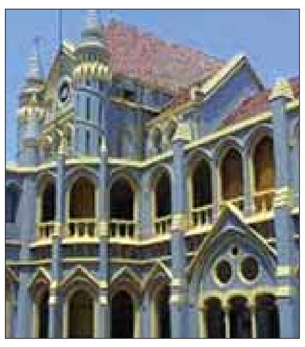

यह है मामला -

मैहर जिला अदालत ने 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के गर्भवती होने के संबंध में सूचना देने हाईकोर्ट को पत्र प्रेषित किया था। हाईकोर्ट ने पत्र का संज्ञान याचिका के रूप में लिया। कोर्ट ने पीडिता की मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार पीडिता की गर्भावस्था 28 सप्ताह से अधिक है। भ्रूण गर्भपात की निर्धारित आयु को पार कर चुका है। पीड़िता व अभिभावकों की सहमति के अनुसार गर्भावस्था को समाप्त या जारी रखा जा सकता है।सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि पीड़िता तथा उसकी मां गर्भावस्था जारी रखना चाहती है। पीड़िता का कहना है कि उसने अभियुक्त के साथ विवाह कर लिया है और वह चाहती है कि अभियुक्त को जेल से रिहा कर दिया जाए। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि एमटीपी अधिनियम के तहत गर्भपात के लिए गर्भवती की सहमति सर्वोपरि है। गर्भवती महिला की सहमति के बिना किसी भी गर्भावस्था को समाप्त नहीं किया जा सकता है।

मेडिकल बोर्ड दें पूर्ण जानकारी

कोर्ट ने कहा कि एमटीपी अधिनियम के अंतर्गत अपेक्षित पूर्ण जानकारी मेडिकल बोर्ड प्रदान नहीं कर रही है। एमटीपी अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत आवश्यकताओं के अनुसार मेडिकल बोर्ड को विशिष्ट अवलोकन और स्पष्ट राय देनी चाहिये। यह बताया जाना चाहिए कि गर्भावस्था जारी रहने से गर्भवती महिला के जीवन को खतरा हो सकता है या उसके शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंच सकती है। कोर्ट ने कहा कि अक्सर मेडिकल रिपोर्ट में उपरोक्त संबंध में कोई उल्लेख नहीं रहता है।जबकि एमटीपी अधिनियम की धारा 3 के अनुसार विधिवत गठित मेडिकल बोर्ड को एमटीपी अधिनियम, 1971 के अंतर्गत पूर्ण, ठोस और स्पष्ट राय प्रदान करने का निर्देश है। कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को निर्देशित किया कि आदेश की प्रति राज्य के सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों और राज्य मेडिकल बोर्ड को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए भेजी जाए।

सिविल डिस्पेंसरी में पुरानी शर्त के आधार पर सेवा में बनाए रखें

हाई कोर्ट ने सुनाया राहतकारी अंतरिम आदेश

जबलपुर। हाई कोर्ट ने सिविल डिस्पेंसरी अशोका गार्डन में पदस्थ संविदा मेडिकल आफिसर को पुरानी सेवा शर्तों के आधार पर सेवा में बरकरार रखने के निर्देश दिए हैं। संविदा सेवा समाप्त करने के मामले में जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के आयुक्त, सीएमएचओ, जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।याचिकाकर्ता भोपाल निवासी डा. विशाल जैन की ओर से अधिवक्ता सोनेलाल बर्मन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि वर्ष 2023 में याचिकाकर्ता को संविदा मेडिकल आफिसर के पद पर पदस्थ किया गया था। इसके बाद एक वर्ष के लिए कार्यकाल बढ़ाया गया। पुनः एक मई 2025 को अस्पताल अधीक्षक ने संविदा सेवा बढ़ाने की अनुशंसा की। इसके बावजूद 26 जून, 2025 को उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। राज्य शासन की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में कुछ शिकायतें लंबित हैं। कोर्ट ने पाया कि ये शिकायतें 2023 की हैं और यह बात अधीक्षक को पता थीं। हाई कोर्ट ने कहा कि फिलहाल याचिकाकर्ता को पूर्व की सेवा शर्तों पर सेवा में जारी रखा जाए।

चहेतों को बचाने में निपट गए कलेक्टर!

दीपक सक्सेना की विदाई, राघवेंद्र सिंह को जबलपुर की कमान
प्रीति यादव को मिला दोहरा तोहफा, राम प्रसाद बने नए नगर निगम कमिश्नर

हरिभूमि, जबलपुर। शासन ने सोमवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर कलेक्टर दीपक सक्सेना को हटा दिया। एफआईआर दर्ज कराने और निजी स्कूल संचालकों के साथ वेयर हाउस पर शिकंजा कसने के लिए मशहूर रहे सक्सेना पर आरोप लगते रहे कि वे चुनिंदा मामलों में सख्ती दिखाते रहे, पर अपने चहेतों को बचाने में निपटते रहे। यही "चहेते बचाओ नीति" उनकी विदाई का सबसे बड़ा कारण बनी।

नए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह

सक्सेना की जगह अब 2013 बैच के आईएएस राघवेंद्र सिंह जो अब तक आगर मालवा कलेक्टर थे उनको जबलपुर की कमान सौंपी गई है। जारी तबादला आदेश यह स्पष्ट करता है कि यह बदलाव केवल रूटीन प्रक्रिया नहीं बल्कि एक कड़ा संदेश है। शासन यह जताना चाहता है कि अब अफसर यदि प्रभावशाली रसूखदारों को बचाने का खेल खेलेंगे तो वे जिलों की कुर्सी पर टिक नहीं पाएंगे।

प्रीति यादव, अवार्ड और प्रमोशन एक ही दिन

इस फेरबदल की सबसे चर्चित चेहरा बनीं प्रीति यादव। सोमवार को ही उन्हें नगर निगम आयुक्त रहते हुए अवार्ड मिला और उसी दिन शासन ने उन्हें आगर मालवा कलेक्टर नियुक्त कर दिया। एक ही दिन में सम्मान और प्रमोशन यह किसी भी अफसर के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं।

राम प्रसाद अहिरवार बने नए नगर निगम कमिश्नर

प्रीति यादव की जगह अब 2018 बैच के आईएएस राम प्रसाद अहिरवार जबलपुर नगर निगम के नए आयुक्त बनाए गए हैं। अहिरवार अब तक इंदौर जिला पंचायत के सीईओ थे और उन्हें तेजतर्रार अफसर माना जाता है। उनकी तैनाती के साथ ही नगर निगम में भी नई ऊर्जा और सख्ती की उम्मीद की जा रही है।

जनता में गहरी चर्चा

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने अपने शुरुआती कार्यकाल में निजी स्कूल संचालकों पर कार्रवाई कर सख्त छवि बनाई थी। लेकिन समय बीतने के साथ ही उनका रुख ढीला पड़ा। कई मामलों में उन्होंने आम जनता की शिकायतें नजरअंदाज कीं, जबकि प्रभावशाली लोगों को राहत मिलती रही। यही कारण रहा कि जनता में असंतोष बढ़ता गया और सत्ता के गलियारों में भी उनका बचाव मुश्किल हो गया।

तबादले से उठी प्रशासन पर नजरें

अब जबलपुर की जनता की निगाहें नए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह पर हैं कि क्या वे वास्तव में बिना दबाव और प्रभाव के काम करेंगे या फिर वही पुराना ढर्रा चलेगा। वहीं प्रीति यादव का कलेक्टर बनना यह संदेश देता है कि मेहनती और पहचान बनाने वाले अफसरों को शासन से इनाम भी मिल सकता है।

नवागत कमिश्नर से जनता की उम्मीद

नगर निगम की नई जिम्मेदारी संभालने वाले राम प्रसाद अहिरवार से भी शहरवासी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वे भ्रष्टाचार और लापरवाही पर लगाम कसेंगे और शहर की बड़ी समस्याओं पर ठोस काम करेंगे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी भाजपा

जबलपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व ने सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने का निर्णय लिया है इसी तारतम्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी सेवा पखवाड़े में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी इस हेतु भाजपा जबलपुर महानगर द्वारा कार्यशाला का आयोजन भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में किया गया। भाजपा संभागीय कार्यालय में आयोजित कार्यशाला जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, राममूर्ति मिश्रा, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े का प्रारंभ होगा श्री सोनकर ने बताया सेवा पखवाड़े कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान, एक पेड़ माँ के नामा अभियान को समर्पित वृहद पौधारोपण अभियान, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, वृहद रक्तदान शिविर, दिव्यांग जनों को निशुल्क उपकरण वितरण, प्रधानमंत्री जी के जीवनी पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन, उनके जीवन कृतित्व पर आधारित पुस्तकों का वितरण, विशाल मैराथन, समाज में विशेष कार्य करने वाले दिव्यांगजनों का सम्मान, स्वदेशी उत्पादों की खरीदी का अभियान, सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन, प्रधानमंत्री के जीवन पर प्रदर्शनी, मोदी जी के कृतित्व पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता के साथ पं दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम के साथ पौधारोपण का आयोजन किया जायेगा।कार्यशला को विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे ने भी सम्बोधित किया। कार्यशाला का संचालन कार्यक्रम संयोजक महामंत्री रजनीश यादव एवं आभार सह संयोजक मंत्री प्रणीत वर्मा ने किया।इस अवसर पर, अभय सिंह ठाकुर, राजेश मिश्रा, संदीप जैन, जय सचदेवा, अंजू भार्गव, रोहित जैन, राघवेंद्र लालू यादव, रंजीत पटेल, कुंडल राव, प्रशांत केसरवानी, सोनू बचवानी, विवेक जैन, योगेंद्र राजपूत, योगेंद्र सिंह ठाकुर, रूपा राव, सहित समस्त जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित थे।

छात्रवृत्ति राशि प्रति विद्यार्थी 10 हजार करने के लक्ष्य पर प्रयास शुरु

गहोई शिक्षा प्रसार समिति की आमसभा में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

जबलपुर। अ.भा. गहोई शिक्षा प्रसार समिति की साधारण सभा, तक्षशिला इंजीनियरिंग कालेज जबलपुर के उमंग सभागार में रविवार 7 सितम्बर दोपहर 3 बजे दिन रविवार को डॉ अरुण सरावगी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के पश्चात सभा प्रारंभ की गयी। अध्यक्ष डॉ अरुण सरावगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं अरुण खर्द, कोषाध्यक्ष सुभाषचन्द्र रावत, इं. कमल कांत गुप्ता बहरे मंत्री, एडवोकेट उत्तम चंद गुप्ता विलैया वरिष्ठ सहमंत्री, इं. संतोष सिपौलया कनिष्ठ सहमंत्री, एडवोकेट अशोक कुमार गुप्ता पिपरसानिया विधि सलाहकार, डॉ श्रीकृष्ण विलैया अंकेक्षक मंचासीन रहे। पूर्व आमसभा की कार्यवाही एवं सालाना प्रतिवेदन मंत्री द्वारा तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय व्यय विवरण कोषाध्यक्ष सुभाषचन्द्र रावत द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभा द्वारा संशोधित आजीवन सदस्यता शुल्क दो हजार एक सौ निर्धारित किया गया। कुछ पदों के पदनाम परिवर्तन को सदन द्वारा स्वीकृति दी गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में डां अरूण सरावगी ने कहा कि भविष्य में छात्रवृत्ति राशि प्रति छात्रा 6000 से बढ़ाकर 10000 रुपये करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उदारमना दानदाताओं से आग्रह किया कि संस्था को अधिकाधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करें ताकि संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके। तक्षशिला प्रबंधन को सभागार एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में गहोई शिक्षा प्रसार समिति की ओर से गहोई वैश्य समाज पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, पंचगणों,नारी मंडल के पदाधिकारियों गहोई वैश्य एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री, संस्था के संरक्षक सदस्य, उदारमना दानदाताओं,नये आजीवन सदस्यों का सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन एडवोकेट उत्तम चंद गुप्ता विलैया वरिष्ठ सहमंत्री ने किया। संस्थापक सदस्य श्री मदनमोहन मोर के निधन पर उन्हें मौन श्रद्धांजलि दी गई । समारोह में संस्था के पदाधिकारी व सदस्यों तथा पंच गणों सहित सक्रिय स्वजातीयजनों की उपस्थिति रही।

गोरखपुर और हनुमानताल में पुरानी रंजिश पर मारपीट, 2 घायल

जबलपुर।

गोरखपुर और हनुमानताल थाना क्षेत्र में मारपीट की दो वारदातें सामने आई हैं। पुरानी रंजिश पर बदमाशों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेठीनगर गोरखपुर निवासी 28 वर्षीय राकेश चक्रवर्ती गत दिवस लगभग 9.20 बजे नगर निगम ऑफिस के सामने बैठा था तभी इंद्रानगर निवासी जय बर्मन एवं सेठीनगर निवासी चींया के साथ बाईक से आया और उसके साथ गालीगलौज की और मारपीट कर उसके पैर के घुटने के नीचे और पैर, कंधा व पीठ पर चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह हनुमानताल में ठक्करग्राम निवासी 22 वर्षीय दर्जी मोह.फैजान अपनी दुकान में अपने बड़े भाई तहसीन के साथ खड़ा था, तभी पीछे से सलमान अपने कुछ साथी के साथ आया और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगा, मना करने पर सलमान ने चाकू से उसकी कलाई पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

चाकूबाजी की वारदातों में 4 घायल

जबलपुर। गढ़ा, पनागर और गोहलपुर थाना क्षेत्रों में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने चार युवकों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार घर के बाहर खड़े देवताल हितकारिणी निवासी सुनील ठाकुर के साथ मोहल्ले के सोनू तिवारी और छिंगा शराब पीने के लिए एक हजार रुपए की मांग करते हुए मारपीट कर दी। सोनू ने चाकू से सुनील की दोनों जांघों पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह गढ़ा में नब्बे क्वाटर शक्तिनगर गढ़ा निवासी 25 वर्षीय सूरज नागेश गत रात लगभग 1 बजे घर के सामने खड़ा था, तभी रोहित यादव एवं लक्की सोंधिया आए और उससे 1 हजार रूपये की मांग करने लगे, रूपये देने से मना करने पर दोनों ने गाली गलौज की और लक्की सोंधिया ने चाकू से उस पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी

गढ़ा, पनागर और गोहलपुर में मारपीट

प्रकार पनागर में छोटी खेरमाई पनागर निवासी 21 वर्षीय मोहित चौधरी गत रात 11.30 बजे गैरिज से घर आकर अपने कमरे में खाना बना रहा था, तभी बाजू वाले कमरे में रहने वाले शनि पटेल और मोती पटेल उससे शराब पीने के लिए रुपए की मांग की, मना करने पर दोनों ने गालीगलौज की। मोती पटैल ने मारपीट कर दी और शनि पटैल ने चाकू से हमलाकर उसके पेट, कंधा, पीठ में चोटें पहुंचाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह गोहलपुर में कृष्णा कालोनी निवासी 26 वर्षीय छुट्टू उर्फ शानतनु तिवारी गत रात लगभग 10.45 बजे अपने बड़े भाई बिट्टू उर्फ चेतन एवं राहुल रजक के साथ अपने काम से अपने घर जा रहा था जैसे ही ट्रांसपोर्ट गेट चंडालभाटा क्वाटर के पास पहुंचे, तभी रास्ते में सूर्या मलिक एवं नरेश रैकवार उर्फ गुड्डु मिले और उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा, मना करने पर दोनों गाली गलोज करने लगे। सूर्या मलिक ने चाकू से उसके जांघ पर हमला कर दिया वहीं नरेश रैकवार ने मारपीट कर सिर में चोटे पहुंचा दी। उसके भाई एवं राहुल रजक ने बीच बचाव किये तो दोनों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अधिवक्ता से तहसीलदार द्वारा मारपीट की हो न्यायिक जांच

एमपी स्टेट बार ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल ने सोहागपुर, शहडोल निवासी अधिवक्ता रवींद्र जायसवाल के साथ तहसीलदार सुमित गुर्जर द्वारा मारपीट के मामले की निंदा की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर न्यायिक जांच की मांग की है। तहसील अधिवक्ता संघ ने इस सिलसिले में स्टेट बार में शिकायत की है। साथ ही कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष दिनेश नारायण पाठक ने संज्ञान लेकर स्टेट बार सचिव गीता शुक्ला को निर्देश जारी किए। जिसके पालन में मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री, मुख्य सचिव, कलेक्टर शहडोल सहित अन्य को पत्र भेजे जा चुके हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि अधिवक्ताओं पर दिन प्रतिदिन होने वाले हमलों के विरूद्ध शीघ्र अतिशीघ्र कार्यवाही किया जाना आवश्यक है जिससे कि अधिवक्तागण अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। इसके लिए एमपी एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने पर बल दिया गया है।

स्मार्ट सिटी अस्पताल कांड...

पत्रकार पर हमले का मास्टरमाइंड डॉक्टर अमित खरे गया जेल

हरिभूमि, जबलपुर।

पत्रकार सुनील सेन पर हुए हमले का मास्टर माइंड स्मार्ट सिटी अस्पताल का संचालक अमित खरे जेल चला गया। गिरफ्तारी के बाद खरे दो दिन की पुलिस रिमांड पर था। सोमवार को रिमांड खत्म होने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया।

राज और मोनू ने खोला राज

गढ़ा थाना पुलिस ने हमले के दो आरोपियों राज उपाध्याय और मोनू खटीक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि हमला डॉक्टर खरे के इशारे पर किया गया था। उनके साथियों यशवंत सिंह और तरुण सिंह भी वारदात में शामिल थे। दोनों फरार चल रहे हैं।

सागर से दबोचा गया खरे

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने डॉक्टर खरे की तलाश तेज की और उसे सागर से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे दो दिन की रिमांड पर लिया। रिमांड अवधि में पुलिस ने फरार आरोपियों यशवंत और तरुण के ठिकानों के बारे में पूछताछ की।

अदालत से जेल भेजा गया

सोमवार को रिमांड खत्म होने के बाद पुलिस ने खरे को अदालत में पेश किया। न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब फरार आरोपियों यशवंत और तरुण की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पत्रकारिता दबाने की साजिश उजागर

पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि पत्रकार सुनील सेन पर हमला केवल व्यक्तिगत रंजिश नहीं था, बल्कि स्मार्ट सिटी अस्पताल से जुड़े घोटालों की खबरें दबाने की सोची-समझी साजिश थी। डॉक्टर खरे के जेल जाने के बाद अब पुलिस की अगली चुनौती फरार आरोपियों को पकड़ना है।

स्वामी रामचंद्र दास महाराज का 86वां वर्धापिन दिवस आज

जबलपुर। जबलपुर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज का 86 वा जन्मोत्सव 9 सितंबर को 85 वर्ष पूर्ण कर 86 वे वर्ष में प्रवेश करेंगे नर्मदा पूजन कर संतों का आशीर्वाद लेंगे. पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी के विराट हॉस्पिटल सुबह 10:00 बजे जाकर मरीजो से मिलेंगे 12:00 बजे से 3:00 बजे तक सावित्री सदन जमुना प्रसाद अग्रवाल चौक राइट टाउन में रहेंगे. उक्त जानकारी आश्रम के व्यवस्थापक एवं नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल ने दी।

जन समस्याओं को लेकर महापौर का पुतला दहन

कांग्रेस पार्षद दल ने सभी 16 संभागों में किया प्रदर्शन

जबलपुर। शहर में विकास कार्य ठप्प होने सफाई व्यवस्था ध्वस्त होने और टैक्स की विसंगतियों, जर्जर सड़कों व पेयजल संकट की मांगों को लेकर कांग्रेस पार्षद दल ने सोमवार को नगर निगम के सभी 16 संभागों में क्षेत्रीय पार्षदों व क्षेत्रीय नेताओं के नेतृत्व में महापौर का पुतला दहन किया गया. पुतला दहन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष अमरीष मिश्रा, सचेतक आयोध्या तिवारी, उप नेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी, पार्षद अनुपम जैन, मनीष पटेल, तुलसा प्रजापति, सचिन बाजपेई, गुड्डु तामसेतवर, प्रीति अमर रजक, संतोष दुबे, हर्षित यादव, मनोज नामदेव, अदिति बाजपेई, जतिन राज, रोहित नेमा, आशिफ इकबाल, सुबोध पहारिया, आजम अली खान, अभिषेक चंदेल, एकता गुप्ता, वकील अंसारी, जितेंद्र ठाकुर, राकेश पांडे, रितु यादव, अरुणा साहू, गार्गी यादव, सत्येंद्र चौबे, लक्ष्मी गोटिया, मथुरा चौधरी, सजंय अहिरवार, धर्मेंद्र पटारिया, मुन्नू पंडा, राजा घनघोरिया, धीरेन्द्र विश्वकर्मा, दिलीप जाट, विवेक प्रजापति सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनएच-30 पर हादसे तो रोज़, पर अस्पताल में रात को नहीं मिलती राहत

रात्रि में डॉक्टर नदारद, नर्स के भरोसे चल रहा बरेला शासकीय अस्पताल

बरेला। नेशनल हाईवे 30 पर स्थित शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरेला में वर्तमान में रात्रि में डॉक्टर की व्यवस्था ना होने के कारण यहां की चिकित्सा व्यवस्था पूर्णता भगवान के भरोसे चल रही है। नेशनल हाईवे होने के कारण यहां पर आए दिन दुर्घटना होती रहती हैं किंतु रात्रि में डॉक्टर ना होने के कारण यहां पर मरीज को प्राथमिक उपचार न मिलने के कारण जिला चिकित्सालय रेफर करना पड़ता है इसकी वजह से कभी-कभी मरीजों को अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ जाता है किंतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पताल में रात्रि कालीन डॉक्टर की व्यवस्था न करने के कारण आम जनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

रात्रि काल में अस्पताल में नहीं हो पा रही है डॉक्टर की व्यवस्था

शासकीय अस्पताल बरेला में 4 डॉक्टर पदस्थ हैं। किंतु रात्रि में डॉक्टर की व्यवस्था न होने के कारण मरीजों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।। ज्ञात होवे कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अनेक रोगों का इलाज कराने के लिए लगभग 80 गांव की जनता यहां पर आती है।

अस्पताल में रात्रि में नहीं हो पा रही है एमएलसी

नगर के शासकीय अस्पतालरात्रि में डॉक्टर ना होने के कारण घटना दुर्घटना में घायल मरीजों की एम एल सी भी नहीं हो पाती है। यहां पर पुलिस विभाग द्वारा जब मरीज को एमएलसी के लिए लाया जाता है तो इन मरीजों को विक्टोरिया या फिर जिला चिकित्सालय रेफर किया जाता है इसकी वजह से मरीजों को बेवजह दिक्कतें का सामना करना पड़ रहा है।

रेफर केंद्र बन गया है अस्पताल

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरेला वर्तमान में रेफर केंद्र बन गया है यहां पर मरीजों को इलाज न मिलने के कारण मरीजों को जिला चिकित्सालय रेफर करना पड़ रहा है. दिन में तो अस्पताल में डॉक्टर उपलब्ध हो जाते है किंतु रात्रि कालीन डॉक्टर ना होने के कारण मरीजों को. प्राथमिक उपचार भी नसीब नहीं हो पा रहा है।

इनका कहना है

रात्रि में अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं रहता है, घायल मरीजों को जिला अस्पताल रिफर कर दिया जाता है।

राजनंदिनी परते,
रात्रिकालीन ड्यूटी नर्स

युद्ध स्तर पर चल रहे काम की ट्रांसको और डिस्कॉम ने की संयुक्त बैठक में समीक्षा

विनोवाभावे सबस्टेशन में दोहरी विद्युत सप्लाई की तैयारी

हरिभूमि जबलपुर।

शहर की विद्युत प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिये किये जा रहे वर्तमान कार्यों की समीक्षा के लिये एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई जिसमें मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी और म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी शामिल थे। बैठक में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता राजेश द्विवेदी ने बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी के विनोवा भावे सबस्टेशन में दोहरी विद्युत सप्लाई की व्यवस्था के लिये युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। जिस कार्य के लिये कम से कम दो माह का समय लगता उसे ट्रांसमिशन कंपनी ने एक माह में पूरा करने का प्रस्ताव बनाया था, लेकिन अब उसे 20 दिन में ही पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

शहर के चांदमारी इलाके में 132 केवी विनोबा भावे सबस्टेशन को डबल सप्लाई उपलब्ध कराने हेतु नए ट्रांसमिशन टावर स्थापित किए जाएंगे और लगभग 5 किलोमीटर नई 132 केवी लाइन खींची जाएगी। यह कार्य घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर किया जाना है, जो तकनीकी और भौतिक दोनों रूप से बेहद ही चुनौतीपूर्ण है। इसलिये इसे पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ किया जाना आवश्यक है, ताकि किसी भी तरह की जानमाल की हानि न होने पाये। इस कार्य के पूरा होने के बाद विनोबा भावे सबस्टेशन के पास दोहरी आपूर्ति होगी, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त विद्युत विकल्प और बेहतर विश्वसनीयता मिलेगी।

उन्होंने बताया कि शहर की पारेषण मजबूती के लिये सामान्य टॉवरों से 3 से 4 गुना मंहगे मोनोपोल और नेरो वेस टॉवरों का उपयोग किया जा रहा है, जिसके लिये भोपाल से अधिक ऊचांई की विशेष क्रेन भी मंगाई गई है, ताकि तीव्र गति से कार्य पूर्ण किया जा सके।

शासकीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

सिहोरा। स्मॉल वंडर स्कूल में आयोजित संभाग स्तरीय शासकीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मेरिडियन एस.एस.स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए। स्कूल के 9 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इनमें पवन मिश्रा, नमन हलदकार, पवन सोनी, विप्लेश पटेल, कृष पटेल, पियूष माना, तमन्ना पटेल, महिमा केवट आदि शामिल थे। इन सभी छात्रों को अब प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। स्कूल ने सभी विजेताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर प्रताप सिंह बघेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, प्राचार्या अंकिता अग्रवाल,कोच यशी मेम सहित समस्त स्टाफ उपस्थित था।

2 सूने घरों से लाखों के जेवर व 70 हजार नगदी चोरी

जबलपुर। शहर के दो थाना क्षेत्रों अधारताल एवं बरेला में दो सूने घरों के ताले तोड़कर अज्ञात चोरों ने नगदी समेत लाखों के जेवर साफ कर दिए। दोनों प्रकरणों में अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। अधारताल थानांतर्गत न्यू रामनगर अमखेरा में शासकीय काम के सिलसिले से भोपाल गई केरियर काउंसलर मनीषा खरे के सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने आलमारियों में रखे जेवर सोने का एक हार, झुमके, दो अंगूठी, एक नथ, 4 जोड़ी कंगना, 4 नग लौंग, एक करधन, तीन जोड़ी कंगन तथा नगदी 70 हजार रुपये पार कर दिए। नगदी समेत चोरी गये जेवरों की कीमत लाखों रुपये बताई गई है। बरेला थानांतर्गत संस्कार नगर में रहने वाली श्रीमती नेहा मलिक बड़े परिवार के साथ रहती है। गत 19 मई को बेटी रेवांशी की तबियत खराब होने पर वह उसका इलाज कराने अपने पति भरत बाल्मीक के साथ नागपुर गई थी। अपने हिस्से वाले कमरे की चाबी सास श्रीमती मीरा बाई को दे गई थी। इजाज करा कर 20 मई को वापस लौटी तो देखा कि कमरे का ताला लगा था। वह ताला खोल कर अंदर गई और आलमारियां चेक की तो पता चला कि पुराने जेवर सोने का हार, दो कनचढ़ी, चांदी की एक जोड़ी पायल, तीन कड़े गायब थे। चूंकि आलमारी का ताला नहीं टूटा था इसलिए नेहा को परिवार वालों पर चोरी का संदेह है।

सिहोरा में रैपिड एक्शन फोर्स ने निकाला फ्लेग मार्च

सिहोरा। सिहोरा पुलिस थाने से रैपिड एक्शन फोर्स आर ए एफ ने नगर के प्रमुख मोहल्लों,चौराहों से सुरक्षा का जायजा लेने आईपीएस एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया, थाना प्रभारी सिहोरा विपिन सिंह,डिप्टी कमांडेंट दीपक कुमार रैगार, असिस्टेंट कमांडेंट नंदी बाबू ओगेरीला के साथ भोपाल 107 आर ए एफ नोकिया रायसेन के प्लाटून कमांडर सहित करीब 92 सैनिकों के साथ फ्लैग मार्च निकाला। मार्च सुबह करीब 11 बजे सिहोरा थाना परिसर से प्रारम्भ हुआ जो पुराना बस स्टैंड,गौरी तिराहा,आजाद चौक,झंडा बाजार, कालभैरव चौक,मैना कुआं से होकर शुभारंभ स्थल पर संपन्न हुआ।

आचार्यश्री के ससंघ सानिध्य में होगा आयोजन

श्री पिसनहारी तीर्थ में क्षमावाणी मेला 12 को

जबलपुर। कुंवार वदी पंचमी को बुंदेलखंड शैली समेटे,ऐतिहासिक वार्षिक क्षमावाणी मेला पीसनहारी मढिया जी तीर्थ में शुक्रवार 12 सितंबर को नगर में चतुर्मास रत आचार्य श्री समयसागर जी ससंघ के मंगल सानिध्य में मनाया जायेगा। उल्लेखनीय हैं कि 650 वर्षों का इतिहास समेटे इस पारंपरिक मेले को आस पास के हजारों नर- नारी बच्चे युवतियां एक बार पुनः पुराने समय को याद करते हुए बेरी, इमली, बिरचुन का आनंद लेते हुए नजर आते हैं। साथ ही नगर के राजनेताओं एवं अधिकारी भी इस मेले में शामिल होते हैं।

प्रचार मंत्री सुबोध कामरेड ने बताया कि ट्रस्ट कमेटी के कार्यक्रम अनुसार सुबह से संध्या तक कार्यक्रम ही कार्यक्रम रखे गए हैं। प्रातः 10 बजे आचार्य संघ की आहार चर्या, दोपहर 2 बजे घट यात्रा, दोपहर 3 आचार्य श्री के मांगलिक प्रवचन, अपराह्न 4.30 अभिषेक, शांति धारा, सायं 7 बजे से नंदीश्वर दीप में 1008 दीपकों में महा आरती। सायं 7.30 बजे त्रिशला महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण का कार्यक्रम होगा।

फिल्म महावीर जी का प्रसारण होगा

क्षमावाणी मेला में रात्रि 8 बजे महावीर जी का प्रसारण भी कार्यक्रम स्थल पर किया जाएगा। श्री पिसनहारी मढ़िया जी ट्रस्ट के पदाधिकारियों अध्यक्ष राजेंद्र मम्मा,उपाध्यक्ष चौधरी संजय जैन ,महामंत्री संजय जैन अरिहंत,मंत्री कैलाश चंद मट्टू, कोषाध्यक्ष सुबोध जैन कामिरेड,कार्य सदस्य राजू साइकिल,अजय जैन अज्जू ,सतेंद्र जैन जग्गू,दिनेश चौधरी, राकेश चौधरी,कमल दानी स.सी.निर्मलचंद उमेश रेडीमेड,सुनील जी पी,डा.अरविंद जैन,विनीत जैन कोमलचंद पड़रिया एवं अरविंद चांवल ने सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति का आग्रह किया हैं।

प्रधानाध्यापक प्रेम पुष्प श्रीवास्तव हुए सेवानिवृत

बरेला। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला रिछाई के प्रधानाध्यापक श्री प्रेम पुष्प श्रीवास्तव जी के सेवानिवृत्ति पर शाला प्रांगण में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत रिछाई के सरपंच आशीष शुक्ला एवं अध्यक्ष पीएम श्री कन्या शाला प्राचार्य आशीष पंड्या की उपस्थिति में संकुल केंद्र की शालाओं के समस्त शाला प्रभारीयो ने शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया एवं अभिनंदन पत्र का वाचन शिक्षक रजनीश कुमार पाण्डेय ने किया आभार प्रदर्शन शाला के प्रभारी प्रधान अध्यापक आशीष गजभिए के द्वारा किया गया मनसंचालन गीतीका श्रीवास्तव ने किया इस अवसर पर जगरूप पटेल,चिंतामणि तिवारी, राजेश चौरसिया, अमृत लाल यादव शेफाली मेडम, सरिता गुर्जर, रेनू वाला रैकवार,संकुल केंद्र के शिक्षकों के साथ-साथ ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

जबलपुर सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के छाबड़ा बने प्रथम अध्यक्ष

जबलपुर। नगर के समस्त गुरुद्वारों के प्रधान साहिबों की उपस्थिति में गुरुद्वारा गोरखपुर में आयोजित एक अहम बैठक में सिख समाज के विभिन्न मसलों के निवारण हेतु "जबलपुर सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी" का गठन किया गया। यहां सर्वसम्मति से सरदार राजिंदर सिंह छाबड़ा को प्रथम अध्यक्ष घोषित किया गया। वहीं, सरदार प्रताप सिंह विरदी, हरिन्दर सिंह ब्रोका को उपाध्यक्ष, स. मंजीत सिंह ननड़ा महासचिव, स. सतपाल सिंह संधू , स. हरदेव सिंह पांधे सह- सचिव, स. हरमिन्दर सिंह सैनी कोषाध्यक्ष तथा स. दिलबाग सिंह फ्लोरा को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। भविष्य में सिख समाज के बुजुर्गो, महिलाओ,व युवाओं को भी कमेटी से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर कमेटी ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की है।

जिला चिकित्सालय में लगा फिजियोथेरेपी शिविर

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर आज सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का 256 व्यक्तियों ने लाभ उठाया। इनमें 98 महिलाएं शामिल थीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक कान एवं गला रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथैरेपिस्ट द्वारा रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार दिया गया। शिविर में आवश्यकता अनुसार पीड़ति मरीजों को फिजियोथैरेपी की सेवाएं प्रदान की गयीं। शिविर में जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क कॉलर बेंड, टेनिस एल्बो बेल्ट, वाकिंग स्टिक, नी कैप और लंबो-सैक्रल बेल्ट भी प्रदान किए गये। शिविर के सफल आयोजन में नोडल अधिकारी डॉ सारिका दुबे, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल शुक्ला, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ रुमिता आचार्य, डॉ संजय जैन, डॉ आशीष राव, डॉ शलभ आम्रवंशी, फिजियोथैरेपिस्ट मुकुल जैन एवं श्वेता सिंह, दीप्ति मानकर, पूजा पटेल, हर्षा विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा।

श्री सत्येंद्र प्रताप द्विवेदी- मकान नम्बर 6 बल्देवबाग निवासी श्री सत्येंद्र प्रताप द्विवेदी का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अमित पिंटू, अभिषेक, अमृता द्विवेदी के पिता थे। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि शंकर लोधी- बजरंग नगर व्हीकल रांझी निवासी श्री रवि शंकर लोधी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक राजपूत- जोगी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री प्रहलाद सिंह राजपूत के पुत्र श्री दीपक राजपूत (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शिशिर कोना बैनर्जी- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री सुरेश कुमार बैनर्जी की धर्मपत्नी श्रीमती शिशिर कोना बैनर्जी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा राजपूत- सिद्धबाबा वार्ड करियापाथर निवासी श्री शंकर सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती उषा सिंह (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री छेदी लाल श्रीवास्तव- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री छेदी लाल श्रीवास्तव (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शक्ति चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मुन्ना चौधरी के पुत्र श्री शक्ति चौधरी (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री आरएन तिवारी- सीओडी कॉलोनी सुहागी अधारताल निवासी श्री आरएन तिवारी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भगवनिया बाई बंशकार- सिद्धबाबा वार्ड गणेश चौक निवासी श्री चुन्नी लाल बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती भगवनिया बाई बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कृष्ण कुमार मिश्रा- अम्बा अपार्टमेंट साउथ सिविल लाइन निवासी श्री कृष्ण कुमार मिश्रा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला कुशवाहा- झामनदास चौक द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री बाबू लाल कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला कुशवाहा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कांता बाई लोधी- करमेता कटंगी रोड निवासी श्री टीकाराम लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती कांता बाई लोधी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता प्यासी- पचास क्वाटर्स शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी डॉ. विद्यार्थी प्रसाद प्यासी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता प्यासी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
न्यूनतम साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
न्यूनतम साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
न्यूनतम साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
न्यूनतम साइज 8x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

जगतगुरु ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आज दोपहर होगा नगर आगमन

जबलपुर। जगतगुरु ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज चातुर्मास के बाद प्रथम नगर आगमन आज जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष पीठाधीश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज नगर आगमन दिल्ली से वायुयान द्वारा जबलपुर नगर आगमन 12 बजे होगा पूज्य महाराज श्री जबलपुर से गोटेगांव जाएंगे गोटेगांव में स्थानीय प्रोग्राम में शामिल होंगे तत्पश्चात झोतेश्वर बरेठा के लिए रवाना होंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मनोज सेन दी है।

जबलपुर से तीन सांसद आज उपराष्ट्रपति चुनाव में डालेंगे वोट

हरिभूमि जबलपुर।

देश के 17वें उपराष्ट्रपति का चुनाव आज मंगलवार को होगा। संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान चलेगा और वोटिंग खत्म होने के तुरंत बाद गिनती शुरू कर दी जाएगी। परिणाम शाम को घोषित कर दिया जाएगा। इस चुनाव में जबलपुर वासियों के प्रतिनिधि के रूप में जबलपुर से तीन सांसद शामिल होंगे और अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

यह सुखद संयोग है की जबलपुर से एक नहीं तीन शहरवासी इस चुनाव प्रक्रिया में शामिल होंगे. इसलिये इस बार जबलपुरवासियों की इस चुनाव में दिलचस्पी तीन गुना है। जबलपुर लोकसभा से भाजपा सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा से भाजपा सांसद सुमित्रा बाल्मीकी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट डालेंगे।

गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों—लोकसभा और राज्यसभा—के निर्वाचित व मनोनीत सदस्यों द्वारा किया जाता है। इस बार एनडीए ने अपने उम्मीदवार के रूप में पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता सी. पी. राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी उम्मीदवार हैं। यह उपचुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि मौजूदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में आज ही देश को नया उपराष्ट्रपति मिलने जा रहा है, जो राज्यसभा के सभापति के रूप में ऊपरी सदन का संचालन भी करेगा।

खबर संक्षेप

भारत की बेरोजगारी दर जी20 देशों में सबसे कम

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार भारत की बेरोजगारी दर दो प्रतिशत है, जो जी20 देशों में सबसे कम है। मंत्री ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है और प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) सहित कई योजनाओं ने इसमें योगदान दिया है।

भारत, इजराइल ने निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और इजराइल ने एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश

को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत और इजराइल सरकार ने आज नयी दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए।' इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजराइली समकक्ष बेजेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। स्मोट्रिच 8-10 सितंबर के बीच तीन दिन की भारत यात्रा पर आए हैं।

स्पाइसजेट ने सुइस को 200 करोड़ का किया भुगतान

नई दिल्ली। किफायती एयरलाइन स्पाइसजेट ने सोमवार को कहा कि उसने वित्तीय सेवा फर्म क्रेडिट सुइस को 2.4 करोड़ डॉलर (लगभग 200 करोड़ रुपये) का पूरा

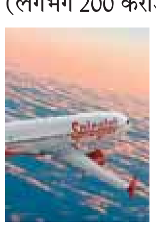

भुगतान कर दिया है। यह भुगतान तीन साल पहले हुए समझौते की शर्तों के अनुरूप किया गया है। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा कि मई, 2022 में हुए समझौते के समय क्रेडिट सुइस/ एसआर टेक्निक्स का कुल दावा 4.17 करोड़ डॉलर था। दोनों पक्षों ने इसे 2.4 करोड़ डॉलर पर निपटाने और किस्तों में भुगतान करने पर सहमति जताई थी।

हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्धन चितले को बनाया सीईओ

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने

हर्षवर्धन चितले को पांच जनवरी, 2026 से अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। दोपहिया वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि चितले के पास तीन दशकों से अधिक समय तक वैश्विक नेतृत्व करने का अनुभव है।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो। अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद जापान की

अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा पिछले महीने जारी किए गए 1.0 प्रतिशत वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान से बेहतर है।

सोमवार को विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार रहा बंद

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ईद-ए-मिलाद के अवसर पर पांच सितंबर के बजाय आठ सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया, इसलिए विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार सोमवार को बंद रहा।

लेक्सस ने दाम 20.8 लाख तक घटाए, निसान ने भी कटौती की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लक्जरी वाहन विनिर्माता लेक्सस इंडिया और वाहन कंपनी निसान मोटर इंडिया ने वाहनों पर जीएसटी दरों में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिये सोमवार को अपनी गाड़ियों के दाम घटाने की घोषणा की।

दोनों कंपनियों ने अलग-अलग जारी बयानों में कहा कि संशोधित कीमतें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी हो जाएंगी। लेलेक्सस इंडिया ने कहा कि उसने अपनी पूरी उत्पाद श्रृंखला की कीमतों में अधिकतम 20.8 लाख रुपये तक की कमी की है।

संशोधित कीमतें 22 दिसंबर से प्रभावी हो जाएंगी

सेडान ईएस 300 एच में 1.47 लाख की कटौती

कंपनी के छह मॉडल में से सेडान ईएस 300एच की कीमतों में 1.47 लाख रुपये और अग्रणी एसयूवी एलएक्स 500डी के दाम में अधिकतम 20.8 लाख रुपये तक की कमी होगी। लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष हिकारू इकेउची ने इसे 'ऐतिहासिक सुधार' करार देते हुए कहा कि यह पहल लक्जरी परिवहन क्षेत्र में सुलभता बढ़ाने और भरोसा जगाने वाली है।

गाड़ियों की मांग बढ़ने की संभावना

निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती वाहन उद्योग को सही समय पर मिला प्रोत्साहन है और इससे सीधे ग्राहकों को लाभ होगा। हम इसका पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' दोनों कंपनियों ने कहा कि जीएसटी दर कटौती से त्योहारी सीजन की शुरुआत में गाड़ियों की मांग बढ़ने की संभावना है।

मैग्नाइट की कीमत में एक लाख तक कटौती

वहीं, निसान मोटर इंडिया ने अपने कॉम्पैक्ट एसयूवी मैग्नाइट की कीमतों में 52,400 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की कटौती करने की घोषणा की है। दरों में बदलाव के बाद नई निसान मैग्नाइट की शुरुआती कीमत अब छह लाख रुपये से नीचे आ गई है।

किआ, एमजी मोटर ने की कटौती की घोषणा

वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने कटौती का लाभ ग्राहकों को देने अपने वाहनों की कीमतों में 48.50 हजार से लेकर 4.48 लाख रुपये से अधिक की कटौती करने की घोषणा की। उसने कैरेंस मॉडल की कीमत में 48,513 रुपये की और कार्निवाल मॉडल की कीमत में 4,48,542 रुपये की कटौती की है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने भी अपने वाहनों की कीमतों में 54,000 रुपये से लेकर 3.04 लाख रुपये तक की कटौती की घोषणा की।

भारत वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है

भारत व्यापार समझौतों में किसानों, एमएसएमई के हित सुरक्षित रखने को प्रतिबद्ध : सरकार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को 'समान, न्यायसंगत और संतुलित' बनाना चाहता है क्योंकि सरकार किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही।

- ट्रंप के टैरिफ वार से भारत के निर्यातकों के सामने आई समस्या

यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में माल भेजने वाले निर्यातकों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। सरकारी सूत्रों ने कहा, ''भारत अपनी प्राथमिकताओं, खासकर किसानों, मछुआरों, एमएसएमई क्षेत्र और डेयरी को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशीलता के साथ काम करता है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए भारत वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है। (लेकिन) इसमें परस्परता होनी चाहिए और यह समान, न्यायसंगत और संतुलित होना चाहिए।''

खास बातें

- भारत अपनी प्राथमिकताओं के साथ बेहद संवेदनशील
- यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत

अमेरिका से समझौते पर बातचीत फिलहाल रुकी

भारत इस समय यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। इसके अलावा भारत की द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका के साथ भी बात चल रही है। हालांकि, शुल्क मुद्दों पर जुड़े तनाव के बीच इस समझौते पर बातचीत फिलहाल रुक गई है।

यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर वार्ता का 13वां दौर शुरू

भारत और यूरोपीय संघ ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को अगले दौर की वार्ता शुरू की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एफटीए के इस साल के अंत तक पूरा करने की समयसीमा को देखते हुए 13वें दौर की वार्ता काफी अहम मानी जा रही है। बातचीत का 12वां दौर ब्रसेल्स में हुआ था। अधिकारी ने कहा कि इस दौर की वार्ता पूरी होने के बाद यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मैरोस सेफ्कोविच 12 सितंबर को भारत आएंगे और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत में प्रगति की समीक्षा करेंगे।

भारत कृषि व डेयरी क्षेत्र खोलने तैयार नहीं

अमेरिकी दल को छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त को भारत आना था लेकिन शुल्क संबंधी घोषणाओं के बीच उसने इस यात्रा को टाल दिया। अभी नई तारीख की घोषणा भी नहीं की गई है। भारत कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को खोले जाने की अमेरिकी मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। इसी वजह से दोनों पक्षों के बीच गतिरोध पैदा हो गया है।

अमेरिका के साथ व्यापार 131.8 अरब डॉलर का रहा

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच वस्तु व्यापार 131.8 अरब डॉलर का रहा। इसमें भारत का निर्यात 86.5 अरब डॉलर और आयात 45.3 अरब डॉलर था। इस बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार अमेरिकी शुल्क से प्रभावित भारतीय निर्यातकों के लिये एक व्यापक पैकेज पर काम कर रही है और इसका आकलन करने के लिये बहु-विभागीय स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस्पात उत्पादों पर 12% सुरक्षा शुल्क पर्याप्त

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

उद्योगपति नवीन जिंदल ने सोमवार को कहा कि कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर प्रस्तावित 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क पर्याप्त है और अगर भविष्य में आयात संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा तो उद्योग सरकार से फिर संपर्क करेगा। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू विनिर्माताओं को आयात में अचानक वृद्धि से बचाने के लिए कुछ सपाट इस्पात उत्पादों के आयात पर तीन साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने की अंतिम सिफारिश की है। भारतीय इस्पात संघ की एक शिकायत पर शुरू की गई जांच के अंतिम निष्कर्षों में डीजीटीआर ने इस शुल्क की सिफारिश की थी।

- जरूरत हुई तो और मांग करेंगे : जिंदल

जिंदल ने यहां 'आईएसए स्टील कॉन्क्लेव 2025' के अवसर पर कहा, ''हम चाहते थे कि यह 25 प्रतिशत (सुरक्षा शुल्क) हो। लेकिन अगर उनकी (डीजीटीआर) समझ से 12 प्रतिशत की सिफारिश हुई है... तो यह पर्याप्त है।'' यह पूछने पर कि क्या अमेरिका जैसे देशों, जिन्होंने 50 प्रतिशत तक के शुल्क लगाए हैं, की तुलना में 12 प्रतिशत शुल्क पर्याप्त है, जिंदल ने कहा कि डीजीटीआर किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह देखता है कि उद्योग को किस प्रकार का नुकसान हो रहा है।

वैश्विक कीमतें प्रभावित हो रही

भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) के अध्यक्ष जिंदल ने कहा, ''हम इसका सम्मान करते हैं और अगर कोई समस्या हुई, तो हम इसे फिर से उठाएंगे।'' उन्होंने यह भी बताया कि शुल्क के कारण विभिन्न देशों से अमेरिका को निर्यात बंद होने के कारण वैश्विक कीमतें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू इस्पात की मांग दोहरे अंकों में बढ़ने की उम्मीद है।

स्पेसएक्स ने इकोस्टार से स्पेक्ट्रम लाइसेंस खरीदा

एजेंसी ▸▸ हॉथोर्न (अमेरिका)

अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने स्पेक्ट्रम लाइसेंस खरीद के लिए इकोस्टार के साथ करीब 17 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे स्टारलिंक की उपग्रह संचार सेवाओं को मजबूती मिलेगी। इस समझौते में इकोस्टार के एडब्ल्यूएस-4 और एच-ब्लॉक के स्पेक्ट्रम लाइसेंस शामिल हैं। इस सौदे में 8.5 अरब डॉलर तक नकद भुगतान और 8.5 अरब डॉलर तक के स्पेसएक्स के शेयर शामिल होंगे। सौदे के तहत स्पेसएक्स नवंबर, 2027 तक इकोस्टार के कर्ज पर करीब दो अरब डॉलर ब्याज का नकद भुगतान करेगा।

- मस्क की कंपनी ने 17 अरब डॉलर में किया समझौता

स्पेसएक्स और इकोस्टार एक दीर्घकालिक वाणिज्यिक समझौते में प्रवेश करेंगे, जिसके तहत इकोस्टार के बूस्ट मोबाइल ग्राहकों को स्पेसएक्स की अगली पीढ़ी की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा तक पहुंच मिल सकेगी। पिछले महीने एटी एंड टी ने भी कहा था कि वह इकोस्टार से वायरलेस स्पेक्ट्रम लाइसेंस खरीदने में 23 अरब डॉलर खर्च करेगी। इकोस्टार ने एक बयान में उम्मीद जताई कि एटी एंड टी के साथ सौदा और स्पेसएक्स के साथ यह लेनदेन अमेरिका में 5जी प्रौद्योगिकी तैनात करने से संबंधित अमेरिकी संघीय संचार आयोग (एफसीसी) की हालिया जांच का समाधान कर देगा।

आय का कुछ हिस्सा कर्ज चुकाने में

कंपनी ने कहा कि इस लेनदेन की आय का कुछ हिस्सा कर्ज भुगतान में इस्तेमाल किया जाएगा और डिश टीवी, स्लिंग और ह्यूजेस सेवाओं के मौजूदा परिचालन पर इस सौदे का कोई असर नहीं पड़ेगा।

स्पाइसजेट अप्रैल तक 10 खड़े विमानों का करेगी परिचालन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जून तिमाही में घाटे में रही एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि वह अप्रैल, 2026 तक उड़ान सेवाओं से बाहर चल रहे अपने 10 विमानों का परिचालन फिर शुरू करने की योजना बना रही है। जून तिमाही के अंत में स्पाइसजेट के 56 विमानों के बेड़े में से केवल 21 विमान ही परिचालन में थे जबकि 35 विमान तकनीकी या परिचालन कारणों से जमीन पर खड़े थे। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में कहा कि अप्रैल, 2026 तक ठप खड़े 10 विमानों को फिर से उड़ान में लाया जायेगा। इनमें से चार-पांच विमानों की उड़ान सेवाएं इस साल सर्दियों की शुरुआत में ही बहाल की जाएंगी ताकि त्योहारी और व्यस्त सत्र की मांग को पूरा किया जा सके। अप्रैल-जून, 2025 की तिमाही में स्पाइसजेट को 238 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 150 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।

- कंपनी जून तिमाही में घाटे में रही थी

सेंसेक्स और निफ्टी में रही मामूली तेजी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 76 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 32 अंक की तेजी आई।

इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से वैश्विक बाजारों में तेजी आई, जिसका घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। कारोबार के आखिरी घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली के बावजूद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और बाद में वाहन, पेट्रोलियम और निजी बैंक शेयरों में तेजी के साथ 460.62 अंक यानी 0.57 प्रतिशत चढ़कर 81,171.38 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आईटी और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली ने अंत में बढ़त को सीमित कर दिया। निफ्टी 32.15 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,773.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 3.97 प्रतिशत की तेजी रही जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.96 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इसके अलावा मारुति, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ, ट्रेंट में 3.81 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड और सन फार्मा भी भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

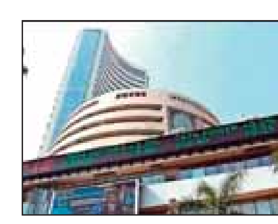

निवेशक सकर्त दिखे

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार अपनी शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका क्योंकि सत्र के आखिर में हुई बिकवाली ने 'गिरावट पर खरीदारी, तेजी पर बिकवाली' की प्रचलित रणनीति को प्रतिबिंबित किया। इससे निवेशक सतर्क दिखे।

फॉक्सवैगन की नजर भारत के छोटे ईवी कार बाजार पर

म्यूनिख। जर्मनी की वाहन कंपनी फॉक्सवैगन भारत को अपनी किफायती छोटी इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक संभावित बाजार के रूप में देख रही है और भागीदारों के साथ मिलकर उन्हें बाजार में सर्वोत्तम तरीके से पेश करने पर काम कर रही है। फॉक्सवैगन के मुख्य कार्यपालक (सीईओ) ओलिवर ब्लूम ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्लूम ने आईएए मोबिलिटी के दौरान कहा कि समूह ने इस आयोजन में पहली बार सम्पूर्ण इलेक्ट्रिक छोटी कार श्रृंखला पेश की। समूह का मानना है कि भारत में वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती से भारतीय वाहन बाजार और अधिक आकर्षक हो गया है। भारत को लेकर ब्लूम ने कहा, ''भारत एक शानदार बाजार है। हम यहां बहुत ज़्यादा संभावनाएं देखते हैं। हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह तय कर रहे हैं कि हम यहां क्या कर सकते हैं और एक छोटी कार भी ला सकते हैं।''

सोना रिकॉर्ड स्तर से 200 रुपए फिसला और चांदी भी कमजोर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

स्टॉकिस्ट की ताजा बिकवाली के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं और 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये टूटकर 1,06,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

- सोना गिरावट के साथ 1,07,670 रुपए प्रति 10 ग्राम

शनिवार को, राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 900-900 रुपये बढ़कर क्रमशः 1,07,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 1,07,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था। चांदी भी बिकवाली के दबाव में रही और 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। शनिवार को चांदी 1,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। इस बीच, वायदा बाजार में, सोने और चांदी ने शुरुआती गिरावट के बाद तेजी से वापसी की और नए शिखर को छुआ। एमसीएक्स के वायदा कारोबार में, अक्टूबर डिलिवरी वाले सोने की कीमत 447 रुपये बढ़कर 1,08,175 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसी प्रकार, दिसंबर वायदा भी 370 रुपये की छलांग लगाकर 1.09 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया।

चांदी वायदा में रही मजबूती

हालांकि, सुरक्षित निवेश की मांग, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और स्थिर अमेरिकी डॉलर के समर्थन से, यह शुरुआती गिरावट से उबरकर तेजी की ओर बढ़ा। चांदी वायदा कीमतों में और भी मजबूत वापसी हुई। सोमवार को मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर डिलिवरी वाले चांदी की कीमत 1,703 रुपये बढ़कर 1,26,400 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुँच गई।

कोटक की रिपोर्ट के अनुसार ग्राहकों को प्रीमियम में 5 फीसदी तक बढ़ोतरी झेलनी पड़ सकती है

जीएसटी हटेगा पर सस्ता नहीं होगा बीमा, उल्टा पड़ सकता है महंगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल के एक अहम फैसला में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी की दर को 18% से घटाकर शून्य करने का फैसला लिया। इस फैसले के बाद आम धारणा बनी कि अब इंश्योरेंस पॉलिसी लेना सस्ता हो जाएगा। एक नई रिपोर्ट ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी खत्म होने से ग्राहकों को फायदा होने के बजाय प्रीमियम में 3 से 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी झेलनी पड़ सकती है।

- सरकार ने जीएसटी के 18 प्रतिशत टैक्स को शून्य कर दिया, कंपनियां आईटीसी का दावा नहीं कर पाएगी

अब तक बीमा कंपनियां अपने परिचालन खर्च जैसे एजेंट्स का कमीशन, विज्ञापन, पुनर्बीमा आदि पर जो खर्च करती थीं, उस पर मिलने वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाती थीं। लेकिन जीएसटी खत्म होने से ये कंपनियां अब आईटीसी का दावा नहीं कर पाएंगी। इससे उनका लागत ढांचा बिगड़ेगा, जिसे संतुलित करने के लिए वे पॉलिसी दरों में 3-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं।

आम लोगों के लिए फायदेमंद नहीं होगा यह फैसला?

कुल मिलाकर, यह फैसला दिखने में राहत देने वाला लग सकता है, लेकिन ज़मीनी असर कुछ और होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह कदम जनता को सस्ते बीमा की उम्मीद दिलाकर अंततः महंगे प्रीमियम के रूप में झटका दे सकता है। खासकर वे लोग जो इस राहत को लेकर उत्साहित थे, उन्हें आने वाले समय में निराशा हाथ लग सकती है।

लागत कम होगी, लेकिन ग्राहक पर असर नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जीएसटी हटने से बीमा पॉलिसियों की कुल लागत 12-15 प्रतिशत तक कम हो सकती है। हालांकि, यह कमी सीधे ग्राहक को महसूस नहीं होगी, क्योंकि कंपनियां आईटीसी न मिलने से हुई भरपाई के लिए टैरिफ में 3-5 प्रतिशत की वृद्धि कर सकती हैं। इससे यह संभावना बनती है कि बाजार में बीमा की मांग थोड़ी बढ़े, लेकिन आम ग्राहक को वास्तविक रूप से कम प्रीमियम का लाभ शायद ही मिल पाए।

पुनर्बीमा सेवाओं को भी होंगी छूट

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पुनर्बीमा सेवाओं को भी जीएसटी से छूट दी जाएगी, लेकिन बीमा कंपनियों को बाकी कई सेवाओं पर अभी भी जीएसटी देना पड़ेगा। ऐसे में कुल टैक्स राहत अधूरी ही रहेगी। साथ ही, चूंकि व्यक्तिगत बीमा पॉलिसियों को ''छूट वाली सेवाएं'' माना जाएगा, इसलिए इन पर आईटीएस का लाभ भी नहीं मिल पाएगा। इसका सीधा मतलब है कि बीमा कंपनियों को जो कर ढांचा मिलेगा, वह उनके पक्ष में नहीं होगा और वे इस नुकसान की भरपाई प्रीमियम बढ़ाकर करेंगी।

चिंतन

युवा शक्ति की ताकत को समझें सरकारें

जब भी राजतंत्र असफल होता है, समस्याएं विकराल होने लगती है तो सबसे पहले युवा पीढ़ी मुखर होती है। बात चाहे श्रीलंका की हो, बांग्लादेश की या फिर अब नेपाल की। युवा बगावत का ऐसा बिगुल फूंकते हैं कि सरकारें असमर्थ नजर आती है। नेपाल में ओली सरकार के खिलाफ युवाओं ने बगावत कर दी है। राजधानी काठमांडू में युवा बेकाबू हो गए और चीन समर्थित ओली सरकार घुटनों पर आ गई। युवाओं को कंट्रोल करने के लिए पहले पुलिस ने लाठिया भांजी, फिर पहुंची सेना ने गोली चला दी, जिसमें अभी तक 20 युवाओं की मौत हो गई। सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो यह कि प्रदर्शनकारी छात्र रोष जता रहे थे कि अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिए हैं, लेकिन चीनी सोशल मीडिया एक्टिव हैं। इस प्रदर्शन को शुरू करने के लिए भी चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया गया। असल में नेपाल में अचानक शुरू हुए इस प्रदर्शन के पीछे की वजह ओली सरकार का हालिया फैसला है। सरकार ने नियमों का हवाला देकर 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। जिनमें यूट्यूब, फेसबुक और ट्विटर भी शामिल थे। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार का कहना था कि इन कंपनियों ने नेपाल सरकार के साथ रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं की, इसलिए यह कार्रवाई करनी पड़ी। लेकिन छात्रों और युवा वर्ग का आरोप है कि यह फैसला उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। युवाओं का कहना है सरकार अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए उनके आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। दरअसल, साल 2020 से ही नेपाल की सुप्रीम कोर्ट में सोशल मीडिया कंपनियों के बिना लाइसेंस विज्ञापन और सामग्री प्रसारण को लेकर कई याचिकाएं लंबित थीं। पिछले दिनों नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि सभी विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म देश में ऑपरेट करने के लिए कानूनी अनुमति और रजिस्ट्रेशन करवाएं। इसके बाद नेपाल के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ के नेतृत्व में एक हाई लेवल बैठक की गई। जिसमें सभी गैर-रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म्स को सात दिन का अल्टीमेटम दिया गया। बावजूद इसके डेडलाइन बीतने के बाद भी फेसबुक, मेटा, एक्स, यूट्यूब और लिंक्डइन जैसी कंपनियों ने नेपाल सरकार से कोई बातचीत नहीं की। इसी से गुस्साई सरकार ने चार सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अचानक लगे बैन ने युवाओं को हैरान कर दिया। आज के जमाने में जब लोगों के हाथों से एक सेकंड फोन नहीं छूट पाता, वहां बिना सोशल मीडिया के जिंदगी की कल्पना करना भी मुश्किल है। बैन लगा तो युवाओं का आक्रोश फूट पड़ा। वैसे भी वे लंबे समय से ओली सरकार के खिलाफ मुखर हो रहे थे। इस कदम ने उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। आंदोलनकारियों ने सीधे संसद पर हमला किया था। बांग्लादेश में भी यही मॉडल था। हजारों की संख्या में छात्रों ने संसद को घेर लिया। हजारों की संख्या में युवाओं ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और भ्रष्टाचार बंद करो, सोशल मीडिया बैन हटाओ जैसे नारे लगाते हुए संसद का घेराव किया। इशारा साफ है कि युवा किसी भी सरकार की मनमानी सहने को तैयार नहीं है। दुनिया में कहीं भी हो वो मुखर हो रहे हैं और अपने अधिकार लेकर दम ले रहे हैं। ऐसा ही नेपाल में भी हुआ, सरकार को तुरंत कड़े फैसले लेने पड़े। उम्मीद करें कि नेपाल को देखकर दुनियाभर की सरकारें युवाओं की ताकत को समझेंगी।

स्वदेशी चिप
रोहित माहेश्वरी

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

> भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में गिगज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिए मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है।

भारत बीते दिनों पहली 'मेड इन इंडिया' चिप, जी हां भारत ने 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर सेमीकॉन इंडिया 2025 लॉन्च की गई। भारत में बनी यह पहली स्वदेशी चिप है। इस चिप का नाम है विक्रम। इस चिप को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लॉन्च किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। किसी भी देश के लिए ये गर्व का क्षण है। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। यह भारत की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह बताना अहम है कि दुनिया भर में बनने वाली चिप डिजाइनिंग का 20 प्रतिशत काम भारत में होता है।

कुछ साल पहले तक भारत में चिप निर्माण को असंभव मान लिया गया था, लेकिन अब इस साल से भारत में चिप का कमर्शियल निर्माण होने लगेगा। मतलब डेटा प्रोसेसिंग, स्टोरेज, कंट्रोल्स और कम्युनिकेशन्स जैसे कामों को अंजाम देने वाला सेमीकंडक्टर न सिर्फ मोबाइल, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अहम साबित होगी, बल्कि खेती-किसानी में भी किसानों को बड़ी राहत देगी। स्मार्ट सिंचाई, फसल की निगरानी और मौसम पूर्वानुमान जैसी आधुनिक तकनीकों में इसका उपयोग खेती की तस्वीर बदल सकता है। कुछ सालों में भारत इस चिप का निर्यातक भी बन जाएगा।

इसरो की सेमीकंडक्टर लैब ने विक्रम प्रोसेसर को बनाया है। यह भारत का पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है। यह लॉन्चिंग के दौरान मुश्किल हालातों में भी काम करने के लिए तैयार है। 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू होने के बाद से सिर्फ चार साल में भारत ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव किया है। इस सपने को पूरा करने के लिए सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना की घोषणा की है। इसमें से लगभग 65,000 करोड़ रुपये पहले ही दिए जा चुके हैं।

अभी चिप के लिए भारत पूरी तरह से आयात पर निर्भर करता है। अभी दुनिया में ताइवान, अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया, मलेशिया जैसे देश चिप का निर्माण करते हैं। ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। लेकिन मोबाइल फोन, आईटी और औद्योगिक उपयोग अभी भी सबसे ज्यादा कमाई वाले सेक्टर हैं। इन तीनों से लगभग 70 प्रतिशत तक होती है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। वर्तमान में चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन

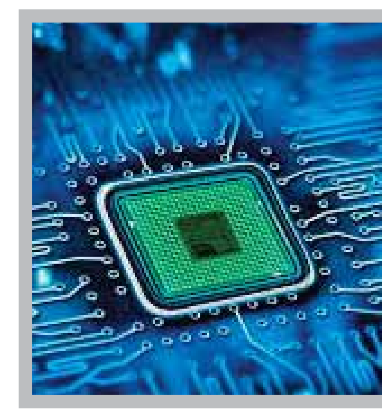

कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं।

दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिए मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिए डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिए जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल,राउटर, कार, सैटेलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूटर करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है।

हमारे देश में 1962 के प्रयास किया गया था सेमीकंडक्टर के मैन्युफैक्चरिंग का एक इकोसिस्टम बने, जो पॉलिसी रही उस समय कि वो आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में सेमीकंडक्टर का एक अच्छा इकोसिस्टम बन रहा है। भारत में इनकी बढ़ती मांग से नौकरियों के नए अवसर भी पैदा होंगे। साल 2024-25 में भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 52 अरब डॉलर की थी। अब 2030 तक इस मार्केट के 13 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक कार्रवाई से भारत ने यह उपलब्धि हासिल की है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपोलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विचार
रवि शंकर

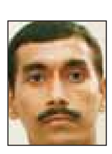

मोहन युग में बदला बदला नजर आ रहा मध्यप्रदेश

पूऋग्वेद से ली गई एक संस्कृत सूक्ति "सम गच्छध्वं सम वदध्वं" जिसका अर्थ है कि हम सब एक साथ चलें, एक साथ बोलें और हमारे मन एक हों। यह संस्कृत सूक्ति एकता, सामंजस्य और आपसी समझ की भावना को बढ़ावा देने वाला है, ठीक वैसे ही जैसे प्राचीन देवता अपने-अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करते थे। इसी भावना के साथ काम करते हुए मध्यप्रदेश आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर गया है जिसे मोहन युग कहा जा सकता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश की बागडोर संभाले हुए डेढ़ साल का समय हो गया है। बीते डेढ़ साल का आकंलन किया जाए तो डॉ. मोहन सियासी मोर्चे पर खुद को साबित करने के साथ-साथ प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाने के मामले में भी सफल नजर आते हैं। लगभग दो दशक तक एक ही मुख्यमंत्री की छत्रछाया में रही प्रदेश की जनता के लिए एक नए मुख्यमंत्री को सहजता से स्वीकार कर पाना आसान नहीं था, लेकिन अपने कुशल नेतृत्व और कार्य क्षमता की बदौलत सीएम मोहन यादव ने 18 महीने के भीतर ही प्रदेशवासियों में अपनी ऐसी छाप छोड़ी कि पार्टी आलाकमान भी उनका कायल हो गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को राज्य की सत्ता संभालने के बाद से प्रदेश में कई अहम योजनाओं और पहलों को अमलीजामा पहनाया है। उनके नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने डेढ़ साल में कई क्षेत्रों में विकास की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। सीएम ने न केवल प्रशासनिक सुधार किए, बल्कि पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, उद्योग, निवेश,स्वच्छता और सामाजिक कल्याण जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी काम किया है। उन्होंने पिछली सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं को आगे ही नहीं बढ़ाया बल्कि कई नई योजनाओं की शुरुआत भी की। दरअसल, डॉ. मोहन यादव ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सुशासन की प्राथमिकता को आगे बढ़ाते हुए विकास पर जोर दिया। यू कहें प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र 'ज्ञान'(गरीब,युवा,अन्नदाता और नारी) के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रधानमंत्री मोदी के विजन को मिशन के रूप में धरातल पर लागू करने हर संभव प्रयास कर रहे हैं। लोक कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता बनाए रखते हुए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए निवेश पर फोकस किया, लेकिन संघ और बीजेपी की हिंदुत्व की लाइन को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया।

बेशक, मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनते ही उनके सामने कई चुनौतियां थी। जिसमें सबसे पहली चुनौती अपने काम के बल पर सफलता की नई कहानी लिखने की थी। तो दूसरी तरफ चाणक्य बनकर राजनीति की आड़ी तिरछी चालों से मुकाबला करना था। हालांकि, डॉ. यादव ने अपनी कूटनीति और रणनीति से हर चुनौतियों का डटकर सामना किया। डॉ. मोहन यादव ने जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती मध्य प्रदेश बीजेपी के ताकतवर नेताओं के कद्दावर कद के बीच में स्वयं को स्थापित करने की थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव न केवल सरकार चलाने में सफल साबित हुए,बल्कि राजनीतिक मोर्चे पर भी सफल रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में जहां बीजेपी को यूपी जैसे राज्यों में काफी नुकसान का सामना करना पड़ा, वहीं मध्यप्रदेश में बीजेपी ने सभी 29 सीटों पर जीत हासिल कर विपक्ष और राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। यहां तक की देशभर में कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ों में शामिल रही मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर भी बीजेपी ने जीत हासिल की थी,यह काम बड़े-बड़े राजनीतिक धुंरधंर नहीं कर पाए थे,लेकिन मोहन यादव के नेतृत्व में बीजेपी ने 26 साल बाद कांग्रेस का सबसे मजबूत किला ढहा दिया। मोहन यादव ने प्रदेश की कमान संभालने के बाद निवेश पर सबसे ज्यादा फोकस किया,इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यह सरकार लगभग हर महीने ही क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन करवा रही है। इंदौर,उज्जैन,रीवा और सागर जैसे शहरों में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए करोड़ों का निवेश मध्य प्रदेश में आने वाला है। जबकि सीएम मोहन यादव के विदेश दौरे पर भी 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मध्य प्रदेश को मिले हैं। जिससे इस सरकार की उपयोगिता को समझा जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

संकलित
दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग व्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं।

जरूरतमंदों की मदद ही सबसे बड़ी सेवा

संकलित
प्रेरणा

एक वैद्य गुरु गोविंद सिंह के दर्शन के लिए आनन्दपुर गया। वहाँ गुरुजी से मिलने पर उन्होंने कहा कि जाओ और जरूरतमंदों को सेवा करो। वापस आकर वह रोगियों की सेवा में जुट गया। शीघ्र ही वह पूरे शहर में प्रसिद्ध हो गया। एक बार गुरु गोविंद सिंह स्वयं उसके घर पर आए। वह बहुत प्रसन्न हुआ, लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे कुछ देर ही ठहरेंगे। तभी एक व्यक्ति भागता हुआ आया और बोला- वैद्य जी, मेरी पत्नी की तबियत बहुत खराब है। जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी। वैद्य जी असमंजस में पड़ गए। एक ओर गुरु थे, जो पहली बार उनके घर आए थे। दूसरी ओर एक जरूरतमंद रोगी था। अंततः वैद्यजी ने कर्म को प्रधानता दी और इलाज के लिए चले गए। लगभग दो घण्टे के इलाज और देखभाल के बाद रोगी की हालत में सुधार हुआ। तब वे वहाँ से चले, उदास मन से उन्होंने सोचा कि गुरुजी के पास समय नहीं था। अबतक तो वे चले गए होंगे फिरभी वैद्यजी भागते हुए वापस घर पहुँचे। घर पहुँचकर उन्हें घोर आश्चर्य हुआ। गुरुजी बैठे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। वैद्यजी उनके चरणों पर गिर पड़े। गुरु गोविंद सिंह जी ने उन्हें गले से लगा लिया और कहा- तुम मेरे सच्चे शिष्य हो। सबसे बड़ी सेवा जरूरतमंदों की मदद करना है।

सटाका

आज की पाती

किसानों के लिए आफत बनती बारिश

कभी सूखे के कारण तो कभी बेमौसमी बारिश देश की कृषि के लिए आफत बनती है। कुछ राज्यों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जबकि इस समय तक बरसात के मौसम का अलविदा कहने का समय है। यह बारिश धान और अन्य मौसमी फसलों के लिए बहुत हानिकारक सिद्ध हो रही है। यह बारिश मात्र फसलों के लिए ही हानिकारक नहीं है, बल्कि प्राणी जाति के लिए भी बहुत ज्यादा हानिकारक है। इससे फसल चक्र का सिस्टम तो बिगड़ ही रहा है, जिससे फसलों की पैदावार प्रभावित हो रही है, साथ ही यह हमें बीमारियों की तरफ भी धकेल रही है। लेकिन सवाल तो यह है कि बेमौसमी बारिश का आखिर क्या कारण है। ऐसे में, प्रकृति का संरक्षण ही एकमात्र समाधान नजर आता है। – *सतीश पटेल,*

ट्रेंड

गौरव का क्षण

बिहार में आयोजित एशिया कप 2025 में शानदार जीत के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। यह जीत इसलिए और भी खास है क्योंकि उन्होंने गत विजेता दक्षिण कोरिया को हराया है। यह भारतीय हॉकी के लिए गौरव का क्षण है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गलती को स्वीकारना

मिच्छामी दुक्कड़म। जाने-अनजाने में गत वर्ष अगर मुझसे कोई भी भूल-चूक हुई हो, तो मैं आप सभी से हृदय से क्षमा चाहता हूँ। सबसे क्षमा, सबको क्षमा, उत्तम क्षमा। क्षमा हृदय की सबसे बड़ी ताक़त है। क्षमावाणी पर्व हमें यही सिखाता है कि सच्चा साहस अपने अहंकार को छोड़कर गलती को स्वीकारना।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री

मानस की यात्रा

तीन साल पहले कन्याकुमारी के सागर तट से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत हुई थी। वह सिर्फ़ पैदल नहीं, बल्कि मानस की यात्रा थी। भारत को पुनः खोजने की यात्रा। 'दक्षिणायन' पर उस दिन कही बातें अब भी भीतर और बाहर की यात्रा में गूंज रही हैं।

- योगेंद्र यादव, अध्यक्ष भारत स्वराज

मैं फैशन करूं

कल मिलने गया मां दुलारी को। शुरू हो गई कि मैं लेफ्ट हैंड में कुछ नहीं पहनता हूँ। वो चाहती है की मैं फैशन करूं। राजू भाई साहब ने फुल पैंट पहनी हुई थी। मां के नज़रिए से राजू ने वेट भी कम किया है।

- अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

गुयाना के राष्ट्रपति अली ने दूसरी बार शपथ ली

गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने पिछले सप्ताह हुए चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद रविवार को दूसरी बार पद की शपथ ली। चुनाव आयोग ने अली की जीत की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने 'भारी बहुमत' से चुनाव जीता है और उनकी 'पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी' ने संसद की 65 में से 36 सीट पर जीत हासिल की है। उनकी यह जीत ऐसे वक्त में हुई है जब यह दक्षिण अमेरिकी देश अपतटीय तेल और गैस उत्पादन से अप्रत्याशित लाभ कमा रहा है। ब्राजील, वेनेजुएला और सूरीनाम के बीच स्थित गुयाना ने एक दशक पहले अपतटीय क्षेत्र में खोजे गए विशाल तेल भंडारों और खनिज संपदा के कारण अधिकाधिक ध्यान आकर्षित किया है। अली को तेल संपदा का कुछ हिस्सा सामाजिक योजनाओं में लगाने के लिए सराहना मिली है। शपथ ग्रहण भाषण में 45 वर्षीय अली ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया और कहा कि आने वाले पांच वर्ष देश के लिए निर्णायक होंगे। उन्होंने मुफ्त उच्च शिक्षा, पेंशन दोगुनी कर 500 अमेरिकी डॉलर करने और अगले वर्ष तक बिजली बिल आधा करने का वादा किया। चुनाव में उनका मुकाबला 38 वर्षीय व्यापारी अजरुद्दीन मोहम्मद से था, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप में अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हैं।

ऑफ बीट

जाने कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें 'सुपरमैसिव' ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवत: इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

वाटर कैनन से डराया

पुलिस पानी की तेज धार से प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास करती हुई

नेपाल में मचा बड़ा बवाल

सुलग उठा नेपाल, पीएम ओली से इस्तीफे की मांग तेज, युवा अब बदलाव के मूड में

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के खिलाफ नेपाल में युवाओं ने सोमवार को काठमांडू में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। युवाओं ने सड़कों पर सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद की। युवा बदलाव चाह रहे। पीएम केपी शर्मा ओली के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोग काफी उग्र हो गए। देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे।

भीड़ को तितर-बितर करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

प्रदर्शन के दौरान भीड़ काफी उग्र हो गई हालात बिगड़ते चले गए

युवाओं में आक्रोश

युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस पर पथराव किया

महिला पर प्रहार

प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस महिलाओं ने बल प्रयोग कर रोकने का प्रयास किया

बिल्डिंग में लगाई आग

प्रदर्शनकारियों ने संसद के नजदीक एक बिल्डिंग में आग लगा दी और उसके बाद वहां से भागते हुए

खबर संक्षेप

17 हजार फीट पर किया युद्ध डाइविंग प्रशिक्षण

गंगटोक। भारतीय सेना के पैरा (स्पेशल फोर्सेस) और नौसेना के मरीन कमांडो मारकोस ने 30 अगस्त से 5 सितंबर 2025 तक सिक्किम में 17000 फीट की ऊंचाई पर एक संयुक्त स्कूबा और युद्ध डाइविंग प्रशिक्षण आयोजित किया। यह प्रशिक्षण ठंडे पानी और मुश्किल इलाकों में हुआ, जिसने हमारे सैनिकों की हिम्मत, कौशल और एकजुटता को दिखाया।

गुयाना के राष्ट्रपति अली ने दूसरी बार शपथ ली

मेक्सिको सिटी। गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने पिछले सप्ताह हुए चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद रविवार को दूसरी बार पद की शपथ ली। चुनाव आयोग ने अली की जीत की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने भारी बहुमत से चुनाव जीता है और उनकी पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी ने संसद की 65 में से 36 सीट पर जीत हासिल की है। 45 वर्षीय अली ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया और कहा कि आने वाले पांच वर्ष देश के लिए निर्णायक होंगे।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति मिलेई चुनाव में हारे

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को रविवार को ब्यूनस आयर्स प्रांत के चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। मिलेई की नवगठित पार्टी 'ला लिबरता अवान्जा' को अर्जेंटीना के इस सबसे बड़े प्रांत में केवल 34 प्रतिशत वोट मिले। वहीं, वामपंथी विचारधारा वाली विपक्षी पार्टी 'पेरोनिस्ट' ने भारी अंतर से जीत दर्ज करते हुए 47 प्रतिशत वोट हासिल किए।

ईईपीसी के प्लेटिनम जयंती समारोह में केंद्रीय मंत्री गोयल का दावा

आगामी दो-ढाई वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा

पीयूष गोयल ने देश में ही उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपनी प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें आज दुनिया द्वारा भारत में दिखाए जा रहे विश्वास को बनाए रखना चाहिए

लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह

भारत एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की भूमिका निभा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला।

विज्ञान भवन में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लेटिनम जयंती समारोह में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2014 में दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से आगे बढ़कर 2025 में शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। आने वाले दो-ढाई वर्षों में, भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू भी उपस्थित रहीं।

आम आदमी को मिलेगा लाभ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया

पीयूष गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार बहुत व्यापक है। सरलीकरण और दरों में कटौती से देश की अर्थव्यवस्था और भी आगे बढ़ेगी। नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोग ज्यादा खर्च करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

भारत की 7.8% जीडीपी का रिकॉर्ड

मंत्री पीयूष गोयल ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

देश की विकास गाथा

इंजीनियरिंग निर्यात 116 अरब डॉलर पहुंचा

ईईपीसी के बारे में बोलते हुए, मंत्री गोयल ने देश की विकास गाथा में इंजीनियरिंग निर्यात की भूमिका की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि साल 1970 में, ईईपीसी ने 1 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया था। आज, ईईपीसी का निर्यात 116 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने देश में ही उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण और बिक्री की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं के प्रति अपनी प्राथमिकता बढ़ाने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि हमें आज दुनिया द्वारा भारत में दिखाए जा रहे विश्वास को बनाए रखना चाहिए।

चुनौती से लड़ने के लिए पर्याप्त ताकत

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में एक जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती के सामने, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक की भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्थिरता प्रयासों में भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, देश में पर्याप्त ताकत है। भारत किसी भी चुनौती से न तो डरता है और न ही झुकता है।

भारत और इजराइल के मध्य समझौता

दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर, एफटीए पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और इजराइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार और इज़राइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजराइली समकक्ष बेजालेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। अप्रैल 2000 से जून 2025 के दौरान, भारत को इज़राइल से 337.77 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं।

इजराइल आने का दिया निमंत्रण

दोनों देशों के मंत्रियों ने वित्तीय प्रौद्योगिकी नवाचार, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, वित्तीय विनियमन और डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी के क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वे दोनों देशों के बीच आर्थिक और वित्तीय सहयोग बढ़ाने और पारस्परिक आधार पर निवेश को बढ़ावा देने और उसकी सुरक्षा करने पर सहमत हुए। इजराइल के वित्त मंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को इजराइल आने का निमंत्रण भी दिया।

साइबर सुरक्षा, रक्षा और नवाचार में करेंगे सहयोग

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इजराइल में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की मृत्यु पर अपनी संवेदना व्यक्त की। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के समक्ष आतंकवाद के खतरे को स्वीकार किया और एक-दूसरे के प्रति एकजुटता व्यक्त की। इजराइली वित्त मंत्री ने सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के बावजूद उच्च आर्थिक विकास हासिल करने में दोनों देशों की मजबूत साझा पृष्ठभूमि का जिक्र किया। इजराइल के वित्त मंत्री ने साइबर सुरक्षा, रक्षा, नवाचार और उच्च-प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

मेहुल लाया जाएगा हिंदुस्तान!

बेल्जियम सरकार को लिखे पत्र में भारत ने बताया देंगे जेल में सुविधा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ की कथित धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी के चार महीने बाद भारत ने वहां की सरकार को एक आश्वासन पत्र भेजा है। गृह मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी राकेश कुमार पांडे ने 4 सितंबर को बेल्जियम के अधिकारियों को भेजे एक पत्र में कहा कि भारत सरकार ने भारत में मुकदमे का सामना करने के लिए चोकसी के बेल्जियम से प्रत्यर्पण की मांग की है। इस पत्र में भारत ने कहा है कि अगर मेहुल चोकसी को भारत लाया गया, तो उसे मुंबई की आर्थर रोड जेल परिसर में ही रखा जाएगा। पांडे ने अपने पत्र में कहा कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे संभावित हिरासत की पूरी अवधि के दौरान एक ऐसी कोठरी में रखा जाएगा, जहां उसे कम से कम तीन वर्ग मीटर की निजी जगह मिलेगी। उसे जिस डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, वहां उसे एक साफ और मोटी सूती चटाई, तकिया, चादर और कंबल दिया जाएगा। अगर मेडिकल जरूरत हुई तो उसे लकड़ी का चारपाईनुमा बिस्तर भी दिया जा सकता है।

चीन में तूफान 'तपाह' का असर

स्कूल-कॉलेज बंद, हजारों लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

दक्षिणी चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में सोमवार सुबह तूफान तपाह तट से टकराया, जिससे कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ। तूफान सुबह करीब 8:50 बजे जियांगमेन शहर के ताइशान इलाके में पहुंचा। इस दौरान हवाओं की रफ्तार करीब 30 मीटर प्रति सेकंड रही। सुरक्षा कारणों से स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं ताइशान में 182 स्कूलों और किंडरगार्टन की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जिससे लगभग 1,20,000 छात्र प्रभावित हुए। जियांगमेन में 41,000 से अधिक लोगों को आपातकालीन आश्रयों में पहुंचाया गया। स्थिति से निपटने के लिए मेरीटाइम ब्यूरो ने 43 समुद्री बचाव दल और 30 जहाज तैनात किए हैं, जबकि ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी ड्यूटी पर लगाए गए हैं। यांगजियांग शहर में भी आपातकालीन आश्रय खोले गए। यहां रविवार सुबह 9 बजे तक 26 अपतटीय पवन ऊर्जा प्लेटफॉर्मों से 1,785 श्रमिकों को निकाला गया। इसके अलावा मछली फार्मों से 2,026 लोग और समुद्री फार्मों से 342 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। तूफान के खतरे को देखते हुए यांगजियांग के 12 तटीय पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया।

कुलगाम में आतंकियों संग सुरक्षा बलों की मुठभेड़ जारी

2 आतंकी ढेर, एक जवान शहीद 2 घायल, तलाशी अभियान जारी

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक दो आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि भारतीय सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। मुठभेड़ में दो अन्य जवान घायल भी हुए हैं। ऑपरेशन जारी है। तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाब दिया। फायरिंग में एक अफसर के घायल होने की खबर है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। कश्मीर पुलिस के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर कुलगाम के गुड्डर जंगल में मुठभेड़ हो रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एसओजी काम पर हैं।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया

तलाशी अभियान के दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की है, सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। दोनों तरफ से तेज गोलीबारी हुई। खबर मिली है कि एक अफसर घायल हो गया है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय सेना के अनुसार, अभियान के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। एक जूनियर कमीशन अधिकारी घायल हो गया। अभियान जारी है। फिलहाल सुरक्षाबलों ने जंगल को घेर लिया है।

पाक घुसपैठिया गिरफ्तार

सीमा सुरक्षा बल ने जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ की यह कोशिश अलर्ट जवानों ने समय रहते नाकाम कर दी। वहीं, रविवार को पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ ने नशा और हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

यरुशलम में गोलीबारी

5 की मौत, 12 घायल, हमलावर मारा गया, घटनास्थल पर पहुंचे राष्ट्रपति

एजेंसी ▶▶ यरुशलम

उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर एक बस स्टॉप पर हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। इजराइली पुलिस और आपातकालीन बचाव सेवा ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति बेंजामिन नेतनन्याहू ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। हमलावरों ने बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे लोगों पर गोलियां चलाईं, मीडिया के अनुसार हमलावर एक भीड़ भरी बस में चढ़ गए और अंदर गोलीबारी शुरू कर दी। घटनास्थल पर मौजूद एक सुरक्षा अधिकारी और एक नागरिक ने हमलावर को मार गिराया।

इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम 'फेल'

हूती विद्रोहियों ने रविवार को इजरायल के एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला किया था। इजरायली सेना ने कहा कि एक ड्रोन देश की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहा और देश के दक्षिणी एयरपोर्ट पर गिरा। इस घटना से एयरपोर्ट की इमारत की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। बाद में रामोन एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य हो गया है।

फिलिस्तीन को मान्यता देना भारी गलती

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कई देशों द्वारा फिलिस्तीन को मान्यता देने के ऐलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इजराइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत

यूएस लगा सकता है रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के अड़ियल रवैये के चलते यह कदम उठाने की बात कही है। ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि ये नए प्रतिबंध क्या होंगे। वाशिंगटन में रविवार को एक पत्रकार के सवाल पर कि क्या वह प्रतिबंधों के दूसरे चरण को लागू करने के लिए तैयार हैं, इस पर ट्रंप ने संक्षेप में जवाब दिया, 'हां, मैं तैयार हूं।' हालांकि, उनके इस छोटे से जवाब से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वह किस तरह के नए प्रतिबंधों की बात कर रहे हैं या किन देशों को इसका निशाना बनाया जाएगा।

ट्रंप और जेडी वेंस ने की ईयू अध्यक्ष से बात

रूस पर दबाव के लिए बनाएंगे रणनीति

भारत पर टैरिफ सही: जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत पर दंडात्मक प्रतिबंधों का समर्थन करते हुए इसे 'सही विचार' बताया। बता दें, रविवार को रूस ने 800 ज्यादा से ड्रोन और मिसाइलों से राजधानी कीव के मंत्रिपरिषद भवन समेत कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिसमें एक नवजात समेत चार लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की पीएम यूलिया स्विरीडेन्को ने कहा है कि हम इमारतों को दोबारा बना लेंगे, लेकिन खोई हुई जानें वापस नहीं आ सकतीं।

अमेरिकी वित्त मंत्री बोले

ईयू भी लगाए पाबंदी तो ढह जाएगी रूसी अर्थव्यवस्था

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अगर वाशिंगटन और यूरोपीय संघ उन देशों पर और द्वितीय प्रतिबंध लगाते हैं, जो रूस से तेल खरीद रहे हैं, तो मास्को की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से लंबी बातचीत की है और रूस पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई है। बेसेंट ने रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध बढ़ाने का एक संभावित तरीका सुझाया, जिसमें ईयू को अमेरिका के साथ मिलकर माध्यमिक प्रतिबंध लगाने के लिए शामिल करना जुड़ा है, ताकि मास्को पर बातचीत के लिए दबाव बनाया जा सके।

श्रीकृष्ण ने दिया मातृ-पितृ भक्ति का संदेशः स्वामी अशोकानंदजी

पितृपक्ष में भक्ति धाम गौरी घाट में चल रहा सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण ज्ञानयज्ञ

जबलपुर। नारायण ने अपने हर अवतार में मातृ पितृ भक्ति का संदेश दिया है। श्रीकृष्ण ने स्वयं जन्म काल से ही परिवारिक मान्यताओं को पालन किया है।हिंदू धर्मग्रंथों में श्राद्ध पक्ष (पितृपक्ष) का बहुत महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस समय पितरों की आत्मा धरती पर आती है और उनके लिए किए गए दान, तर्पण और भोजन से वे तृप्त होकर आशीर्वाद देते हैं। विशेष रूप से वृद्धजनों, संतों, ब्राह्मणों को भोजन कराने से पुण्य की प्राप्ति होती है।इससे पितृ प्रसन्न होते हैं और वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।यह सेवा न केवल धार्मिक कर्तव्य है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी मानवता का कार्य माना जाता है।भोजन कराने से अन्नदान का फल मिलता है, जिसे शास्त्रों में सर्वोत्तम दान कहा गया है पितृपक्ष में पितरों के तर्पण करने भक्ति धाम में विगत 15 वर्षों से निरंतर भागवत सेवा समिति जबलपुर के तत्वावधान में भक्ति धाम गौरी घाट में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ आयोजित किया जा रहा है। प्रथम दिवस स्वामी अशोकानंद महाराज ने भक्तिधाम गौरीघाट में कहे। आज पूजन अर्चन जेठानंद खत्री, ईश्वर नाथानी, विजय पंजवानी, हरि रोहाणी, करिश्मा शर्मा,जमनादास खत्री, प्रहलाद लालवानी, प्रिंस पंजवानी, वेदांत शर्मा, जय वाशानी, दिलीप तलरेजा, उमेश पारवानी, से शास्त्रोक्त विधि से आचार्य श्री रामफल शास्त्री, पं आशीष लालू महाराज, पं चंद्रिका प्रसाद पुष्पराज तिवारी ने पूजन अर्चन किया। पितृपक्ष में भागवत सेवा समिति ने भक्ति धाम गौरी घाट में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक स्वामी अशोकानंद जी के मुखारविंद से 7 सितंबर से 14 सितंबर तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिदिन सायं 4 बजे श्रृद्धालुओं से उपास्थिति का आग्रह किया है।

गणेश नवरात्रि पर सहस्त्रार्चन और तर्पण से पूजित हुए भगवान गणेश

स्थिरता, धैर्य और संकल्प शक्ति हैं अनन्तसूत्रः ब्रह्मचारी चैतन्यानन्दजी

हरिभूमि, जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में गणेश नवरात्रि के समापन अवसर पर शनिवार को विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द जी महाराज के करकमलों से भगवान श्री गणेश का सहस्त्रार्चन लाजा (लाई), दूर्वा, लड्डू एवं मोदक से विधिपूर्वक संपन्न हुआ। अनुष्ठान में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानन्द महाराज ने कहा कि भगवान श्री गणेश पंचदेवों में प्रमुख हैं और वे तर्पण प्रिय देवता माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि गणपति का तर्पण विभिन्न मंत्रों द्वारा किया जाता है। पुत्र प्राप्ति के लिए, ज्ञान प्राप्ति के लिए, ऐश्वर्य और समृद्धि की कामना के लिए तथा व्यक्तिगत मनोकामना की पूर्ति के लिए भगवान गणेश का तर्पण विशेष फलदायी माना गया है।

पूजन से दूर होते हैं संकट

महाराज श्री ने आगे कहा कि शास्त्रों में गणपति तर्पण का विशेष महत्व बताया गया है। इसी क्रम में उन्होंने 'अनन्तचतुर्दशी व्रत' की कथा का भी स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि अनन्त भगवान की पूजा करने से सभी संकट दूर होते हैं। पुराणों में वर्णित प्रसंग के अनुसार जब पाण्डव जुए में अपना राज-पाट हारकर वनवास भोग रहे थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अनन्तचतुर्दशी व्रत करने का उपदेश दिया। धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने भाइयों एवं द्रौपदी के साथ पूरे विधि-विधान से यह व्रत किया तथा अनन्तसूत्र धारण किया। इस व्रत के प्रभाव से पाण्डव कठिन संकटों से उबरकर पुनः अपनी प्रतिष्ठा और राज्य प्राप्त करने में सफल हुए। महाराज श्री ने स्पष्ट किया कि अनन्तसूत्र केवल एक रक्षाबंधन नहीं है, बल्कि यह भगवान अनन्त की शरण ग्रहण करने का संकल्प है। अनन्तसूत्र धारण करने से साधक को स्थिरता, धैर्य और संकल्प शक्ति प्राप्त होती है, जो जीवन के हर संकट से पार पाने में सहायक होती है।

जयघोष से गूंज उठा परिसर

इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालुओं ने भी भगवान गणेश के चरणों में लड्डू और दूर्वा अर्पित किए। वातावरण गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंज उठा। भक्तों ने आस्था और भक्ति के साथ अनुष्ठान में भाग लेकर अपनी मनोकामनाओं के पूर्ण होने की कामना की।

यह रहे उपस्थित

पूजन कार्यक्रम में आचार्य प्रकाश द्विवेदी, आचार्य नर्मदा प्रसाद शर्मा, डॉ. संजय मिश्रा, तृप्ति मिश्रा, अन्नपूर्णा नायकर, मोनू सिंह परिहार, आदित्य गुरु, विजय कटारिया, मनोज सेन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भगवान गणेश की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

कजरवारा के महाराज ने भ्रमण कर दिए दर्शन

जबलपुर। भवानी नवयुवक गणेश उत्सव समिति कजरवारा में 63वें वर्ष में महाराज जी की स्थापना की गई। भक्तिभाव से पूजन कर उपनगरीय क्षेत्र कजरवारा में भ्रमण कर मां नर्मदा जी के तट पर बने कुंड में विसर्जन किया गया। कजरवारा, सिद्धेश्वरी नगर नई बस्ती, बजरंग बस्ती, भोंगाद्वार, धोबीघाट, गोराबाजार, बिलहरी का भ्रमण ढोल, नगाड़ों के साथ कर महाराज ने भक्तों को आशीर्वाद दिया। समिति सदस्य दुर्गा उपाध्याय ने अपने निवास पर भंडारा, पूजन, स्वागत किया। जगह-जगह स्वागत भंडारा रखा गया था। समिति की महिला मंडल सदस्यों ने भजन गायन कर विदाई दी।समिति के श्रीमति ओंकारी, संतोष बाई, श्रीमती अनुराधा, अरुणा, ज्योति उपाध्याय, बंदना, सुमन, अनीता, रेनू, सरिता, संदीपा अवंतिका, मनीषा, रेखा, सोनू, टीना, प्रियंका, राशि, मोनिका, बिनीता, मीना, सपना उपाध्याय शोभायात्रा में शामिल थीं।

भावनाए की मासिक बैठक में कोर्ट केस, इंक्रीमेंट, एफीडेफिड पर हुई चर्चा

जबलपुर। भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसियेशन जबलपुर की मासिक बैठक हरिशंकर परसाई भवन में 08 सितम्बर को शाम 05 बजे से आयोजित की गई, बैठक में कोर्ट केस, इंक्रीमेंट और ओवर टाइम के एफीडेविड विषय पर जानकारी दी गई। बैठक में अध्यक्ष टीके रायघटक, महामंत्री डीके सिंह, अर्जुन कुमार, एसके श्रीवास्तव, हरजीवन विश्वकर्मा, एचएल जांगड़े, दिनेश चौरे, आरबी शाह, आरआर दुबे, विनायक राव सोरते, दिलीप कुंडे, रमाकांत कटियार, शंकरलाल विनोदिया, नारायण दाहिया, अब्दुल रहमान, एके स्थापक सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्मार्ट सिटी की यातायात व्यवस्था नासूर बनीः शास्त्री ब्रिज चौक के साथ तीन पत्ती के सिग्नल बंद

जबलपुर। नगर के मुख्य मार्गों पर तथा बाजारों में जाम की स्थिति आये दिन बनी हुई है, कायस्थ महासभा के प्रांतीय महामंत्री सहेन्द्र श्रीवास्तव की विज्ञाप्ति अनुसार चौराहों के यातायात सिंगल्स बंद पड़े हैं, वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ रहा है, महासभा के अमेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, पियूष वर्मा, गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, अखिलेश ब्यौहार, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, संतोष सौरभ, प्रमोद वर्मा, सचिन खरे ने शीघ्र ही सुचारू यातायात व्यवस्था व्यवस्थित करने साथ ही यातायात सिग्नल सुधरवाने की मांग प्रशासन के साथ ही जनप्रतिनिधियों से की है।

आधारताल जोन कार्यालय में महापौर का पुतला जलाया

जबलपुर। आधारताल क्षेत्र में रुके हुए विकास कार्यों के विरोध में आज महापौर का पुतला जलाया गया। बताया गया नगर सत्ता की लापरवाही के कारण निर्माण का नहीं हो रहे है। कचरा गाड़ी प्रतिदिन नहीं आ रही है जिस कारण हर जगह कचरों का ढेर लगा हुआ है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन का टैक्स आम जनता से लिया जा रहा है। नलों से गंदा पानी आ रहा है जिस कारण बीमारी का खतरा है, नगर निगम में कई बार शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं हो रही है। बुजुर्गों को जल-कर में मिलने वाली छूट से भी वंचित किया जा रहा है। शहीद अब्दुल हमीद वार्ड के अंतर्गत सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है, नालियां भरी हुई हैं रोड में झाड़ू नहीं लग रही है। स्ट्रीट लाइट खराब है त्योहार के समय भी स्ट्रीट लाइट नहीं बदली गई। मजदूरी कार्ड, संभल कार्ड और अन्य कार्डों के लिए आम जनता को zone में चक्कर कटवाए जाते हैं। सभी मांगों को लेकर आज आसिफ इकबाल और सुबोध पहाड़िया के नेतृत्व में महापौर का पुतला दहन आधारताल zone क्र. 7 में किया गया जिसमें मुख्य रूप से चमन पासी, राजू तोमर, राकेश श्रीवास्तव, मजहर उस्मानी, रिजवान अली कोटी, पी.पी. पटेल, हाजी गोलू, राजा, आमीन, मजहर, शेख असलम, फिजू खान, वाजिद कादरी, जाहिद मंसूरी, हबीब खान, जमील मंसूरी, लकी और समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षक व्यक्ति को संस्कारित बनाता है

जबलपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में विगत दिवस शिव स्मृति भवन के आध्यात्मिक सभागार में शिक्षक दिवस समारोह के अंतर्गत "संस्कृति और संस्कार के ध्वजवाहक शिक्षक" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन गरिमामय वातावरण में विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता राज योगिनी ब्रह्माकुमारी भावना बहन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रत्ना श्रीवास्तव, कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष के.के. श्रीवास्तव, प्रोफेसर डॉ. श्याम रावत, यमेश चौधरी उपस्थिति थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि घनश्याम सोनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य आतिथ्य की आसंदी से कहा कि एक श्रेष्ठ शिक्षक व्यक्ति के जीवन को न केवल किताबों का ज्ञान देता है, बल्कि उसको संस्कारित कर पूर्ण शुद्ध भी बनाता है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी शिक्षकों को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्मा कुमारी वर्षा दीदी ने किया तथा आभार प्रदर्शन भ्राता मूलचंद भाई ने किया। इस अवसर पर डॉ. अरुण मिश्रा, देवसिंह उइके, दीपांशु शुक्ला, यदुवंश मिश्रा के साथ ही भारी संख्या में जनमानस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कलचुरी महासभा ने किया शिक्षकों का सम्मान

जबलपुर। कलचुरी महासभा द्वारा गत दिवस महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य एवं महासभा के अध्यक्ष मनोहर चौकसे, महामंत्री वी.डी.राय की विशेष उपस्थिति में शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्ज्वलन कर भगवान सहस्त्रबाहु को माल्याअर्पण किया गया।मुख्य अतिथि महापौर ने समाज के 75 वर्ष ऊपर के वरिष्ठ जनों का सम्मान,वर्तमान शिक्षकों का सम्मान, सेवानिवृत्त वरिष्ठ जनों का सम्मान, मेधावी छात्रों का सम्मान, विशिष्ट योग्यता वाले स्वजातीय बंधुओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय पार्षद व एम आई सी मेम्बर अंशुल यादव भी उपस्थित थीं।साथ ही सरंक्षक डॉ व्ही के गुप्ता, डॉ आर एल शिवहरे,आर सी राय के साथ महिला मंडल अध्यक्ष राजी राय ने पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में 80 लोगों का सम्मान किया गया। स्वतंत्रता सेनानी स्व.मिठाई लाल जायसवाल के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। महापौर ने उनके नाम पर एक सड़क निर्माण करने की घोषणा भी की है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पदाधिकारी दिनेश शिवहरे, डॉ अनिल राय, के एस राय, राजेन्द्र राय,रवींद्र चौकसे,ओ पी चौकसे,आंनद बिहारी जायसवाल, अभिषेक चौकसे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेंद्र चौकसे, संदीप चौकसे, राजीव चौकसे, राजेश जायसवाल ₹पप्पू₹,सुरेश चौकसे,कौशलेंद्र महाजन,संजय शिवहरे,आशीष राय बंटी,गोविंद राय, संजय महाजन, संजय चौकसे आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पर्युषण पर्वः शिक्षकों का सम्मान एवं उत्तम आकिंचन दिवस मनाया गया

जबलपुर। शासनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र जैन बड़ा मंदिर हनुमानताल ट्रस्ट कमेटी के सहयोग से अखिल दिगंबर भारतवर्षीय महिला परिषद सुंदरी संभाग, मुनिसुब्रतनाथ शाखा, हनुमानताल द्वारा पर्युषण पर्व के अंतर्गत उत्तम आकिंचन दिवस तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन पाठशाला प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में पाठशाला में शिक्षिका के रूप में कार्य कर रही बहनों का सम्मान किया गया, जो बच्चों को नैतिकता, शिष्टाचार और अच्छे नागरिक बनने की शिक्षा दे रही हैं। साथ ही शाखा की पूर्व अध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षिका श्रीमती अर्चना जैन का भी विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष श्रीमती मौली जैन, संभागीय सचिव श्रीमती स्वाति जैन, शाखा अध्यक्ष श्रीमती नेहा जैन, सचिव श्रीमती निधि जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती आस्था जैन सहित अन्य बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एलायंस क्लब मारबल रॉक्स ने किया शिक्षक-गुरु सम्मान

जबलपुर। एलायंस क्लब जबलपुर मारबल रॉक्स द्वारा शिक्षक दिवस पर नृत्य एवं गायन कला से जुड़े नृत्य गुरु एवं गायन गुरु प्रसिद्ध विभूतियों का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश धीरावाणी डायरेक्टर जबलपुर हॉस्पिटल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर के संगीत क्षेत्र के विश्वनाथ धारगें, रवि शुक्ला, पल्लवी फाटक, डॉ. अनामिका श्रीवास्तव, राकेश चौरसिया को स्मृति चिन्ह, श्रीफल, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर कमल चौरसिया, मनीष खरे, सचिव विभा ब्यौहार, विनोद तिवारी, सतीश साहू, प्रियंक श्रीवास्तव, लेडिज सचिव सुमन राय, प्रो. डॉ. आरएस साहू, प्रो. डॉ. एसपीएस राजपूत, डॉ. संजय सोनी, दिलीप पटारिया, रंजना गुप्ता, प्रो. केके अग्रवाल, मंजू गुरु, खुमेश गढ़ेवाल, शुभि गढ़ेवाल, प्रदीप साहू, आलोक साहू, सारिका साहू, रुचि सोहाने, गीता जेठा, शरद जेठा, दिनेश कोष्टा, विवेक अग्रवाल, आरएन खरे सहित अन्य उपस्थित रहे।

संत रविदास विचार मंच की कार्यकारिणी गठित

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 07 सितम्बर को झामनदास चौक खेरमाई मंदिर में मंच की सभा संपन्न हुई। इस अवसर पर मंच की कार्यकारिणी गठित की गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शारदा प्रसाद चौधरी को पांच वर्ष कार्यकाल पूरा हो जाने पर पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वहीं रामसिपाही सेठ को राष्ट्रीय सचिव, डॉ. मानिकलाल जाटव को संगठन मंत्री और मोहनलाल चौधरी को सलाहकार एवं महिला प्रकोष्ठ में मीना चौधरी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर वैद्यलाल, सीमा बाई, रामबाई, सियाबाई, रामकली सहित अन्य उपस्थित रहे।

अमरनाथ गुफा झांकी और ऑपरेशन सिंदूर का मंचन बना आकर्षण का केंद्र

जबलपुर। अधारताल कटरा खेरमाई अखाड़ा विकास समिति एवं युवा गणेश उत्सव समिति जबलपुर द्वारा भगवान श्री गणेश उत्सव का दस दिवसीय भव्य आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर धार्मिक आस्था और देशभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे आयोजन की विशेषता रही बाबा अमरनाथ गुफा की भव्य झांकी। समिति द्वारा बनाई गई इस गुफा ने श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव कराया मानो वे सचमुच अमरनाथ यात्रा पर पहुँच गए हों।

समिति के अध्यक्ष जग्गु योगेश केशवानी ने बताया कि "हमारा उद्देश्य उन श्रद्धालुओं को बाबा भोलेनाथ के दर्शन का दिव्य अनुभव कराना था, जो अमरनाथ यात्रा पर नहीं जा पाते। इसके लिए वास्तविकता का अनुभव देने हेतु बाकायदा 5-6 घोड़ों की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने घोड़े की सवारी कर गुफा तक पहुँचने का अनूठा अनुभव प्राप्त किया।" पूरे आयोजन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु गुफा झांकी के दर्शन कर भक्ति और आस्था में लीन होते रहे।

धार्मिक भक्ति के साथ-साथ इस उत्सव में देशभक्ति का भी अनोखा संगम देखने को मिला। भारतीय सेना के शौर्य, साहस और सफल रणनीति का प्रतीक "ऑपरेशन सिंदूर" का मंचन यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल अधारताल के 55 बच्चों और स्टाफ द्वारा किया गया। बच्चों ने बड़ी सटीकता से पहलगाम की घटना को दर्शाया और यह दिखाया कि किस प्रकार भारतीय सैनिकों और सरकार ने उस हमले का जवाब साहसिक कदम उठाकर दिया। पाकिस्तान अटैक के दृश्य में ब्रह्मोस मिसाइल के मॉडल और आतिशबाजी का प्रयोग किया गया, जिससे वातावरण और भी वास्तविक एवं रोमांचक बन गया।इस अवसर पर स्थानीय थाना प्रभारी, पार्षद विमल राय, समिति अध्यक्ष जग्गु योगेश केशवानी, विद्यालय संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी, प्राचार्य सोनल तिवारी, पप्पू सुरोलिया, राजा, अजय रजक सहित विभिन्न समिति पदाधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

वेलांकन्नी माता के आदर में निकली शोभायात्रा

जबलपुर। मध्य प्रदेश, जबलपुर में वेलांकन्नी माता का प्रसिद्ध तीर्थस्थल निर्मला चर्च में स्वास्थ्य की माता मरियम का 53वाँ वार्षिक महोत्सव एवं नौरोजी प्रार्थना का प्रारंभ 29 अगस्त से 8 सितंबर तक रहता है। सचिव शैलेश जॉर्ज की सूचना अनुसार 8 सितंबर 2025, को माता के जन्म दिवस के अवसर पर उपस्थित हजारों भक्तों द्वारा हर्षोल्लास के साथ भव्य उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम 5:30 बजे से प्रारंभ होगा जिसके मुख्य याजक परम श्रद्धेय बिशप जेजी वलन आरसू धर्माध्यक्ष कैथोलिक धर्मप्रान्त रहेंगे। शोभायात्रा क्रमबद्ध रूप से संचालित होगी जिसका प्रारंभ निर्मला चर्च प्रांगण से विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए चर्च प्रांगण में संपन्न किया जाएगा। पूरे 9 दिनों तक चर्च के क्षेत्रवासियों के द्वारा माता के आदर में ध्वजारोहण किया जाता है। पल्ली पुरोहित फा. फ्रांसिस जेवियर, संयोजक क्लेमेंट पायस, मनीष चार्ल्स, रवीश चार्ल्स, एरिक दास , लॉरेंस बर्नाबास, पुष्पराज बर्नार्ड, फ्रांसिस मारियन, जोसेफ माइकल, रोहित गावंडे, डेनिश क्लेमेंट, रूपेश गायकवाड, प्रकाश रायबोले, मनोज एंथोनी ने समस्त माता के भक्तों से विशेष आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आत्मिक लाभ प्राप्त करें।

NAME CHANGE

I, Mohammed Eijaz Nazar Siddiqui, son of Rashid Suhail Siddiqui, resident of 1715, University Main Road, Near Lohiya Bridge, Pachpedhi, Lamti, Jabalpur, Madhya Pradesh, do hereby solemnly declare that I have changed my name and shall henceforth be known as Eijaz Nazar Siddiqui. All concerned may take note of the same. Sd/- Mohammad Eijaz Nazar Siddiqui

Date: 08-09-2025
Place: Jabalpur

नाम सुधार सूचना

मैं भोजेन्द्र राहंगडाले, उम्र 47 वर्ष, पिता स्व. श्री थानसिंह राहंगडाले, जाति पंवार, निवासी-ग्राम पौनिया, तहसील तिरोड़ी, जिला बालाघाट, शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ (1) यह कि उपरोक्त दर्शित मेरा पूरा नाम एवं पता, जो कि सत्य व सही है किन्तु त्रुटिवश मेरी कक्षा 10वीं की मार्कशीट में मेरे नाम भोजेन्द्र के साथ प्रसाद अंकित है एवं मेरी कक्षा 12वीं की मार्कशीट एवं मतदाता परिचय पत्र में मेरे नाम भोजेन्द्र के साथ कुमार अंकित है। मेरा पूर्ण एवं सही नाम भोजेन्द्र राहंगडाले पिता श्री थानसिंह राहंगडाले (Bhojendra Rahangdale) मेरे आधार कार्ड में दर्ज है।मेरी कक्षा 10वीं की मार्कशीट में मेरे नाम के बाद प्रसाद एवं कक्षा 12वी की मार्कशीट एवं मतदाता परिचय पत्र में कुमार अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है।(2) यह कि उपरोक्त परिस्थिति में मेरे पासपोर्ट में मेरे नाम की सही स्पेलिंग भोजेन्द्र राहंगडाले पिता श्री थानसिंह राहंगडाले (Bhojendra Rahangdale) दर्ज किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। इस सम्बंध में मैंने वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। वास्ते शपथपत्र प्रस्तुत है। स्थान-कटंगी/दिनांक-05.09.2025

शपथकर्ता - भोजेन्द्र राहंगडाले
(Bhojendra Rahangdale)

खबर संक्षेप

आईटेल का स्मार्टफोन ए90 लिमिटेड एडिशन लांच

नई दिल्ली। आइटेल ने अपना नया ए90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन लांच किया है। यह फोन 7,000 रुपए से कम कीमत में बेहतरीन डिज़ाइन और मजबूती का शानदार मिश्रण है। इसका खास कैमरा डिज़ाइन इसे स्टाइलिश और आकर्षक बनाता है। आइटेल ए90 लिमिटेड एडिशन का सबसे खास आकर्षण इसका देखने में आकर्षक कैमरा डेको है। यह सुविधा 7,000 रुपए से कम के सेगमेंट में शायद ही देखने को मिलती है।

सैमसंग ने लांच किया गैलेक्सी ए17 5जी

गुरुग्राम। सैमसंग ने अपना सबसे किफायती गैलेक्सी ए सीरीज एआई स्मार्टफोन गैलेक्सी ए17 5जी लांच किया। यह 7.5 एमएम पतला और अपने सेगमेंट का सबसे स्लीक फोन है। इसका वजन सिर्फ 192 ग्राम है, जिससे इसे पकड़ना और इस्तेमाल करना आसान है। गैलेक्सी ए17 5जी, गैलेक्सी ए16 5जी की सफलता को आगे बढ़ाता है, जो भारत में सैमसंग के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स में से एक है।

टाटा ने 6.6 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर टाटा मोटर्स ने अपने प्रमुख सामुदायिक स्वास्थ्य पहल आरोग्य कार्यक्रम की उपलब्धियों को साझा किया। वित्त वर्ष 2024-25 में आरोग्य कार्यक्रम ने लगभग 6.66 लाख लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, जिसमें कुपोषित बच्चों में 87 फीसदी रिकवरी और महिलाओं में एनीमिया के मामलों में 80 फीसदी की कमी हासिल की गई। ये नतीजे टाटा मोटर्स के स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों की ताकत और सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

ट्रूकॉलर ने बदला एआई से कॉलर आईडी के मायने

मुंबई। ट्रूकॉलर अब सिर्फ कॉलर आईडी की सेवा देने वाला माध्यम नहीं रह गया है। अब ये एक भरोसेमंद गाइड बन गया है, जो लोगों को बताता है कि कौन कॉल कर रहा है, और हर बार कॉल का मकसद क्या है। ट्रूकॉलर ने सिर्फ कॉलर का नाम दिखाने के बजाय, अब एआई की मदद से अपने यूज़र्स को आने वाली कॉल्स के बारे में और भी गहराई से जानकारी देना शुरू कर दिया है। यूजर्स को तुरंत मिलने वाली इस तरह की जानकारी एडवांस्ड एआई क्लासिफिकेशन मॉडल पर काम करती है और लाखों एक्टिव यूज़र्स से रोजाना मिलने वाली रिपोर्ट से लगातार बेहतर होती रहती है, जिसमें संभावित धोखाधड़ी को पहचानना, स्पैम की पहचान करना और अलग-अलग बिजनेस कैटिगरी बारे में जानकारी देना शामिल है।

पैकेट बंद दही की पर्याप्त मात्रा में सप्लाई

500 ग्राम डिब्बाबंद सांची दही की सप्लाई प्रभावित..., दही प्रेमी निराश

अधिकारी बोले, बारिश और बाढ़ से प्रभावित यातायात में फंसा ट्रक, क्वालिटी सुधरने से मांग में हुई दोगुनी वृद्धि से डिब्बे खत्म होने से निर्मित हुई स्थिति

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

उपभोक्ताओं को 500 ग्राम की पैकिंग वाला डिब्बाबंद सांची दही नहीं मिल रहा है। जानकारी के अनुसार भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के पास पैकिंग मटेरियल खत्म हो गया है। जिस कारण सप्लाई प्रभावित हुई है।

सांची पार्लर संचालकों का कहना है कि डिब्बाबंद सांची दही के प्रेमी उपभोक्ताओं को उनके पार्लर पर दही नहीं मिलने वे दूसरे ब्रांड की तरफ जा रहे हैं। इसके कारण उन्हें घाटा हो रहा है। वहीं भोपाल दुग्ध संघ के विपणन अधिकारी बताते है कि पूर्व मिलने वाले दही की गुणवत्ता की अपेक्षा पिछले 4 महीने में 200 और 500 ग्राम डिब्बाबंद सांची दही की क्वालिटि पहले अधिक श्रेष्ठ हुई है जिस कारण सांची दही के प्रति उपभोक्ताओं का रूझान तेजी से बढ़ा है। इसकी बिक्री पूर्व की अपेक्षा बढ़कर दोगुनी हो गई है। अतः अनुमान से अधिक डिब्बाबंद दही की मांग होने से पैकिंग मटेरियल खत्म गई। अधिकारी बताते है कि पैकिंग मटेरियल खत्म होने के पूर्व की मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट को सप्लाई का ऑर्डर दिया गया था, लेकिन बारिश और बाढ़ की बदौलत यातायात प्रभावित होने ट्रक रास्ते में फंस गया और निर्धारित समय पर पैकिंग मटेरियल नहीं पहुंच पाया है। जिस कारण शहर में 200 और 500 ग्राम डिब्बाबंद सांची दही की सप्लाई प्रभावित हुई, लेकिन शहर में पैकिंट बंद दही की पर्याप्त मात्रा सप्लाई हुई। बताया जा रहा है कि 200 और 500 ग्राम वाले पैकिंग मटेरियल (डिब्बों) की आपूर्ति अब संघ को प्राप्त हो गई है और शहर में इसकी आपूर्ति में सुधार होना शुरू हो गया है, एक, दो दिन में दोनों ही प्रकार के डिब्बाबंद सांची की दही की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में सांची पार्लर और सांची कॉर्नर में उपलब्ध हो जाएंगी। इधर पार्लर संचालक का कहना है कि उन्हें भोपाल दुग्ध संघ से ही दही की सप्लाई नहीं दी जा रही है। गणेश उत्सव के दौरान दो दिन आधी-अधूरी सप्लाई दी थी, उसके बाद फिर बंद कर दी है। 200 ग्राम में सप्लाई तो बहाल हुई है,लेकिन 500 ग्राम में अभी सप्लाई बहाल नहीं हुई है। साकेत नगर क्षेत्र के सांची पार्लर संचालक ने बताया कि पिछले सप्ताह भर से डिब्बा बंद सांची दही उपलब्ध नहीं होने ऐसे ग्राहक जो डिब्बाबंद दही ही खरीदना पसंद कर रहे है वे दूसरे ब्रांड का दही खरीद रहे हैं।

अमेज़न ग्रेट इंडियन फ़ेस्टिवल 23 सितम्बर से

प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे पहले एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा

नई दिल्ली। Amazon.in ने आज घोषणा की कि अमेज़न ग्रेट इंडियन फ़ेस्टिवल 23 सितम्बर 2025 से शुरू होगा। प्राइम मेंबर्स को इस शॉपिंग एक्स्ट्रावैगेंज़ा का 24 घंटे पहले एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा। जैसे-जैसे भारत त्योहारी सीज़न की तैयारी कर रहा है, ग्राहक सबसे व्यापक चयन, बेहतरीन कीमतों और सबसे तेज़ डिलीवरी का आनंद ले पाएंगे। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, होम एसेंशियल्स, किराना सामान और अन्य सभी लोकप्रिय कैटेगरी में आकर्षक डील्स, शानदार शॉपिंग अनुभव, एसबीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड एवं ईएमआई ट्रांज़ैक्शन पर 10% इंस्टेंट डिस्काउंट, अग्रणी बैंकों के रोमांचक ऑफ़र और अमेज़न पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड पर अतिरिक्त कैशबैक के साथ यह अमेज़न ग्रेट इंडियन फ़ेस्टिवल हर किसी के लिए कुछ खास लेकर आ रहा है।अमेज़न इंडिया के वीपी – कैटेगरीज़ सौरभ श्रीवास्तव ने कहा, "अमेज़न ग्रेट इंडियन फ़ेस्टिवल भारतीय त्योहारों की भावना का उत्सव है, जो ग्राहकों, विक्रेताओं और ब्रांड्स को देश के सबसे बड़े शॉपिंग समारोह में एक साथ लाता है। इस साल ग्राहक एक लाख से अधिक प्रोडक्ट्स पर साल की सबसे कम कीमतों, ब्लॉकबस्टर डील्स, रोमांचक नए लॉन्च, मनोरंजन और बहुत कुछ का आनंद ले सकेंगे।

वीआईटी चेन्नई में 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

रैंक धारकों और पीएचडी शोधार्थियों को प्रदान किए पदक और उपाधि प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज.चेन्नई

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) चेन्नई का 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। तमिलनाडु सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. पलानीवेल त्याग राजन ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में भाग लिया और रैंक धारकों और पीएचडी शोधार्थियों को पदक और उपाधि प्रमाण पत्र प्रदान किए।

शेली सालेहिन, बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त, बांग्लादेश उप उच्चायोग, चेन्नई, मुख्य अतिथि थे। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। वीआईटी के उपाध्यक्ष श्री शंकर विश्वनाथन और डॉ. जी.वी. सेल्वम ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया। डॉ. पलानीवेल त्याग राजन ने लिंग, समुदाय और धर्मों के आधार पर सभी के लिए शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच के महत्व पर बल दिया। डॉ. पलानीवेल थियागा राजन ने युवाओं से अपने दृष्टिकोण और मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा से लोगों का समाज के प्रति एक नरम दृष्टिकोण विकसित होना चाहिए और तकनीकी संस्थानों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विधि की शिक्षा प्रदान करने की अवधारणा महत्वपूर्ण है।

सभी लड़कों और लड़कियों के लिए अनिवार्य शिक्षा लागू

उन्होंने याद दिलाया कि एक सदी से भी पहले तमिलनाडु में सभी लड़कों और लड़कियों के लिए अनिवार्य शिक्षा लागू की गई थी। मंत्री ने कहाकि एक सदी से भी अधिक समय से, हम तमिलनाडु में देख रहे हैं कि शिक्षा अच्छे सामाजिक परिणामों की कुंजी है। सामाजिक न्याय और समानता की अवधारणाएं शिक्षा तक समान पहुंच से शुरू होती हैं और इस अर्थ में, मैं डॉ. जी. विश्वनाथन की दशकों पहले की उनकी दूरदर्शिता और तमिलनाडु तथा देश के अन्य हिस्सों में शिक्षा की सूरत बदलने के उनके तरीके की सराहना करता हूं।

अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी एक उत्सव होता

सालेहिन ने कहा कि चरित्र और प्रतिभा युवाओं के लिए दो सबसे महत्वपूर्ण गुण हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल छात्रों के लिए, बल्कि उनके अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी एक उत्सव होता है, जिन्होंने हमेशा उनका साथ दिया। वीआईटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि यदि इतने सारे युवा गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं, तो इसका मुख्य कारण अभिभावकों का निवेश है।

नवरात्रि से होगी कार, दोपहिया वाहन और इलेक्ट्रॉनिक सामान की बंपर बिक्री प्रारंभ

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

कंज्यूमर गुड्स पर जीएसटी कटौती का तोहफा मिलने ही वाला है। जीएसटी के रेट में कमी करने का फैसला सरकारी स्तर पर हो चुका है। यह फैसला इसी महीने 22 तारीख से लागू हो रहा है। इसी समय नवरात्रे की शुरुआत हो रही है।

तभी से त्योहारी मौसम के लिए खरीदारी भी शुरु हो जाएगी। उस समय बाजार में सप्लाई की कोई कमी नहीं हो, इसके लिए कार, दोपहिया वाहन और इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनियां उत्पादन बढ़ा रही हैं। यह बात मध्यप्रदेश एफएमसीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और रूपराज मोटर्स के सुनील जैन 501 ने कही।

कैनन ने पूरे देश में 'रिटेलर उत्सव' लांच

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों की खुशी बढ़ाने के लिए कैनन इंडिया ने 'रिटेल उत्सव' का लांच किया है। यह पार्टनर्स के बीच पहुंचने का एक अत्यधिक प्रभावशाली और विस्तार योग्य कार्यक्रम है, जिसमें 45 से अधिक शहरों के 4,000 से अधिक रिटेलर्स हिस्सा लेंगे। यह प्रोग्राम चार प्रमुख मेट्रो शहरों दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू और कोलकाता में लांच किया गया था।

सस्ता होगा ग्रीन पावरः जीएसटी कटौती से प्रोजेक्ट कॉस्ट में बड़ी राहत

भारत मे ग्रीन एनर्जी की रफ्तार और तेज़ होगी

जबलपुर। भारत की जीएसटी काउंसिल ने 22 सितम्बर 2025 से बड़ा कदम उठाते हुए रिन्यूएबल एनर्जी उपकरणों पर टैक्स घटाकर 12% से 5% कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब देश 2030 तक 500 गीगावॉट रिन्यूएबल कैपेसिटी का लक्ष्य हासिल करने की तैयारी में है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न सिर्फ प्रोजेक्ट कॉस्ट घटेगी बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री भी ग्लोबल स्तर पर और प्रतिस्पर्धी बनेगी। ग्रीन एनर्जी की बड़ी कंपनियों में शुमार अदाणी ग्रीन एनर्जी 30 गीगावाट से अधिक क्षमता और खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट विकसित कर रही है। अदाणी पावर ने कहा कि समूह ने वित्त वर्ष 2030 तक 21 बिलियन अमरीकी डालर के निवेश की योजना बनाई है ताकि रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को वित्त वर्ष 2025 के 15 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट किया जा सके। रिन्यू पावर का पोर्टफोलियो 18.5 गीगावाट तक पहुँच चुका है और यह स्टोरेज व हाइब्रिड मॉडल्स पर आक्रामक है। टाटा पावर रिन्यूएबल्स की क्षमता लगभग 11 गीगावाट है और इसका विकास स्थिर है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी भी करीब 11 गीगावाट के साथ औद्योगिक और हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में तेजी से आगे बढ़ रही है। वहीं एनटीपीसी रिन्यूएबल्स अपने मेगा-स्केल सरकारी प्रोजेक्ट्स के ज़रिए एक झटके में सैकड़ों मेगावॉट जोड़ने की क्षमता रखता है। अब सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और बायोगैस प्लांट की लागत कम होगी। 100 करोड़ रुपये के सोलर प्रोजेक्ट पर जीएसटी में ही करीब 7 करोड़ रुपये की सीधी बचत होगी। इसका सीधा असर लेवलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी पर पड़ेगा और बिजली उत्पादन सस्ता होगा। टैक्स कटौती से घरेलू मॉड्यूल और टर्बाइन इंटरनेशनल मार्केट की तुलना में ज्यादा सस्ते पड़ेंगे। छोटे और मझोले उद्योगों के लिए पैनल असेंबली, वायरिंग और बायोगैस उपकरण का उत्पादन आसान होगा। विदेशी कंपनियों के लिए भी भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का माहौल और अनुकूल होगा। इन्वेंट्री और लॉजिस्टिक्स की लागत घटने से सप्लाई चेन भी तेज़ होगी। प्रोडक्शन कॉस्ट घटने का असर सीधे तौर पर एडजस्टेड प्रेजेंट वैल्यू पर पड़ेगा। बैंकों के लिए ऐसे प्रोजेक्ट्स में रिस्क कम होगा, जिससे फाइनेंसिंग आसान होगी। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनियों को बड़े प्रोजेक्ट्स को तय समय पर पूरा करने में सहूलियत मिलेगी।जून 2025 तक भारत 234 गीगावाट रिन्यूएबल कैपेसिटी हासिल कर चुका है। 2030 तक 500 गीगावाट का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर साल औसतन 35-40 गीगावाट जोड़ना होगा।

एसबीआई देगा एमपी ट्रांसको के सैलरी खाता धारकों को कॉर्पोरेट बैंकिंग सुविधाएं

वाणिज्य प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अब प्रदेश में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के कार्मिकों के लिए कॉर्पोरेट बैंकिंग सेवाओं वाली सुविधाएं प्रदान करेगा।

इसके लिए विगत दिवस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए।.यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है और एमपी ट्रांसको तथा एसबीआई के बीच एकसंवेदनशील एवं रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एम.पी. ट्रांसको के बीच एमओयू साइन किया गया, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सैलरी खाता स्कीम के अंतर्गत अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की गई है।

ऋण खातों में ब्याज में छूट, लॉकर किराए में छूट, एसबीआई रूपे कार्ड की विभिन्न सुविधाएं

एम पी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल महरोत्रा और एसबीआई के डीजीएम हरे राम सिंह के विशेष प्रयास से हुए इस समझोते के एम यू साइन होते समय एमपी ट्रांसको के राजेश भायरे सहित स्टेट बैंक के रीजनल मैनेजर अर्जुन सिंह बिस्ट, एजीएम शैलेंद्र चतुर्वेदी एवं नयागांव शाखा के चीफ मैनेजर चेतन शर्मा उपस्थित थे। एमपी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल मेहरोत्रा ने बताया कि इस समझोते के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एम.पी. ट्रांसको के खाता धारक कार्मिकों को अत्याधिक नई विशेष हितकारी सुविधाएं, जिनमें सामान्य मृत्यु बीमा 10 लाख, हवाई दुर्घटना बीमा कवर, दुर्घटना (मृत्यु) बीमा कवर, विकलांगता बीमा कवर, ऑटो स्विप सुविधा, आरटीजीएस, एनईएफटी शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, डिमांड ड्राफ्ट, पे आर्डर शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, चिकित्सा बीमा इत्यादि का लाभ प्रदान करेगा। इसके अलावा बिना शुल्क, डिजिटल उत्पादों से लैस कॉर्पोरेट सैलरी खाता की सुविधा प्रदान करेगा, इसके अतिरिक्त ऋण खातों में ब्याज में छूट, लॉकर किराए में छूट, एसबीआई रू-पे कार्ड की विभिन्न सुविधाएं डेबिट कार्ड (टॉप वेरियंट), सुपर टॉपअप हेल्थ बीमा, लाइफ बीमा एवं ओव्हरड्राल की सुविधाएं भी शामिल हैं।

राशिफल

मेष – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष – मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क – परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे

तुला – वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु – क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन – मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिट्रोएन ने इन-कार कंपेनियन कारा के साथ बैसाल्ट एक्स रेंज पेश की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मुंबई

सिट्रोएन इंडिया ने अपनी आक्रामक 'सिट्रोएन 2.0 - शिफ्ट इनटू द न्यू स्ट्रेट्जी' के अंतर्गत ऑल-न्यू इंटीरियर एवं भारत के पहले इन-कार कंपेनियन कारा के साथ बैसाल्ट एक्स रेंज पेश की है।

बैसाल्ट एक्स और कारा मोबिलिटी के लिए स्टेलैंटिस का दृष्टिकोण पेश करते हैं, जो ज्यादा कनेक्टेड, ज्यादा मानवीय और ज्यादा महत्वाकांक्षा के साथ है। कारा को भारत में भारतीय ग्राहकों के लिए बनाया गया है और विश्व के अन्य बाजारों के लिए तैयार किया गया है।

स्टेलैंटिस इंडिया के सीईओ एवं एमडी, शैलेष हजेला ने कहाकि स्टेलैंटिस इंडिया की वैश्विक रणनीति भारत पर केंद्रित है। हमारे द्वारा आज लॉन्च की गई बैसाल्ट एक्स देश में 'सिट्रोएन इंडिया 2.0 - शिफ्ट इन टू द न्यू' के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। हमने बैसाल्ट एक्स में कारा को पेश किया है, जो भारत की पहली इंटैलिजेंट इन-कार कंपेनियन है। बैसाल्ट एक्स रेंज एक्सक्लुसिविटी और कम्फर्ट के साथ हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत बनाने की ओर हमारा एक महत्वपूर्ण कदम है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पैन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें :- 9202613238, 9229187457 (रायपुर/19/सितंबर/25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5983

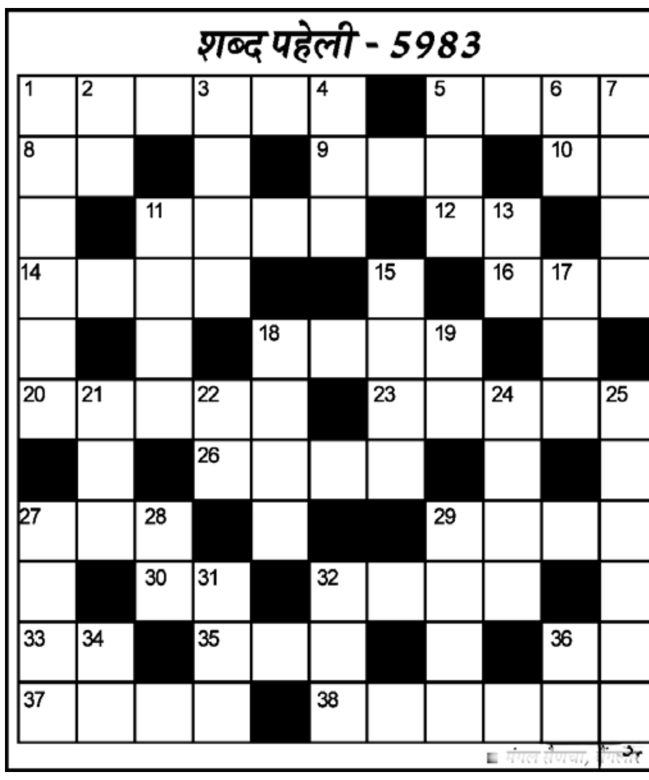

बाएँ से दाएँ
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 5982 का हल

आ	द	त	न	■	ल	■	वा	य	लि	न
■	ल	■	रा	■	प	व	न	■	ख	फा
ए	■	■	ध	व	ल	■	र	■	■	स
ह	र	द	म	■	पा	ल	■	फ	क	त
सा	■	म	■	दा	ना	■	सा	■	मा	■
न	वी	न	त	म	■	अ	ज	वा	ई	न
■	र	■	वा	■	स	दा	■	रि	■	वी
प	ता	का	■	ह	क	■	अ	स	मा	न
र	■	■	जी	■	प	र	दा	■	■	ता
वा	त	■	न	ल	का	■	व	■	द	■
ज	रु	र	त	■	ना	■	त	ल	वा	र

सूडोकु नवताल- 5993

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANDAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5992 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

सहेली

लैट रिलेशनशिप

दूर रह कर साथ रहने का अहसास

लैट रिलेशन यानी दूर रहकर भी करीब रहने के अहसास के साथ रिश्ता बनाए रखने का चलन, तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के बाद अपने देश-समाज में बढ़ रहा है। हालांकि इस तरह रिश्ते निभाने में कई तरह की सहूलियतें मिलती हैं लेकिन इसमें कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह रिश्ता तभी सहज ढंग से चल सकता है, जब पति-पत्नी दोनों इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों।

कवर स्टोरी

सरस्वती रमेश

हमारे समाज में शादी के बाद पति-पत्नी अमूमन साथ रहते हैं। अगर पति शहर के बाहर नौकरी या बिजनेस करता है तो शादी होते ही या कुछ समय बाद पत्नी भी उसके पास जाकर रहने लगती है। चाहे पत्नी को इसके लिए अपनी नौकरी ही क्यों न छोड़नी पड़े। कम से कम 90 प्रतिशत मामले में ऐसा ही होता रहा है। असल में शादी का मतलब ही होता है एक-दूसरे के साथ रहना और साथ निभाना। लेकिन आज के दौर में विवाह की यह पारंपरिक सोच बदल रही है। इस नई सोच के मुताबिक पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ जरूर निभा रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे के साथ रहे बिना। जी हां, लिविंग अपार्ट टुगेदर (लैट) यानी दूर रह कर साथ रहना, आजकल के शादी-शुदा कपल्स के बीच तेजी से बढ़ता ट्रेंड है। वैसे तो यह अवधारणा पश्चिमी देशों से आयातित है। लेकिन हमारे देश में भी यह तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है लैट रिलेशन: जब शादीशुदा जोड़े शारीरिक रूप से एक साथ रहने की बजाय दूसरे शहर, राज्य या देश में रहकर भी दांपत्य रिश्ते में बंधे रहना स्वीकार करते हैं तो इसे लैट रिलेशनशिप कहा जाता है। अब तो कपल्स एक ही शहर में अलग-अलग घरों में रहने का विकल्प भी चुन रहे हैं। कई बार साथ रहने की सुलभता के बावजूद दूर रहना वो स्वेच्छा से चुन रहे हैं। इसके पीछे का तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे उनके रिश्ते में नई ऊर्जा मिलती रहेगी। किसी से कभी-कभी मुलाकात होने पर हम उससे अतिरिक्त उत्साह से मिलते हैं, जबकि रोज मिलने वालों के साथ मिलने का उत्साह खत्म-सा हो जाता है। लेकिन यह लैट रिलेशन का कोई अकेला कारण नहीं है, और भी वजहें हैं।

ट्रेंड बढ़ने की वजहें: कई शोधों से यह साबित हो चुका है कि आज की पीढ़ी में सहन करने की क्षमता कम हुई है। उनमें छोटी-छोटी बातों को लेकर एग्रेशन बढ़ा है। पति-पत्नी को भी गीला तौलिया बेड पर रखने, एसी का टेंपरेचर कम/ज्यादा करने या घर के छोटे-मोटे कामों के बंटवारे को लेकर झगड़ते हुए देखा जा सकता है। पश्चिमी देशों में लैट रिलेशन की यह भी एक बड़ी वजह है, लेकिन हमारे देश में इसकी बड़ी वजह है, पति-पत्नी के करियर और जॉब से जुड़ी जरूरतें। ज्यादातर मामलों में पति और पत्नी अलग-अलग प्रोफेशन से जुड़े होते हैं। उनकी जरूरतें, ऑफिस टाइमिंग, वर्किंग फील्ड सब कुछ अलग होता है। एक समय ऐसी परिस्थिति में पत्नी सहजता से अपनी नौकरी छोड़ कर अपने पति के साथ रहना स्वीकार कर लेती थी। आज भी अधिकतर मामलों में ऐसा ही होता है, लेकिन अपने करियर के लिए समर्पित महिलाएं शादी के बाद भी अब जॉब छोड़ना स्वीकार नहीं कर रही हैं। बल्कि पति से दूर रहकर अपने सपनों को पूरा करने में लगी हुई हैं। पति भी अपने जीवन साथी की भावनाओं को समझते हुए उन्हें ऐसा करने में सहयोग कर रहे हैं। रिश्तों को निभाने के लिए पारंपरिक शर्तें अब कोई शर्त नहीं रही। जोड़े अब अपनी सुविधा से अपने नियम बना रहे हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि दूरी एक-दूसरे के प्रति लगाव और प्रशंसा की भावना बढ़ाती है।

कब-कैसे हुई लैट रिलेशन की शुरुआत

सुनने में लैट रिलेशन टर्म हमें जितना नया लग रहा है, असल में यह इतना नया है नहीं। इसकी शुरुआत 1970 के दशक में नीदरलैंड में हुई थी। सबसे पहले इस टर्म को 'फ्रैंक एन इवा' फिल्म में दिखाया गया था। फ्रैंक और इवा न तो साथ रह पा रहे थे, न ही अलग होना चाहते थे। तब दोनों ने रिश्ते में रहते हुए दूर-दूर रहने का फैसला किया। अंग्रेजी भाषा में यह फिल्म 'लिविंग अपार्ट टुगेदर' नाम से रिलीज हुई थी। वहीं से यह शब्द मिला। लैट रिलेशन में पति-पत्नी शारीरिक रूप से दूर रहने के बावजूद भावनात्मक रूप से दांपत्य बंधन में बंधे हुए होते हैं। विज्ञान और तकनीक की प्रगति ने इस चलन को बढ़ावा दिया है। चूंकि आज हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से जुड़े रहना संभव हो गया है, इसलिए ऐसे संबंधों को जरूरी ईंधन मिलता रहता है। भारतीय समाज में देखें तो यह शब्द अभी नया है, प्रचलन में नहीं है। अनेक पुरुष अपनी पत्नियों को गांव, कस्बे में छोड़कर रोजगार के लिए शहरों में चले जाते हैं। कई बार तो वो विदेशों में कमाने के लिए चले जाते हैं, कई वर्षों बाद वापस आते हैं। मतलब दूर रहते हुए भी अपने रिश्ते को जीवित रखते हैं।

खुद पर फोकस: ज्यादातर मामलों में पति-पत्नी का नेचर, पसंद, हॉबीज, जिंदगी के प्रति नजरिया सब अलग-अलग होते हैं। शादी के बाद अमूमन हर व्यक्ति को अपने पार्टनर का ख्याल रखना पड़ता है, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। जैसे पसंद का खाना, हॉबीज, मत, जरूरतें आदि। ऐसे में खुद की इच्छा कहीं पीछे छूट जाती है। लेकिन लैट रिलेशन में व्यक्ति खुद पर पूरा फोकस करता है, साथ ही अपने पार्टनर को खुद पर फोकस करने का पूरा मौका भी देता है। इसके अलावा आज की पीढ़ी के लिए पर्सनल स्पेस एक बड़ी जरूरत बन चुकी है। संयुक्त या एकल परिवारों में रह रहे महिला और पुरुष भी अब पर्सनल स्पेस चाहते हैं। थोड़ा या कुछ ज्यादा समय, जो सिर्फ उनका हो। ऐसी परिस्थितियां जिनमें शारीरिक या भावनात्मक रूप से किसी की टोका-टोकी या खलल न हो, वे अपनी मर्जी से जी सकें। व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए आज यह पर्सनल स्पेस काफी महत्वपूर्ण बन चुका है। लैट रिलेशन में रह रहे जोड़ों की बिन मांगे यह मुराद पूरी हो रही है।

विदेश में शादियां: अब मध्यवर्ग की लड़कियां भी एनआरआई दूल्हे के सपने देख रही हैं। लेकिन यदि लड़की अपने देश में ही किसी अच्छी जॉब में है तो शादी के बाद भी यहीं रुकना उसकी मजबूरी है। ऐसे कपल्स दूर रहकर भी लैट रिलेशन में अपने रिश्ते को बनाए रखते हैं। बीच-बीच में कुछ समय साथ बिताते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। ऐसे संबंधों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब जीवन साथी साथ न रहे, तो जिम्मेदारियों, काम के बंटवारे को लेकर बार-बार की एडजस्टमेंट नहीं करनी पड़ती। इससे किटपिट कम होती है। साथ ही यदि कोई लड़की शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहकर उनकी देखभाल करना चाहे तो इस रिलेशन में रहकर वह कर सकती है।

चुनौतियां: अलग-अलग रहकर साथ होने के अपने नुकसान भी हैं। लैट रिलेशन कुछ खास तरह के जोड़ों के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर के लिए नहीं।

आर्थिक भार: पहली बात तो यह कि ऐसी अवधारणा को मूर्त रूप सिर्फ अमीर लोग ही दे सकते हैं। दो घर यानी दो अलग-अलग गृहस्थियां चलाना महंगा पड़ता है। लैट रिलेशन में पति-पत्नी अपने इनकम को पूरी तरह अपने मुताबिक खर्च कर सकते हैं, लेकिन आगे परिवार बढ़ाने की प्लानिंग और बचत जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग और साथ चाहिए होता है। दूसरी बात, इस तरह लंबे समय तक रहना व्यावहारिक नहीं जान पड़ता।

भावनात्मक दूरी: कहते हैं पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी तकरार उनके संबंध को और गहरा बनाती है, लेकिन जब मिलना ही नहीं होगा तो तकरार और दांपत्य की छोटी-छोटी खुशियां और गम भी एक-दूसरे से साझा नहीं हो पाएंगे। इस तरह लंबे समय तक अलगाव भावनात्मक दूरी भी बढ़ा सकती है।

अकेलेपन की समस्या: देखा जाए तो लैट रिलेशन अकेलेपन या अलगाव की भावनाओं को और बढ़ा सकता है। खासकर यदि व्यक्ति किसी अपरिचित स्थान पर हो और उसका कोई मजबूत सामाजिक दायरा न हो। वैसे भी आजकल की पीढ़ी काम की अधिकता और जीवन की जटिलताओं के कारण डिप्रेशन में चली जा रही है। अकेले रहने से पति-पत्नी एक-दूसरे को भावनात्मक संबल नहीं दे पाते हैं। इससे उनका आपसी जुड़ाव कमजोर होता है। a

खिलौनों को लेकर रहें सजग

आजकल बाजार में मिलने वाले प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रहे हैं। ये खिलौने ऑटिज्म को बढ़ा रहे हैं। इसलिए जरूरी हो गया है, बच्चों को पैरेंट्स लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे से बने परंपरागत देसी खिलौने दें, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों एम्स द्वारा किए गए रिसर्च में सामने आया कि ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के शरीर में लेड, क्रोमियम, मर्करी, मैंगनीज, कॉपर, आर्सेनिक, कैडमियम जैसे भारी धातु पाए गए हैं, जो कि बच्चों में ऑटिज्म बीमारी बढ़ने का कारण बन रहे हैं। पैरेंट्स को ध्यान देना होगा कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली ये धातुएं प्रदूषित भोजन, सिगरेट के धुएं, प्रदूषित हवा, औद्योगिक कचरे और खिलौनों के जरिए बच्चों के शरीर में पहुंच रही हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि अध्ययन में ऑटिज्म से पीड़ित 3 से 12 साल के 180 बच्चों और 180 स्वस्थ बच्चों को शामिल किया गया। इनमें 32 प्रतिशत ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में 7 तरह के हेवी मेटल्स ज्यादा पाए गए, जबकि स्वस्थ बच्चों में यह समस्या नहीं मिली। ऐसे में पैरेंट्स का बच्चों के शरीर में पहुंचते नुकसानदेह रसायनों और धातुओं को लेकर जागरूक रहना आवश्यक है। देखने में आता है कि खिलौनों से बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर आज भी अवेयरनेस की कमी है।

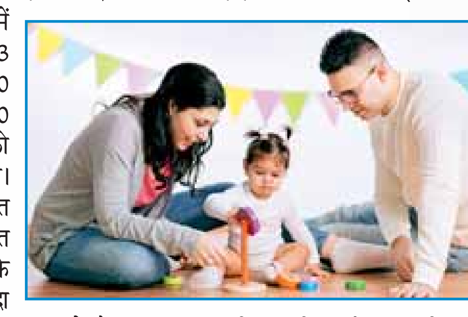

ट्रेडिशनल खिलौने दें: बच्चों को खिलौनों से दूर नहीं किया जा सकता। बालमन के मनोरंजन और खेलने के लिए खिलौने जरूरी हैं। ऐसे में जागरुकता के साथ, जज्बाती जुड़ाव के इस मोर्चे पर हमारा परंपरागत खिलौनों की ओर लौटना जरूरी है। लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे जैसे सामानों से बने देसी खिलौने ना केवल परंपरा वाहक हैं। बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवनशैली को समझने का जरिया भी हैं। इनसे बच्चों के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। वहीं प्लास्टिक और अन्य सामानों से बने विदेशी खिलौनों में मौजूद रसायन बच्चों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। यही वजह है कि सेहत सहेजने और बच्चों को सहज और संवेदनशील जीवनशैली का पाठ पढ़ाने के लिए परंपरागत खिलौनों की बहुत अहमियत है। हमारे अधिकतर देसी खिलौने ग्रामीण जन-जीवन की झलक और प्रकृति से जुड़ाव का सबक लिए होते हैं। ट्रेडिशनल खिलौने बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ ही जमीनी जुड़ाव और समझ को पोषित करने वाले साथी बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए कैसे हानिकारक हैं खिलौने: परवरिश के कई संजीदा पक्ष खिलौनों से जुड़े हैं। बाल स्वास्थ्य से जुड़े अनगिनत जोखिमों के बावजूद प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के हाथ में थमा दिए जाते हैं। अब तो बाजार इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों से भी अटा पड़ा है। देखने में आता है कि नुकसानदेह रसायन ही नहीं, कई तरह की तकनीक से लैस स्वचालित खिलौने बच्चों की मनः स्थिति पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। खिलौने बच्चों की शारीरिक-मानसिक सेहत को कई तरह से प्रभावित करते हैं। इसीलिए इस विषय में डॉक्टर से भी चर्चा करनी चाहिए। कई बार तो कुछ खास तरह के इंफेक्शन का कारण मुंह में डाले जाने वाले खिलौने भी होते हैं। दांत निकलने के समय तो बच्चे खिलौने को खूब चबाते हैं। मुंह में डालने से कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया के बच्चों के शरीर में जाते हैं। ऐसे में गंदे खिलौनों से पेट और मुंह के इंफेक्शन ही नहीं, स्किन इंफेक्शन की समस्या भी हो सकती है। बीमार होने पर बच्चों के टॉयज की डॉक्टर को भी जानकारी दें। घर में भी खिलौनों की साफ-सफाई को लेकर सजग रहें। स्वच्छ रखें और कभी-कभी धूप भी दिखाएं। a

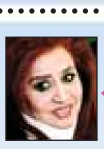

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सूखे नीबू से स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

नीबू के छिलकों में विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई मिनरल्स के अलावा एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। ये स्किन को सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ स्किन से फाइन लाइंस, झुर्रियों, टैनिंग, मुंहासों और दाग-धब्बों को कम करने जैसी कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। ताजे नीबू की तरह ही सूखे हुए नीबू के छिलकों को भी अपने ब्यूटी रुटीन में आप अलग-अलग तरीके से शामिल कर सकती हैं। नीबू के छिलके का पावडर बनाने के लिए सबसे पहले इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर धूप में सूखा लें और मिक्सर में डालकर पीस लें। अब इस मिश्रण को स्टोर करने के लिए किसी एयर टाइट कंटेनर में रख दें। आप इस मिश्रण का इस्तेमाल लिप बाम, क्लींजर या फिर फेस मास्क के लिए कर सकती हैं।

फेस पैक: नीबू के छिलके से बने फेस पैक ऑयली स्किन वाली महिलाओं को काफी राहत मिलती है। फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच बेसन में एक छोटा चम्मच नीबू के छिलके का पावडर और गुलाब जल मिक्स करके लगा लें और जब यह मिश्रण स्किन पर नेचुरल तरीके से सूख जाए तो इसे ताजे पानी से धो लें। इस मिश्रण के साथ आप दही का यूज भी कर सकती हैं। इस फेस पैक से आपकी स्किन और भी सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखेगी।

स्क्रब: बॉडी और फेस स्क्रब बनाने के लिए आप एक मिक्सर में थोड़ी सी चीनी, शहद और नारियल के दूध के साथ सूखे नीबू के छिलकों के पावडर को अच्छी तरह मिक्स कर लें। शहद, एक्सफोलिएशन में मदद करता है, जबकि नारियल का दूध स्किन को फ्रेश और सॉफ्ट बनाता है। चेहरे की थकावट को दूर करने के लिए येह फेस स्क्रब काफी मददगार साबित हो सकता है। नीबू में साइट्रिक एसिड होता है, जिसकी वजह से यह स्किन की ड्राई सेल्स में जमी परत को एक्सफोलिएट करता है। इसे लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। शहद में पाए जाने बाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मुंहासों के उपचार के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

हर्बल टी भी है कारगर: लेमन हर्बल टी बनाने के लिए सूखे नीबू को छोटे टुकड़ों में काटकर उनके छिलकों को रातभर पानी में छोड़ दें। सुबह इनके छिलकों को पानी में थोड़ी देर के लिए उबालकर इसे छान लें। इसके बाद इसे चीनी या शहद से मीठा कर सकती हैं। आप इस चाय में अदरक, तुलसी और इलायची के साथ या फिर किसी जड़ी-बूटी को भी डाल सकती हैं। इसे पीने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और एक्सट्रा बॉडी वेट को घटाने में भी मदद मिलेगी a

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रवींद्र गुप्ता

एचओडी-इंटरनल मेडिसिन
सी. के. बिड़ला हॉस्पिटल, एनसीआर

ऐसे रहेगा कंट्रोल बैड कोलेस्ट्रॉल

अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का रिस्क बढ़ने लगता है। क्या हैं बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण, इसके लक्षणों के साथ ही इससे बचाव के बारे में जानिए।

हमारे शरीर के सेल्स में पाया जाने वाला कोलेस्ट्रॉल नामक पदार्थ पिघले मोम की तरह चिपचिपा और वसा का ही एक रूप है। यह इतना ऑयली होता है कि पानी में नहीं घुल पाता, जिससे लिपोप्रोटीन पार्टिकल्स ब्लड फ्लो की मदद से इसे शरीर के सभी भागों में पहुंचता है। लेकिन बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर कमजोर होना, अल्जाइमर और शरीर में दर्द-अकड़न जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार: हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल मौजूद होते हैं। पहला हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल), यानी गुड कोलेस्ट्रॉल। यह हार्मोंस के स्राव को नियंत्रित करना, नर्वस सिस्टम के न्यूरांस को बनाना, विटामिन की पाचन क्रिया के साथ नई सेल्स की दीवारों और विटामिन डी को बनाने में भी मदद करता है।

दूसरा लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल), यानी बैड कोलेस्ट्रॉल। यह ब्लड वेसेल्स के अंदर की दीवारों में चिपककर उन्हें संकरा बना देता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट पैदा होने की वजह से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर का कमजोर होना और शरीर के कुछ भागों में हमेशा दर्द रहता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण : हमारे शरीर में 20 प्रतिशत बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा डायटरी, सैचुरेटेड और ट्रांस फैट से आती है, जैसे, रेड मीट, तेल, मक्खन और घी का अधिक मात्रा में सेवन करने से बढ़ता है। इसके अलावा 80 प्रतिशत फैट लिवर में तैयार होता है। मैदा, चीनी, चावल, सूजी, ओट्स, एल्कोहल, सॉफ्ट ड्रिंक्स और जंक फूड जैसी चीजों में कार्ब की मात्रा अधिक होने से लिवर इनमें मौजूद कार्ब्स को बैड कोलेस्ट्रॉल में बदल देता है। एक्सरसाइज न करना भी इसकी मात्रा बढ़ने की बड़ी वजह है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण : शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर आपको अलग-अलग लक्षण देखने को मिल सकते हैं। आंखों के सफेद हिस्से पर काले या भूरे रंग का घेरा नजर आना, शरीर में अकड़न, पसीना आना, दिल की धड़कन बढ़ने के साथ सीने, कंधे और गर्दन में दर्द होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जरूरत से अधिक बढ़ने पर यह ब्लड वेसेल्स में जमा होकर प्लाक बनाता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट के कारण दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक होने का रिस्क बढ़ सकता है। a

बचाव और उपचार के तरीके

बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो लिपिड प्रोफाइल नामक जांच अवश्य कराएं। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल का पता लगाया जा सकता है। आमतौर पर स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल 130 से कम होना चाहिए, अगर किसी की हार्ट की सर्जरी हुई है तो शरीर में इसका लेवल 100 से कम होना चाहिए। अगर किसी तरह के लक्षण नजर नहीं भी आते तब भी चालीस पार के लोगों को साल में एक से दो बार कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज और वॉकिंग करें। घी, तेल, मक्खन, मैदा और बाजार में बिकने वाले जंक फूड्स जैसी चीजों को अवॉयड करें। डॉक्टर की सलाह पर दवाओं की मदद से भी इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

भारत ने जमकर किया अभ्यास, एशिया कप में खिताब पर टिकी निगाहें

एजेंसी ▶▶| दुबई

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम मंगलवार 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप टी20 टूर्नामेंट पाकिस्तान और श्रीलंका के मौजूदगी के बावजूद खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच अबू धाबी में होने वाले मैच से होगी, लेकिन सभी की निगाहें दुबई पर टिकी होंगी, जहां सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया। एशिया कप इससे पहले टी-20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करता था लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके बावजूद भारतीय टीम एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत का एशिया कप में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और इस बार तो पूरा शक्ति संतुलन उसके पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में उसे हराना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

आज से एशिया कप टी20 टूर्नामेंट का आगाज

भारत-पाकिस्तान के बीच 14 को होगी भिड़ंत

आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह 15 खिलाड़ियों को चुना

भारतीय टीम को लेकर आत्मविश्वास इतना अधिक है कि चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बार भी एशियाई क्रिकेट परिषद की ओर से स्वीकृत 17 सदस्यीय टीम चुनने पर विचार नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह 15 खिलाड़ियों को चुना, भले ही इसका मतलब श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को बाहर रखना हो। नौवीं बार महाद्वीपीय खिताब जीतने से (सात बार वनडे प्रारुप में और वर्ष 2016 में एक बार टी-20 प्रारुप में) न तो सूर्यकुमार को और न ही गंभीर को कोई अतिरिक्त श्रेय मिलेगा। लेकिन ट्रॉफी से कम कुछ भी आलोचनाओं को आमंत्रित करेगा, क्योंकि साढ़े चार महीने बाद भारत और श्रीलंका टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

परिवर्तन के दौर से गुजर रही पाकिस्तान और श्रीलंका

पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों की टीम परिवर्तन के दौर से गुजर रही हैं और उनके लिए भारत की मजबूत टीम का सामना करना मुश्किल होगा। पाकिस्तान ने अपने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में नहीं चुना है। उसकी सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और हसन अली आक्रामक भारतीय बल्लेबाजी के सामने कैसी गेंदबाजी करते हैं।

पर्याप्त आक्रामक नहीं बांग्लादेश

बांग्लादेश पूरे टूर्नामेंट में चुनौती बरकरार रखने के लिए पर्याप्त आक्रामक नहीं है। ग्रुप बी में हांगकांग के अलावा बांग्लादेश दूसरी ऐसी टीम है, जिसके शुरुआती चरण में बाहर होने की पूरी संभावना है। ऐसे में भारत के सामने एकमात्र बाधा अफगानिस्तान नजर आता है, जिसका स्पिन आक्रमण काफी मजबूत है और उसके पास अच्छे बल्लेबाज भी हैं। संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और हांगकांग के लिए यह एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। इस प्रतियोगिता में वह पिछले कुछ वर्षों में अपनी प्रगति का आकलन करना चाहेंगे।

खबर संक्षेप

लीजेंड्स टूर : रंधावा ने हासिल किया चौथा स्थान

सैन सेबेस्टियन। भारत के दिग्गज गोल्फर ज्योति रंधावा ने दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 66 का स्कोर बनाया और यहां यूरोपीय लीजेंड्स कप में चौथे स्थान पर रहे। यह लीजेंड्स टूर पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रंधावा के अंतिम राउंड के खेल में पाच बर्डी और एक ईगल बनाया और इस बीच केवल एक बोगी की। उन्होंने तीनों राउंड में कुल मिलाकर एक दर्जन बर्डी लगाईं। रंधावा के अंतिम राउंड का आकर्षण पार-4 के नौवें होल पर दो होल-आउट रहा। स्कॉट हेंड ने उत्तरी स्पेन के बासोज़ाबल में खेले गए इस टूर्नामेंट में एडिलसन दा सिल्वा और स्टीफन गैलाचर की चुनौती को समाप्त करके यूरोपियन लीजेंड्स कप दो शॉट से जीता।

गावस्कर, शास्त्री, सहवाग कमेंट्री पैनल में

नई दिल्ली। सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री और वीरेंद्र सहवाग के साथ-साथ पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण मंगलवार से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के बहुभाषी कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। इस टूर्नामेंट के 17वें सत्र में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, ओमान और हांगकांग अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले महाद्वीपीय वर्चस्व के लिए संघर्ष करेंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को यूएई के खिलाफ करेगा।
भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री, गावस्कर, संजय मांजरेकर, रॉबिन उथप्पा, बाजिद खान, वकार यूनिस, वसीम अकरम, रसेल अर्नोल्ड और साइमन डूल उन कमेंटेटरों में शामिल हैं, जिन्हें प्रसारण के विश्व फीड के लिए चुना गया है। सहवाग, इरफान पठान, अजय जडेजा, पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर और सबा करीम हिंदी कमेंटेटरों के पैनल में प्रमुख नामों में शामिल हैं।

ह्यूस्टन चैंपियनशिप: 50वें स्थान पर रहीं प्रणवी

ह्यूस्टन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने चौथे दौर में दो ओवर का कार्ड खेलने के बाद यहां ह्यूस्टन चैंपियनशिप में संयुक्त 50वां स्थान हासिल किया। अपने घरेलू टूर पर कई जीत हासिल कर चुकीं प्रणवी के लिए यह एक उतार-चढ़ाव भरा सप्ताह रहा, जिसमें उन्होंने 72-69-74 के कार्ड खेले। प्रतियोगिता में शामिल अन्य दो भारतीय खिलाड़ी अवनि प्रशांत और त्वेसा मलिक कट से चूक गईं थीं। प्राणवी आखिरी दौर में एक बर्डी के मुकाबले तीन बोगी (दूसरे, चौथे और 13वें होल पर) कर बैठी। स्पेन की नूरिया इटुरियोज ने अंतिम दौर में चार-अंडर 68 के स्कोर के साथ लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) पर अपना पांचवां खिताब हासिल किया।

यानिक की हार्ड कोर्ट पर 27 मैचों की जीत की स्ट्रीक तोड़ी

सिनर पर दबदबा बरकरार रखते हुए हासिल की नंबर एक रैंकिंग

अल्काराज बने अमेरिकी ओपन चैंपियन, छह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए चार सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीता और विश्व में नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की। अल्काराज की सिनर पर 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से जीत वाकई अहम रही। अल्काराज ने गत चैंपियन पर अपनी श्रेष्ठता फिर से स्थापित की, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह तीसरा मौका था जब दोनों लगातार ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़े। सिनर को हराकर 22 साल के अल्कराज, ब्योर्न बोर्ग के बाद छह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सिनर की हार्ड कोर्ट पर 27 मैचों की जीत की स्ट्रीक भी तोड़ दी। इस जीत के साथ, अल्कराज के नाम छह ग्रैंड स्लैम हो गए, जबकि सिनर के पास अभी चार बड़े खिताब हैं।

22 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

कार्लोस अल्कराज ने 22 साल और 125 दिन की उम्र में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम्स जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले मैट्स विलैंडर ने 24 साल और 6 दिन की उम्र में ये कमाल किया था और फिर राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच का नाम आता है। इसी के साथ कार्लोस अल्कराज ने पीआएफ एटीपी रैंकिंग्स में नंबर 1 पायदान हासिल कर लिया है। उन्होंने साल 2023 के बाद पहली बार ये रैंकिंग हासिल की है।

परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया : सिनर

सिनर ने कहा, 'मैं उन्हें पूरा श्रेय देता हूं क्योंकि उन्होंने मेरी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जब जरूरत थी तब अंक हासिल किए।' सिनर ने कहा, 'आपने मुझसे बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। मैंने आज अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता था।'

अल्काराज ने की सिनर की तारीफ

खिताब जीतने के बाद, एल्कराज ने सिनर की जमकर तारीफ की। दोनों अक्सर बड़े टूर्नामेंट में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, और 2025 में यह तीसरा ग्रैंड स्लैम था। अल्कराज ने कहा, /"मैं यानिक से शुरू करना चाहता हूं। तुम पूरे सीजन में कमाल का प्रदर्शन कर रहे हो, हर टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखा रहे हो। मैं तुम्हें अपनी फैमिली से ज्यादा देखता हूं। तुम्हारे साथ कोर्ट और लॉकर रूम शेयर करना शानदार है। मेरे आसपास के लोग, मेरी हर उपलब्धि आपकी वजह से है।

कार्लोस पर पैसों की बारिश

22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज को यूएस ओपन 2025 का खिताब जीतने पर पिछले साल की तुलना में 39 प्रतिशत ज्यादा की इनामी राशि मिली। यूएस ओपन 2025 के सिंगल में विजेता को इनामी राशि के रूप में 5 मिलियन डॉलर यानी भारतीय रुपए के अनुसार, करीब 44 करोड़ रुपए मिले हैं। बता दें कि, पिछले सीजन के विजेता को 31.74 करोड़ रुपए मिले थे। इसके अलावा रनर-अप रहे यानिक सिनर को 22 करोड़ रुपए से ज्यादा मिले, जो की आईपीएल 2025 की आरसीबी को मिले प्राइज मनी से ज्यादा है।

हांगकांग सुपर 500 में सात्विक-चिराग की जोड़ी करेगी अगुवाई

हांगकांग। विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी 9 जुलाई से शुरू हो रहे हांगकांग सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेगी। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इस जोड़ी ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन के बूते विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। यह जोड़ी मौजूदा सत्र में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली जोड़ी रही है। वे बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारत, मलेशिया, चीन और सिंगापुर सहित कई प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चियु शिआंग चिएह और वांग ची-लिन के खिलाफ करेगी।

सिंधू को बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में चीन की वांग झी यी को हराकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया था। उनका अभियान हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था। हांगकांग में सिंधू के सामने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टाफरसेन के खिलाफ अपने पहले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस साल के उभरते सितारों में से एक यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ एक कठिन मुकाबला है। पूर्व विश्व नंबर छह लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से चूकने के बाद से लय तलाश रहे है। वह चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई के खिलाफ आत्मविश्वास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

युवा स्टार कंटेंडर टेटे टूर्नामेंट

अनन्या-दिव्यांशी ने जीता अंडर-15 युगल का खिताब

एजेंसी ▶▶| स्कोपिया

अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की।

दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते।

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज, अफगान को हराया

शारजाह। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला जीती। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 141 रन बनाए। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 15.5 ओवर में 66 रन पर आउट हो गई, जो इस प्रारुप में उसका न्यूनतम स्कोर है। नवाज ने 19 रन देकर पांच विकेट लिए। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, 'यह ऐसा विकेट था जहां 130-140 रन भी चुनौतीपूर्ण होते हैं और एक बार जब हम वहां पहुंच गए तो हमें पता था कि उनके लिए लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा।' पाकिस्तान की तरफ से बल्लेबाजी में फखर जमां ने 27, नवाज ने 25 और कप्तान आगा ने 24 रन का योगदान दिया। अफगानिस्तान की तरफ से कप्तान राशिद खान ने 38 रन देकर तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम शुरू में ही लड़खड़ा गई। उसके केवल दो बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें राशिद ने सर्वाधिक 17 रन बनाए।

नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक

हॉकी महिला एशिया कप : भारत ने सिंगापुर को 12-0 से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| हांगझोउ (चीन)

नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंदा। नवनीत (14वां, 18वां, 28वां मिनट) और मुमताज खान (दूसरा, 32वां और 38वां मिनट) के अलावा, नेहा (11वां मिनट, 38वां मिनट) ने दो जबकि लालरेम्सियामी (13वां मिनट), शर्मिला देवी (45वां मिनट) और रुतुजा पिसल (52वां मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारत ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था, जबकि गत चैंपियन जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत अपना अगला मैच सुपर -4 चरण में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा।

भारत ने पहले दो मिनट में गोल कर की शानदार शुरुआत

विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज सिंगापुर के खिलाफ भारतीय टीम ने दो मिनट के अंदर ही गोल कर शानदार शुरुआत की। मुमताज के सर्कल के कोने से लगाए जोरदार रिवर्स शॉट का सिंगापुर की रक्षापंक्ति के पास कोई जवाब नहीं था। भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर अपना दबदबा कम नहीं होने दिया और आठवें मिनट में टीम ने पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन यह प्रयास जाया हो गया। टीम ने 11वें से 14 वें मिनट के अंदर तीन गोल कर पहले क्वार्टर में ही सिंगापुर को बैकफुट पर धकेल दिया। इसकी शुरुआत नेहा ने रिबाउंड पर गोल कर की। मैच के 13वें मिनट में लालरेम्सियामी के गोल से टीम की बढ़त 3-0 हो गई।

विद्युत हाकी प्रतियोगिता का दायित्व एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को मिला

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल ने वर्ष 2025-26 के लिए अपना खेल कैलेण्डर घोषित कर दिया है। मुंबई में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में निर्णय लिया गया कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के द्वारा अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल हाकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता नवम्बर के द्वितीय पखवाड़े में आयोजित होने की संभावना है। अखलि भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण द्वारा पहली बार खो-खो को शामिल किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि गुजरात ऊर्जा पुरूष व महिला वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर माह के द्वितीय पखवाड़े में करेगा। हरियाणा के द्वारा सितंबर माह में पुरूष वर्ग की वालीबाल और पुरूष व महिला वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। पंजाब पुरूष व महिला वर्ग की एथलेटिक्स व टेनीक्वाईट प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व निभाएगा। यह दोनों प्रतियोगिताएं अक्टूबर माह के द्वितीय पखवाड़े में आयोजित होगी।

राजस्थान को नवम्बर के प्रथम पखवाड़े में शरीर सौष्ठव व पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टाटा पावर मुंबई दिसंबर के प्रथम पखवाड़े में फुटबाल प्रतियोगिता की मेजवानी करेगा। बिहार को पुरूष व महिला वर्ग की कैरम और शतरंज प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई है। उनके द्वारा दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन दिसंबर माह के द्वितीय पखवाड़े में किया जाएगा। बीएसईएस दिल्ली दिसंबर माह के प्रथम प्रथम पखवाड़े में पुरूष व महिला वर्ग की रस्साकसी (टग ऑफ वार) प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

महाराष्ट्र को सबसे बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। महाराष्ट्र पुरूष व महिला वर्ग की कबड्डी, पुरूष वर्ग की बॉस्केटबाल, कुश्ती व खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन अगले वर्ष जनवरी माह 2026 के प्रथम पखवाड़े में करेगा।

जीत टीम को भविष्य में युवाओं को अधिक मौके देने के लिए करेगी प्रेरित

मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ एशिया कप हॉकी में टीम में बदलाव

एजेंसी ▶▶| राजगीर

भारतीय हॉकी टीम के लिए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को हटाकर युवा खिलाड़ियों को मौका देने का दांव एशिया कप में सही साबित हुआ, जिसके फाइनल में टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर आठ साल बाद इस खिताब जीतने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप का टिकट पक्का किया। यह जीत टीम को भविष्य में और बदलाव कर युवाओं को अधिक मौके देने के लिए प्रेरित करेगी।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के तीन खिलाड़ियों, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को की

जगह मिडफील्डर राजिंदर सिंह और स्ट्राइकर शिलानंद लकड़ा को टीम में शामिल किया गया था। यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि दोनों युवा खिलाड़ियों ने सिर्फ एक-एक गोल करने के बावजूद हाल ही में खत्म हुए टूर्नामेंट में काफी प्रभावित किया। भारत की कोर टीम में भविष्य में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के बाद। अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप और जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत जूनियर विश्व कप के बाद कुछ होनहार जूनियर खिलाड़ियों को सीनियर स्तर पर आजमा सकता है।

खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया जाएगा बाहर

हॉकी इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष आरपी सिंह ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि खराब प्रदर्शन करने वाले कुछ सीनियर खिलाड़ियों को धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमें अपनी टीम बनाते समय उभरते खिलाड़ियों पर भी ध्यान देना होगा। अगर हम एक साथ छह-सात सीनियर खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर देंगे तो यह कारगर नहीं होगा। चयन समिति की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करें कि जो सीनियर खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाए।' उन्होंने कहा, 'पेरिस ओलंपिक के बाद काफी समय बीत चुका है। हमने यह योजना बहुत पहले ही बना ली थी। अगर हम युवाओं को छोटे टूर्नामेंट में मौका नहीं देंगे, तो हम उन्हें सीधे विश्व कप में नहीं खिला सकते।'

समिति प्रबंधक, बैंक मैनेजर सहित 10 लोगों पर एफआईआर दर्ज

मूंग, उड़द खरीदी में भी 2 करोड़ का घोटाला

हरिभूमि, जबलपुर।

भेड़ाघाट थाना अतंर्गत बसेड़ी सोसायटी के एमएलटी वेयर हाउस स्थित उपार्जन केंद्र में मूंग और उड़द की खरीदी में धांधली का मामला उजागर होने के बाद जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी द्वारा भेड़ाघाट थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। जिला स्तरीय जांच के दल में ऑनलाईन दर्ज खरीदी से 2 हजार 187 क्विंटल मूंग और उड़द कम पाई गई थी जिसकी कीमत 1 करोड़ 86 लाख रुपए है। जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है उनमें समिति प्रबंधक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, केंद्रीय सहकारी बैंक शहपुरा के शाखा प्रबंधक एवं गोदाम संचालक शामिल हैं इन लोगों पर अवैध रुप से धोखाधड़ी एवं षड्यंत्र कर किसानों एवं शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप है। बसेड़ी में उपार्जन नीति का उल्लंघन और अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने मजीठा जिला स्तरीय जाँच दल की जाँच में ऑनलाइन दर्ज खरीदी से कम पाई गई थी 1.86 करोड़ की 2 हजार 187 क्विंटल मूंग और उड़द की खरीदी की शिकायतें की।

एसडीएम शहपुरा की अध्यक्षता में समिति का गठन कर जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन में यह पाया गया कि आनलाइन दर्ज की गई खरीदी में गड़बड़ की गई। इसमें 1.86 करोड़ रुपए कीमत की करीब 2 हजार 187 क्विंटल मूंग और उड़द कम निकली थी। जांच प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस द्वारा नामजद किए गए आरोपियों में बेलखेड़ी के कमलसिंह ठाकुर, मेरेगांव के राजपालसिंह, गुंदरई मनकेड़ी के दीपेंद्र सिंह ठाकुर, सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक अजय तिवारी, बेलखेड़ा के अंकित उर्फ राजशेखर, हिनौता कटंगी के शम्भू ठाकुर, बिंदु राय उर्फ अरविंद भैरोघाट पिपरिया, रोहित यादव कोनीकला पाटन, देवेंद्र यादव बिरहनी सहित मजीठा के आदेश तिवारी को आरोपी बनाया गया है। इन सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 318 (4)336 (3)338, 61(2) वीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया है।

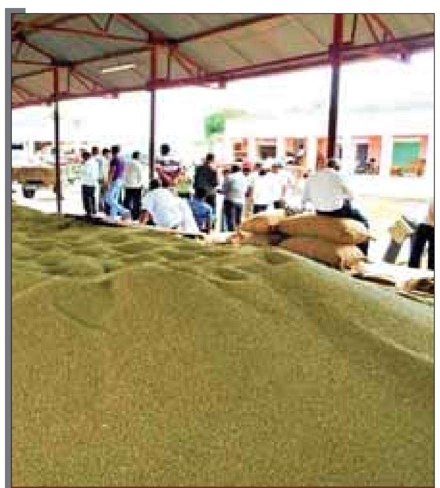

इन शिकायतों की गई जांच

जिला कलेक्टर को मूंग, उड़द खरीदी में गड़बड़ी की शिकायतें मिली थी, जिनकी जिला स्तरीय समिति से जांच कराई गई। जांच के दौरान एमएलटी वेयर हाउस की आनलाइन खरीदी में 1 हजार 671 क्विंटल मूंग और 253 क्विंटल उड़द कम मिली है। इस केंद्र में 503 किसानों से 12 हजार 928 क्विंटल मूंग एवं 299 किसानों से 8 हजार 736 क्विंटल उड़द आनलाइन खरीदी गई थी। जिला स्तरीय जांच दल को 11 हजार 257 क्विंटल मूंग और 8 हजार 434 क्विंटल उड़द ही स्टेक में लगी मिली थी। इसके अलावा वेयर हाउस में फर्श पर रखा 324 क्विंटल मूंग एवं 285.5 क्विंटल उड़द का तुला हुआ स्कंध मिला था। 237 क्विंटल मूंग एवं 76 क्विंटल उड़द स्टेक पर लगी मिली लेकिन फर्श पर रखे पाये गये इस स्कंध तथा स्टेक में लगी पाई गई इस मूंग और उड़द की पोर्टल पर एंट्री ही नहीं की गई थी। जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर ने 315 किसानों को मूंग एवं 243 किसानों को उड़द का भुगतान करा दिया लेकिन शेष संदिग्ध भुगतान रोक लिया गया था। इसके पूर्व 68 किसानों को मूंग का 1 करोड़ 52 लाख 15 हजार 205 रुपये तथा 47 किसानों को उड़द का 1 करोड़ 07 लाख 63 हजार 205 रुपये का भुगतान किया जा चुका था।

डिप्टी सीएम को लिखा पत्र

पत्रकार बीमा में जीएसटी को लेकर आक्रोश

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश के पत्रकारों की चिंताओं को आवाज़ देते हुए कलमवीर संघर्ष संगठन ने राज्य सरकार से पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना पर लगने वाले 18% जीएसटी को तुरंत हटाने की मांग की है। संगठन का मानना है कि यह कर दर पत्रकारों के लिए आर्थिक रूप से भारी पड़ रही है और यह उनकी कठिन परिस्थितियों को और जटिल बना रही है। राष्ट्रीय संरक्षक गिरीश पांडे और राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी ने बताया कि देशभर में अधिकांश बीमा योजनाएं जीएसटी से बाहर रखी गई हैं, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से मध्यप्रदेश में पत्रकारों की स्वास्थ्य बीमा योजना पर अब भी 18% जीएसटी वसूला जा रहा है। इसे पत्रकार विरोधी कदम बताया गया है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा इसकी अंतिम तिथी 22 सितम्बर रखी गई है, जिसे आगे बढ़ाई जाये, और इस वर्ष प्रीमियम की राशी पिछले वर्ष की अपेक्षा में बढ़ा दी गई है। जिसे पिछले वर्ष की तरह ही रखी जाए। इस मुद्दे को लेकर संगठन के प्रतिनिधियों ने राज्य के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से फोन पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री ने इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा का आश्वासन दिया और कहा कि पत्रकारों के हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी। प्रदेश संरक्षक सुनील साहु व प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला एवं संगठन के पदाधिकारियों ने चेताया कि यदि जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेशभर में पत्रकार आंदोलन शुरू किया जाएगा। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बोझ तले दबाना, राष्ट्रहित में नहीं, अब समय है कि सरकार पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर त्वरित राहत दे। संगठन के विवेक यादव, संजय साहु, विनोद मिश्रा, योगेश सोनी, सुधीर खरे, सत्यजीत यादव, हर्षित चौरसिया, जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला, रघुनंदन शुक्ला, राहुल पाण्डे, फतेह सिंह गुल्लु, ओमप्रकाश पाल, अनुप राबिन आदि ने इस विषय में जल्द उचित कदम उठाने प्रदेश सरकार से मांग की है।

संगठन ने तीन प्रमुख मांगे रखी हैं

1. पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना से 18% जीएसटी को हटाया जाए।
2. बीमा प्रीमियम की राशि कम की जाए, ताकि अधिक पत्रकार इसका लाभ ले सकें।
3. फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए, जिससे सभी योग्य पत्रकार आवेदन कर सकें।

बीमा प्रीमियम राशि भी कम करने की उठी पुरजोर मांग

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने आरोप लगाया है कि मप्र में पत्रकार स्वास्थ बीमा योजना का जो सर्कुलर घोषित किया गया है वह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की घोषणा के विपरीत है। जब देशभर में बीमा योजनाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है तब मप्र में 18 फीसदी जीएसटी पत्रकारों से वसूलना कहा तक उचित है। संगठन माँग करता है कि जीएसटी हटाकर प्रीमियम की राशि कम की जाए और फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर की जाए। परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत वाजपेयी, अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हेमराज कनोजिया ने मांग की है कि पत्रकारों के हित को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त निर्णय शीघ लिया जाए। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने संगठन के सभी जिला अध्यक्षों से निवेदन किया है कि मुख्यमंत्री के नाम लिखा पत्र जिला कलेक्टर को सौंपें ताकि पत्रकारों की आवाज सरकार तक पहुंच सके और इस मामले में जल्द कार्यवाही हो सके।

स्टेशन के पुर्नविकास कार्य के कारण बदला समय और मार्ग

कोटा जंक्शन में ट्रेनों के संचालन में आंशिक परिवर्तन

हरिभूमि जबलपुर।

रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम मध्य रेल के कोटा जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य किए जाने के कारण में प्लेटफार्म संख्या 2 पर 10 सितम्बर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक 25 दिनों की अवधि में कुछ गाड़ियों के संचालन में आंशिक परिवर्तन एवं मार्ग परिवर्तन किया जाएगा।

स्टेशनों के स्थान परिवर्तित

गाड़ी संख्या 11604 बीना–कोटा एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर.2025 तक कोटा के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा सोगरिया–कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 61621 कोटा–सवाई माधोपुर मेमू दिनांक 10 सितंबर .2025 से 04.अक्टूबर 2025 तक कोटा की बजाय सोगरिया स्टेशन से प्रस्थान करेगी तथा कोटा-सोगरिया के बीच आंशिक रूप से निरस्त

रहेगी। (सोगरिया स्टेशन पर प्रस्थान समय रात 19:25 बजे)

गाड़ी संख्या 19812 इटावा–कोटा एक्सप्रेस दिनांक 09 सितंबर 2025 से 03 अक्टूबर 2025 तक कोटा के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा सोगरिया–कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 22984 इंदौर–कोटा एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक कोटा के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा सोगरिया–कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 61634 बीना–कोटा मेमू दिनांक 10 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक कोटा के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा सोगरिया–कोटा के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तित रेलगाड़ियाँ

गाड़ी संख्या 14814 भोपाल–जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 03 अक्टूबर 2025 तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय सोगरिया–कोटा चंबल केबिन–गुड़ला मार्ग से संचालित होगी। (सोगरिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय मध्यरात्रि 02:10/02:20 बजे)

गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर–भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय गुड़ला–कोटा चंबल केबिन–सोगरिया मार्ग से संचालित होगी। (सोगरिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय रात्रि 23:30/23:40 बजे)

गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 03 अक्टूबर 2025 तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय सोगरिया–कोटा चंबल केबिन–गुड़ला मार्ग से संचालित होगी। (सोगरिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय प्रातः 06:35/06:45 बजे)

गाड़ी संख्या 12182 अजमेर-जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 10 सितंबर 2025 से 04 अक्टूबर 2025 तक अपने निर्धारित मार्ग की बजाय गुड़ला–कोटा चंबल केबिन–सोगरिया मार्ग से संचालित होगी। (सोगरिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय रात 21:50/22:00 बजे)

सोगरिया रेलवे स्टेशन पर अस्थाई ठहराव

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस अवधि के दौरान मार्ग परिवर्तित रेलगाड़ियाँ जिनका कोटा रेलवे स्टेशन पर ठहराव है उन ट्रेनों को अस्थाई तौर पर सोगरिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव दिया जा रहा है।

भोपाल से टीम पहुंची
दिल्ली से आ रहे विशेषज्ञ

बरगी बांध के ब्लॉक में लीकेज बढ़ा

हरिभूमि, जबलपुर।

रानी अवंति बाई सागर परियोजना के तहत बरगी बांध के आंतरिक गैलरी जिसका उपयोग जल निकासी, रिसाव जांच और सुरक्षा निगरानी के लिए किया जाता है उसके दस नंबर ब्लाक के तीन नंबर की पाइप लाइन में लीकेज हो गया है। जिससे पानी बांध के अंदर तेजी से भर रहा है। बरगी बांध वर्तमान में अपनी कुलभराव क्षमता 422.76 से कही अधिक 423.5 मीटर भरा हुआ है। बांध के लीकेज का जायजा लेने भोपाल से वरिष्ठ अधिकारियों की टीम जबलपुर पहुंच चुकी है। वहीं कहा जा रहा है कि दिल्ली से भी विशेषज्ञ बुलाए जा रहे है। हालांकि बांध में लीकेज से कोई खतरे की संभावना से इंकार किया गया। बांध में लीकेज की बात सामने आते ही

तत्काल खबर भोपाल पहुंचाई गई, इसके बाद भोपाल से वरिष्ठ अधिकारियों की टीम जबलपुर पहुंचते ही हरकत में आ गई। बताया गया है कि लीकेज को ठीक करने के लिए दिल्ली से विशेषज्ञों को बुलाया जा रहा है। भोपाल से आए नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय हैं। अधिकारियों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है। लीकेज को जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा। इस लीकेज से बांध की मजबूती पर कोई असर नहीं पड़ा है।

बरगी बांध प्रबंधन का कहना है कि पूर्व में सामान्य रिसाव स्तर 0.05 लीटर दर्ज किया गया था। अब यह बढ़कर 0.06 लीटर हो गया है, जो सुरक्षित सीमा से 0.015 लीटर अधिक है। जानकारों का कहना है कि अगर रिसाव के कारण बिजली आपूर्ति या जल निकासी मोटरों में किसी भी प्रकार की बाधा आई तब बांध की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। रिसाव की समस्या 2024 से बनी हुई है जो धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है।

पेंशन प्रकरणों सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन

रादुविवि में हड़ताल से कामकाज ठप्प

हरिभूमि, जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में सोमवार से कर्मचारियों ने पेंशन प्रकरणों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के शैक्षणोत्तर कर्मचारी लंबे समय से लंबित पड़े पेंशन मामलों और एरियर्स भुगतान की पहली किस्त जारी न होने से नाराज़ हैं। इस आंदोलन को प्रगतिशील पेंशनर्स एसोसिएशन का भी पूरा समर्थन मिल रहा है।

दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने दिसंबर 2024 में आदेश जारी करते हुए कार्य परिषद द्वारा सृजित 70 पदोन्नति के पदों को निरस्त कर दिया था। इस निर्णय के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन तकनीकी जटिलताओं में फंस गया है। स्थानीय अंकेक्षण विभाग लगातार पत्राचार कर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कह रहा है, लेकिन कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। नतीजतन, पेंशन प्रकरणों की प्री-आडिट प्रक्रिया भी अटक गई है और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भुगतान नहीं हो पा रहा। संघ के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह पटैल और महासचिव राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल ने बताया कि विगत जून माह में कर्मचारी संघ द्वारा एक सप्ताह का आंशिक कार्य का बहिष्कार किया गया था, जिस पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा समस्या के तत्काल निराकरण का लिखित आश्वासन तो दिया लेकिन अब तक समस्या जस की तस हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारी जीवन निर्वाह के लिये तरस रहे हैं, ऑडिट द्वारा पेंशन प्रकरणों का सत्यापन नहीं किया जा रहा हैं।

प्रगतिशील पेंशनर्स एसोसिएशन के शिवशंकर पांडे ने कहा कि प्रशासन और अंकेक्षण विभाग की हठधर्मिता के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन और एरियर्स की राशि नहीं मिल रही। हड़ताल के चलते रादुविवि के प्रशासनिक कार्य प्रभावित होने लगे हैं। सोमवार को काम का बहिष्कार कर मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा।

ये भी हैं प्रमुख मांगें

इसके साथ ही विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों को समान रूप से श्रमसाध्य भत्ते का भुगतान, 2008-13 की अंतरराशि का भुगतान, बैकलाग कर्मचारियों को समयमान वेतनमान, पीएफ खातों में नियमानुसार ब्याजदर का भुगतान, आवास मरम्मत, आवास आवंटन सहित अनेक समस्याएँ जस की तस बनी हुई हैं। पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष शिवशंकर पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी पेंशनर्स कर्मचारियों के साथ हैं। प्रदर्शन में कर्मचारी संघ के प्रेम प्रकाश पुरोहित, बीरेन्द्र कुमार तिवारी, रोहित आर्या, जयशंकर पाण्डेय, राजेन्द्र कनौजिया, रजनीश पाण्डेय, संजय तिवारी, हरेकृष्ण पाण्डेय, ओम प्रकाश शुक्ल, बंशबहोर पटेल, गणेश उनेहा, प्रवीण जायसवाल, विक्रम सिंह उइके आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240